धनबाद
सोमवार 30.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-306 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-15
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

रक्षा मंत्री ने रणनीतियों और युद्ध कौशल में निपुण बनाने के लिए भारतीय सेना के प्रशिक्षण संस्थानों के प्रयासों की सराहना की

इन्दौर (ईएमएस): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैन्य कर्मियों को सैन्य रणनीतियों और युद्ध कौशल में निपुण बनाने में भारतीय सेना के प्रशिक्षण संस्थानों के बहुमूल्य योगदान की सराहना की है। रक्षा मंत्री आज डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) में भारतीय सेना के तीन प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों - आर्मी वॉर कॉलेज (-थउ), इन्फैंट्री स्कूल और मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन एंड इंजीनियरिंग (चउढए) के दौरे पर थे, उनके साथ थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

राजनाथ सिंह को कार्यवाहक कमांडेंट द्वारा उन्नत ऊष्मायन और अनुसंधान केंद्र की स्थापना और प्रौद्योगिकियों के अवशोषण और परिवर्तन को सक्षम करने की दिशा में विभिन्न समझौता ज्ञापनों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों के प्रति उनके योगदान को देखने के लिए आर्मी मार्कस्मैनशिप यूनिट का दौरा किया। रक्षा मंत्री ने इन्फैंट्री संग्रहालय का भी दौरा किया, जहां उन्हें इन्फैंट्री के इतिहास के साथ-साथ इन्फैंट्री में आधुनिक उपकरणों को शामिल करने के बारे में जानकारी दी गई। रक्षा मंत्री ने एडब्ल्यूसी में तीनों संस्थानों के सभी रैंकों के साथ बातचीत भी की।

सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारतीय सेना के जवानों के साहस और सतर्कता की सराहना की। उन्होंने कहा, आपकी लगन और कर्तव्य के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा है। आपकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के कारण ही हमारा देश और इसकी सीमाएं लगातार सुरक्षित और मजबूत होती जा रही हैं।

राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों से वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य पर सतर्क नजर रखने और किसी भी तरह के खतरे से निपटने के लिए हमेशा सतर्क और तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे समय होते हैं जब भारत को सीमाओं के साथ-साथ आंतरिक मोर्चे पर भी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में सैनिकों के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वे विरोधियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें और उनके खिलाफ समय पर और प्रभावी कदम उठाएं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का लक्ष्य २०४७ तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सशस्त्र बल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, आप हमारी सीमाओं के रक्षक हैं और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी हैं। मुझे विश्वास है कि आप साहस और समर्पण के साथ हमारी सीमाओं की सुरक्षा करते रहेंगे और २०४७ तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में योगदान देंगे।

इससे पहले राजनाथ सिंह ने महू में डॉ. बीआर अंबेडकर को समर्पित स्मारक भीम जन्मभूमि का दौरा किया और उनके जन्मस्थान पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर को निस्वार्थ सेवा का प्रतीक बताया, उन्होंने अपना जीवन सामाजिक समानता और सशक्तिकरण के लिए समर्पित कर दिया।

नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्यकिरण' नेपाल में होगा

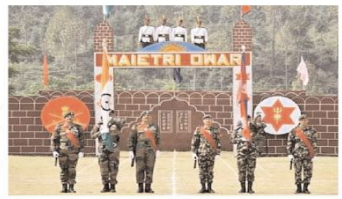

नई दिल्ली (ईएमएस): नेपाल और भारत के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्यकिरण' का १८वां संस्करण मंगलवार से नेपाल के रूपनदेही जिले के सलझंडी में शुरू होने जा रहा है। इस अभ्यास में भारतीय सेना की एक विशेष टोली हिस्सा लेने के लिए नेपाल पहुंच चुकी है।

'सूर्यकिरण' बटालियन स्तर का यह अभ्यास जंगल युद्ध,चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों में आतंकवाद से निपटने, आपदा प्रबंधन, मानवीय सहायता और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के चार्टर के तहत कार्य करने जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित होगा। इसके अलावा, आंतरिक क्षमता निर्माण और पर्यावरण संरक्षण भी इस अभ्यास के मुख्य विषयों में शामिल हैं। दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास में नेपाली सेना की श्री जंग बटालियन और भारतीय सेना की ११वीं गोरखा राइफल भाग लेंगी। प्रशिक्षण के दौरान दोनों सेनाओं के जवान आपसी कौशल साझा करेंगे और एक-दूसरे की तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे। नेपाली सेना के प्रवक्ता कर्नल गौरव कुमार केसी ने बताया कि यह सैन्य अभ्यास ▶▶ 8

दहेज की जीएफएल कंपनी में गैस रिसाव से 4 कामगारों की मौत

घटना को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की टेलिफोनिक बातचीत

भरुच (ईएमएस): जिले दहेज स्थित गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएफएल) कंपनी में बड़ा हादसा हुआ है। कंपनी में गैस रिसाव से चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बीती रात हुई इस घटना को लेकर कंपनी में मजदूरों और कर्मचारियों की सुरक्षा पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के दहेज स्तित जीएफएल कंपनी के सीएमएस प्लांट गैस रिसाव हुआ। वॉल्व लीकेज के कारण कामगारों प्रभावित हुए। घटना के बाद प्रभावित कामगारों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान मजदूरों की मौत हो गई है।

जीएफएल कंपनी की घटना को लेकर ने जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर गैस रिसाव की घटना में चार लोगों की मौत की सूचना मिलने पर एसडीएम और दहेज मरीन पुलिस के अधिकारी तुरंत भरूच सिविल अस्पताल पहुंचे। एसडीएम ने उचित जांच कर मुआवजा देने के निर्देश जारी किए हैं। जीएफएल कंपनी ने मृतकों के परिजनों को २५ लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

जानकारी है कि घटना के बाद केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से इस इस संदर्भ में टेलिफोनिक बातचीत की और स्थिति की समीक्षा की। गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की। ▶▶ 8

खंडवा का 500 साल पुराना श्री राम मंदिर, जलकर खाक

खंडवा (ईएमएस): खंडवा जिला मुख्यालय से १५ किलोमीटर दूर भामगढ़ में स्थित ५०० वर्ष पुराने श्री राम मंदिर में आग लग गई। यह पूरा मंदिर सागौन की लकड़ी से बना हुआ था। मंदिर में रात १:३० बजे आग लगी थी। आग की लपटों को उठता देख पहले पुजारी का परिवार जागा। उसने गांव वालों को इकट्ठा किया। ग्रामीणजनों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का काम किया। फायर ब्रिग्रेड के लिए फोन किया गया था। वह काफी विलंब से पहुंची, तब तक मंदिर जल चुका था। सुबह ५:३० पर आग बुझी। इस आगजनी में मंदिर में स्थापित भगवान श्री राम और लक्ष्मण की जलकर खंडित हो गई हैं। ▶▶ 8

घुसपैठियों ने किया घुसपैठ का चौंकाने वाला खुलासा, 8 बांग्लादेशियों को पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत में बांग्लादेश के घुसपैठियों पर लगाम नहीं लग पा रही है। आए दिन ये अलग अलग तरीकों से भारत में घुसते हैं और यही डेरा जमा लेते हैं। ऐसा न हो इसके लिए अवैध प्रवासियों का सत्यापन किया जा रहा है। इसी दौरान बीते रोज ८ बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए है, उन्होंने पूछताछ में घुसपैठ के चौंकाने वाले तरीकों का खुलासा किया है। कोई सैटिंग करके ट्रेन से आता है तो कोई कई किमी पैदल चलकर जंगल के रास्ते से भारत में दाखिल होता है।

दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों सहित अवैध प्रवासियों के सत्यापन के लिए दक्षिण पश्चिम जिले में अभियान चलाया गया। घर-घर जाकर सत्यापन किया गया और लगभग ४०० परिवारों की जांच की गई तथा उनके दस्तावेज जमा किए गए। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान, एक पुरुष और एक महिला सहित ८ बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। वे जंगल के रास्ते और एक्सप्रेस ट्रेनों का उपयोग करके भारत में घुसे थे। बांग्लादेश से ८ अवैध प्रवासियों को एफआरआरओ के माध्यम से बांग्लादेश भेजा गया है।डिपोर्ट करने वालों की पहचान जहांगीर, परिना बेगम, जाहिद, अहिद, सिराजुल, फातिमा, आशिमा और वाहिद के रूप में हुई है। ये सभी बांग्लादेश के निवासी थे और विभिन्न क्षेत्रों में मजदूर के रूप में काम करते थे।

एक अलग घटना में, एक व्यक्ति को पकड़कर आरके पुरम से डिपोर्ट किया गया। पुलिस को हाल ही में आरके पुरम के सेक्टर-२ के हनुमान मजदूर कैंप में रहने वाले एक अवैध बांग्लादेशी नागरिक के बारे में सूचना मिली थी, जो किराए पर कमरा ढूंढ रहा था। पकड़े जाने पर, फिरोज ने शुरू में पश्चिम बंगाल का निवासी होने का दावा किया। हालांकि, निरंतर पूछताछ के बाद, उसने बांग्लादेश के मदारीपुर के रूप में अपने पैतृक पते का खुलासा किया। फिरोज ने पुलिस को बताया कि उसके माता-पिता १९९० में अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर गए।

कड़ाके की ठंड लेकर आएगा नूतन वर्ष, सुबह शाम छाएगा घना कोहरा

नई दिल्ली (ईएमएस): साल २०२४ अब चला चली की बेला में हैं और नया साल २०२५ का आगमन होने जा रहा है। इन्ही दोनों सालों के बीच कड़ाके की ठंड भी दस्तक देने जा रही है। हालांकी ठंड का आगमन पहले होगा और तीसरे दिन से नए साल की शुरुआत होगी। पिछले छह वर्षों से नए साल की पूर्व संध्या पर पारा ५ डिग्री सेल्सियस या उससे कम रहा है, जिसमें सबसे कम २.४ डिग्री २८ दिसंबर २०१९ को दर्ज किया गया था। २००७ से अब तक न्यूनतम तापमान ७ डिग्री से नीचे ही रहा है। इस साल भी ऐसा ही रहने की संभावना है, और ३१ दिसंबर की शाम/रात को तापमान ६-७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में है। वहीं, मैदानी इलाकों में कड़ाके की ठंड के साथ बारिश ने दस्तक दी और पहाड़ों पर जमकर बर्फबारी हो रही है। वहीं दिल्ली में शीतलहर जारी है। आईएमडी के अनुसार आज न्यूनतम तापमान ९ दर्ज किया गया है। अगले सप्ताह शुष्क और ठंडा मौसम जारी रहेगा। नए साल की पूर्व संध्या पर ठंड और हल्की धुंध छाई रहेगी, जिससे खुले में होने वाले कार्यक्रमों में मुश्किल हो सकती है। पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, राजस्थान के अलग-अलग स्थानों में ३० दिसंबर तक देर रात/सुबह के दौरान घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदलकर बैंक के कर्मचारी ने ही खाते से उड़ा दिए 12 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (ईएमएस): कहते हैं कि जब खेत की बागड़ ही फसल खाने लगे तो रखवाली कौन कर पाएगा। कुछ इसी तरह का मामला प्रकाश में आया है। जहां बैंककर्मी ने ही एक कंपनी को चूना लगा दिया। कर्नाटक पुलिस ने वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर फॉड के आरोप में एक्सिस बैंक के एक रिलेशनशिप मैनेजर और तीन अन्य को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि रिलेशनशिप मैनेजर ने बेंगलुरु की कंपनी ड्रीमप्लग पेटेक सलूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के १२ करोड़ रुपये उड़ा दिए।

आरोपियों में रिलेशनशिप मैनेजर वैभव पियादिया (२९ साल), बैंकिंग एजेंट नेहा बेन विपलभाई, इन्श्योरेंस एजेंट और वैभव के साथी शैलेश का नाम है। इसके अलावा इसमें एक कमीशन एजेंट शुभम भी शामिल है। ड्रीमप्लग के एग्जीक्यूटिव नरसिम्हा वसंत शास्त्री की शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई है।

१२ नवंबर को ड्रीमप्लग के अधिकारियों ने जब देखा कि कुछ संदिग्ध ट्रांजैक्शन कंपनी के अकाउंट से किए गए हैं तब उन्होंने पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई। जांच में पता चला कि एक्सिस बैंक के दो खातों से १२.२ करोड़ रुपये निकाले गए हैं। यह ट्रांजैक्शन २९ अक्टूबर से ११ नवंबर के बीच हुआ था। आरोपियों ने ड्रीमप्लग के खातों में कुछ बदलाव करके उनका एक्सेस ले लिया था। आरोपियों ने जाली साइन बनाकर कंपनी के बोर्ड का प्रस्ताव भी तैयार क दिया था जिसमें ईमेल आईडी और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदलने को कहा गया था। इसके बाद यह एक्सिस बैंक की तरफ से भी अप्रूव हो गया।

इसके बाद आरोपियों ने ओटीपी के जरिए ३७ ट्रांजैक्शन किए। ड्रीमप्लग ने कहा कि अंकलेश्वर और अबरामा बैंक शाखा में भी इसकी शिकायत की गई थी। एक्सिस बैंक के रिकॉर्ड्स से पता चला कि २०२१ में इन खातों को चार यूजर आईडी दी गई थीं। इनमें से केवल दो ही ऐक्टिव हैं। बताया गया कि आरोपियों ने १५ करोड़ का ट्रांजैक्शन करने की कोशिश की थी। लेकिन दो यूजर आईडी इनैक्टिव होने की वजह से १२ करोड़ का ही ट्रांजैक्शन हो पाया।दोशबर के कई खातों से पैसे निकाले गए। पुलिस अब यह पता लगाने ▶▶ 8

जिंदगी से जंग हार गया सुमित, 15 घंटे बाद बोरवेल से निकाला गया, पर नहीं बची जान

गुना (एजेंसी): मध्य प्रदेश के गुना जिले के पिपलिया गांव में १६ घंटे से बोरवेल में फंसे १० साल के बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला गया. लेकिन अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया. जानकारी के अनुसार, ऑक्सीजन की कमी की वजह से सुमित मीणा जिंदगी से जंग हार गया.

जब उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था, तो उसकी सांसें धीमी चल रही थी और वह बेहोश की हालत में था. वहीं रातभर पानी में फंसे रहने की वजह से सुमित के हाथ-पैर भी सुन्न हो गये थे. सर्दी की वजह से उसका शरीर भी सिकुड़ गया था.

बता दें कि सुमित दोपहर करीब साढ़े तीन बजे खेत में बने १४० फीट गहरे बोरवेल में गिर गया था और ३९ फीट की गहराई पर फंसा हुआ था. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और स्थानीय एजेंसियों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. लेकिन गड्ढा काफी गहरा होने की वजह से सफलता नहीं मिली. इसके बाद भोपाल से एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया. ▶▶ 8

दो गज जमीन नहीं दी, सोनिया गांधी पर खूब बरसे पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के भाई

कांग्रेस मुख्यालय में शव तक नहीं रखने दिया था

नई दिल्ली (ईएमएस): पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद अंत्येष्टि और स्मारक को लेकर राजनीति जारी है। जहां कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बीजेपी पूर्व प्रधानमंत्री का अपमान कर रही है। कांग्रेस का आरोप हैं कि जिस तरह पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी का अंतिम संस्कार हुआ था ठीक उसी तरह मनमोहन सिंह का भी जहां अंतिम संस्कार हुआ। वहीं स्मारक बनना चाहिए। इस पर लोगों को पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की याद आ गई कि किस तरह से उनका दिल्ली में अंतिम संस्कार नहीं होने दिया गया था। यहां तक कि उनके पार्थिव शरीर के लिए कांग्रेस मुख्यालय के दरवाजे भी बंद हो गए थे। इस लेकर पीवी नरसिम्हा राव के भाई मनोहर राव ने कांग्रेस और सोनिया गांधी पर निशाना साधा है।

मनोहर राव ने कहा, पूर्व पीएम नरसिम्हा के लिए सोनिया गांधी भी नहीं पहुंची। कांग्रेस के प्रधानमंत्री का निधन हो गया और वे हैदराबाद भी नहीं आ सके। उन्हें सोचना चाहिए कि पहले खुद को सुधार लें। निगम बोध घाट में किसी का भी अंतिम संस्कार हो सकता है। आप लोगों ने पीवी नरसिम्हा राव की एक प्रतिमा तक नहीं लगाई। इतने साल सत्ता में रहकर भी भारत रत्न नहीं दे सके। आपने पूर्व ▶▶ 8

सोलर पावर की ओर कदम बढ़ा रहा झारखंड, 31 जलाशयों की 900 मेगावाट उत्पादन क्षमता

रांची (एजेंसी): झारखंड सोलर पावर की ओर कदम बढ़ा रहा है. झारखंड के चिह्नित ३१ जलाशयों में फ्लोटिंग सोलर पावर की क्षमता ९०० मेगावाट आंकी गयी है. इसके तहत विभिन्न प्रोजेक्टों की न्यूनतम उत्पादन क्षमता दो मेगावाट होगी. इधर कोडरमा में सोलर प्लांट से १० मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू हो गया है. इसके अलावा इस प्लांट के रिजर्वायर में छह मेगावाट क्षमता के फ्लोटिंग पावर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है. आने वाले दिनों में कोडरमा में सोलर पावर से १७१ मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा.

तिलैया डैम में 155 चध फ्लोटिंग पावर प्लांट का होगा निर्माण

तिलैया डैम में १५५ मेगावाट फ्लोटिंग पावर प्लांट का निर्माण होगा. इसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है. वहीं

गिरिडीह में १७ मेगावाट का प्राउंड माउंटेड सोलर पावर प्लांट स्थापित होगा. इसके लिए ३४ एकड़ भूमि की तलाश की जा रही है. जबकि टाटा स्टील के कूलिंग पौंड से १०.८ मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है. इसमें पांच-पांच मेगावाट के दो फ्लोटिंग प्लांट लगाये गये हैं.

चांडिल डैम में 600 चध का पावर प्लांट लगाने की प्रक्रिया जारी

जेरेडा द्वारा राज्य का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट चांडिल डैम में बनाया जाना है. यहां ६०० मेगावाट का प्लांट बनना है. जिसका सर्वे कार्य पूरा कर लिया गया है.

तेनुघाट डैम में भी ४०० मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट बनना है. इसका निर्माण पीपीपी मोड में होगा. जेरेडा द्वारा जल्द ही इसकी प्रक्रिया शुरू की जायेगी.

बोकारो और गुमला में भी स्थापित होगा फ्लोटिंग सोलर प्लांट

बोकारो और गुमला में ऊपरी शंख डैम में भी फ्लोटिंग पावर प्लांट लगाये जाने से संबंधित प्लान का ड्राफ्ट ऊर्जा विभाग ने राज्य सरकार के पास भेजा है. सिकिदरी स्थित गेतलसूद डैम में वर्ल्ड बैंक की मदद से ८०० करोड़ की लागत से १५० मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट लगाने की प्रक्रिया जारी है. इसके लिए सेकी से भी करार हो चुका है.

गैंगस्टर प्रिंस खान का एक और गुर्गा गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : सीमेंट कारोबारी और तैलिक समाज के नेता चेतन साव गोली कांड मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अपराधी के पास से पुलिस ने पिस्टल और जिंदा गोली बरामद किया है।

गैंगस्टर प्रिंस खान के गिरोह का यह सदस्य है। पैसे लेकर यह लोगों के ऊपर फायरिंग करने का प्रिंस खान के लिए काम करता था। आरोपी की गिरफ्तारी बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर से की गई है। गिरफ्तार आरोपी फैजल है। वह यूपी के अलीगढ़ का रहनेवाला है। इसके पास से एक पिस्टल दो गोली और एक मोबाइल बरामद हुआ है। सिटी एसपी अजीत कुमार ने बरवाअड्डा थाना में प्रेस कॉन्फ्रेस के माध्यम से मीडिया को जानकारी देते हुए

बताया कि आरोपी के पास से बरामद पिस्टल घटना में उपयोग किया गया था।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में पुलिस ने प्रिंस के छह गुर्गे को गिरफ्तार किया था। जिनकी गिरफ्तारी के बाद चेतन साव गोली कांड समेत दो और मामले का उद्भेदन हुआ है। पुलिस की ओर से कार्रवाई जारी है। कई और भी गिरफ्तारी होने की संभावना है।

गौरतलब है कि कारोबारी चेतन साव पर विगत १३ दिसंबर को गोली मारी गई थी। वह शाम के वक्त अपनी सीमेंट दुकान में बैठे थे। इस दौरान ग्राहक बनकर पहुंचे दो अपराधियों ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। जिसमें दो गोली चेतन साव को लगी थी। घटना के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोग सड़क पर उतरे थे और आंदोलन भी किया था।

याद किए गए छोटे साहबजादे की शहादत

कलीमेला (ससे) : कुमरी दो नंबर गुरुद्वारा में सिखों के दशवें गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहब्जादे की शहादत को जब भी याद किया जाता है, तो सिख संगत के मुख से यह लफ्ज ही बयां होते हैं। सरसा नदी पर जब गुरु गोबिंद सिंह जी का परिवार जुदा हो रहे थे, तो एक ओर जहां बड़े साहिबजादे गुरु जी के साथ चले गए, वहीं दूसरी ओर छोटे साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह, माता गुजरी जी के साथ रह गए थे, काफी परेशानी सामने आई लेकिन छोटे साहबजादे ने टस से मस नहीं किया की छोटी सी उम्र से उनके तेवर पिता जैसे थे, जब मुगल बादशाह ने छोटे साहबजादे को अपने किले में कैद कर रखा था, कि धर्म परिवर्तन कर सके गोविंद सिंह जी के शेर जैसे लाले पुत्र ने मुगल बादशाह के जब किले में गेट से जैसे अंदर प्रवेश करने लगे सबसे पहले छोटे साहबजादे ने पैर को पहले अंदर प्रवेश किया ।

बाइक सवारों ने उड़ाया महिला का चैन

धनबाद (कासं) : धनबाद सदर थाना क्षेत्र के बरटांड़ बस स्टैंड के समीप बाइक सवार अपराधियों ने दिनदहाड़े एक महिला को निशाना बनाया। सोने की चैन छीनकर बाइक सवार अपराधी फरार हो गया। इस मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

भेलाटांड़ के रहने वाले विजय कुमार सिंह अपनी पत्नी मीना देवी के साथ बस स्टैंड पटेल चौक के पास मार्केटिंग के लिए पहुंचे थे। मार्केटिंग के बाद वह घर वापस लौटने के लिए सड़क पर आए। इस दौरान बाइक पर सवार दो अपराधी मीना देवी की गले से सोने की चैन झपट कर फरार हो गए।

इससे पहले कि लोग जुटते अपराधी अपने मंसूबे में सफल होकर निकल गए। मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल कर रहें है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज पुलिस खंगाल रही है। ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। मीना देवी के पति विजय सिंह ने सदर थाना में लिखित शिकायत की है। जिसमे सोने की चैन की कीमत करीब दो लाख रूपये बताए हैं।

बताते चले की कोयलांचल के लोग इन दिनों अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। चोरी, छिनतई, गोलीबारी की घटनाएं कोयलांचल में आम बात हो गई है। आए दिन लोग अपराधियों के निशाने का शिकार हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पुलिस कार्रवाई नहीं करती है। पुलिस कार्रवाई भी कर रही है और अपराधियों को गिरफ्तार भी कर रही है। इसके बावजूद भी अपराधियों का मनोबल बढ़ता दिख रहा है। सदर थाना प्रभारी आर एन ठाकुर ने कहा कि मामले की लिखित शिकायत मिली है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

जोड़ाफाटक में गरीबों के बीच कंबल वितरण

धनबाद (कासं) : चार साहिबजादो की याद में रविवार को शरबत दा भला सेवा

सोसाइटी की ओर से जोड़ाफाटक स्थित छोटा गुरुद्वारा प्रांगण में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से विधायक राज सिन्हा, पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, समाजसेवी दिलीप सिंह आदि उपस्थित हुए। अतिथियों के हाथों जरूरतमंदो के बीच कंबल वितरण किया गया।

शरबत दा भला सेवा सोसाइटी की ओर से करीब तीन सौ कंबल बांटे गये। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि इस तरह का आयोजन न केवल जरूरतमंदों की मदद का उदाहरण है, बल्कि समाज में आपसी सद्भाव और सेवा की भावना को भी दर्शाता है। पूर्णिमा नीरज सिंह ने कहा कि सर्द मौसम में जरूरतमंदों के लिए यह आयोजन एक प्रेरणादायक पहल साबित हो रही है। ऐसे आयोजनों से समाज में सेवा और सहयोग का संदेश प्रसारित होता है। दिलीप सिंह ने शरबत दा भला सेवा सोसाइटी की इस पहल की सरहाना करते हुए कहा कि वे सोसायटी के साथ हर समय खड़े हैं और इस तरह के आयोजनों में बढ़ चढ़कर मदद के लिये सदैव साथ खड़े रहेंगे। धर्म और जाति बंधन से दूर हटकर ठंड के मौसम में गर्म कपड़े और कंबल का वितरण करना इनका प्रयास काबिले तारीफ है।

जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित

धनबाद (कासं) : रविवार को समाजसेवी उदय प्रताप सिंह ने अपने परिवार के साथ जिले के विभिन्न मंदिरों में जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया। इस मौके पर उदय प्रताप सिंह ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है।

इससे बड़ा पृथ्वी पर कोई सेवा नहीं होती है। हर मनुष्य को चाहिए कि इस दुनिया में ईश्वर ने भेजा हैं तो कुछ ना कुछ जरूरतमंदों को अपने स्तर से कुछ ना कुछ मदद करना चाहिए। कहा कि समाजसेवा उनके माता पिता का दिया हुआ संस्कार है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कम्बल वितरण अभियान जारी है। किसी भी जरूरतमंद को कम्बलमर्म कपड़े की आवश्यकता है, तो मुझे संपर्क करने की कृपा करें। कम्बल वितरण कार्यक्रम में उदय प्रताप सिंह उनकी धर्मपत्नी रेनू सिंह, बेटी अंजनी सिंह, सुजाता सिंह, पंकज सिंह उर्फ़ डब्लू, प्रेम शंकर सिंह, अमन सिंह, अजय पांडे इत्यादि साथ में थे।

डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

सिंदरी (ससे) : रविवार को स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक सभा का आयोजन इंटक कार्यालय सिंदरी नगर कांग्रेस कमिटी के द्वारा की गयी। जिसमें कांग्रेसी के अलावा महागठबंधन के लोग भी उपस्थित हुए। डॉ. मनमोहन सिंह को सभी सम्मिलित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। पुष्पांजलि देनेके बाद उनकी जीवनी पर संक्षिप्त प्रकाश डाला गया। सभी ने कहा कि सादगी, सरलता, सद्भाव उनके व्यक्तित्व को निखारने का काम किया, उनके प्रधानमंत्री काल में किए गए प्रमुख कार्य का भी वर्णन किया गया। उनके यादगार कार्यो में खासकर किसानों का लोन माफ करना, आरटीआई, मनरेगा, आधार कार्ड के साथ ही अमेरिका और हिंदुस्तान का सैन्य समझौता के अलावे भी बहुत सारे किए गए कार्यो का जिक्र किया गया। उनके विषय में जितना कुछ भी कहा जाएगा वह कम है।

श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से हिस्सा लेने वाले कांग्रेस नगर अध्यक्ष अजय कुमार, विदेशी सिंह, रमेश जिंदल, सियाकांत दुबे, सोमनाथ दुबे, जाहिद हुसैन, हरिश्चंद्र दुबे, मुन्ना पांडेय, आर प्रभाकर, पूर्णेन्दु सिंह, सुधाकर प्रसाद सिंह, सत्यदेव सिंह, राज बिहारी यादव, मो. कामरान, मो. मुजफर हुसैन राही, अश्विनी मंडल, के अलावा महागठबंधन के सुरेश प्रसाद, छोटन चटर्जी, स्वामीनाथ पांडे, कृष्ण प्रसाद महतो, सागर मंडल, गौतम प्रसाद, राजीव मुखर्जी इत्यादि मौजूद थे।

एके रॉय स्मारक समिति की बैठक

धनबाद (कासं) : कॉ एके रॉय स्मारक समिति की बैठक बीसीकेयू कार्यालय जगजीवन नगर में रविवार को हुई।

बैठक में सर्वप्रथम देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर एक मिनट का मौन रखकर

शोक संवेदना प्रकट की गई।

स्मारक समिति की बैठक में फैसला लिया गया है कि जून में महान मजदूर किसान के लोकप्रिय नेता पूर्व सांसद कॉ एके रॉय की मूर्ति स्थापना केंद्रीय अस्पताल के समीप नूतनडीह के रास्ते पर अवस्थित कॉ एके रॉय का स्मारक स्तंभ पर किया जाएगा।

इसके लिए सभी प्रकार की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

बैठक की अध्यक्षता स्मारक समिति के अध्यक्ष कॉ हरि प्रसाद पप्पू ने की। जबकि बैठक में माले धनबाद जिला सचिव कॉ बिन्दा पासवान, सीपीआई(एम) जिला कमिटी धनबाद के कॉ राम कृष्णा पासवान, जेएमएम नेता श्यामल दत्ता, स्मारक समिति सचिव कॉ सत्यनारायण कुमार, कोषाध्यक्ष कॉ अजय कुमार महतो, बीसीकेयू कोयला नगर अध्यक्ष कॉ आरपी महतो, सचिव कॉ एके मिश्रा, केंद्रीय अस्पताल धनबाद बीसीकेयू संयुक्त सचिव साथी लिलामय गोस्वामी, बीसीकेयू वरिष्ठ नेता कॉ भगतू प्रसाद महतो के अलावा विश्वास राय, बिंदु पासवान, वेद प्रकाश सिंह, राजेश बिरुआ, भूषण महतो के अलावा अन्य साथी शामिल थे।

गुरुद्धारा में मनी ठाकुर अनुकूल चंद्र जयंती

सिंदरी (ससे) : सिंदरी गुरुद्वारा में ठाकुर अनुकूल चंद्र जयंती मनायी गयी। सत्संग प्रवचन एवं पूजाअर्चना के साथ प्रसाद भोग खिचड़ी का वितरण किया गया। सैकड़ों लोगों ने भोग ग्रहण किया। एक की चाह करते समय दस की चाह मत कर बैठो। एक का ही जिससे चरम हो, वही करो। सब कुछ पाओगे। श्री श्री ठाकुर जी की यह वाणी हमें एकनिष्ठता, समर्पण, और साधना की शक्ति का महत्व सिखाती है। प्रभात फेरी और उषा कीर्तन। समवेत विनती, प्रार्थना एवं नामजाप। धर्मग्रंथों

से वाणी पाठ।

भजनकीर्तन और भक्तिमूलक संगीत। धर्म में सभी वचन व नियम का महत्व मंडली के नाम अनीता श्रीवास्तव, अंजलि रॉय, अनूप कुमार घोष, अरुण बाउरी, अशिमा रानी सेन उपस्थित थी।

शिविर में नरनारियों ने करायी बीपीशुगर की जांच

धनबाद (कासं) : रविवार को भारतीय रेडक्रास सोसाइटी धनबाद के तत्वावधान में चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर श्रीरामनगर चांदमारी के न्यू प्राथमिक मध्य विद्यालय, धनबाद में सुबह ११.३० बजे से अपराह्न २.३० बजे तक सुचारू रूप से संचालित हुआ है। कैम्प में बीपी, शुगर की जांच कर नोडल पदाधिकारी भारतीय रेडक्रास समिति डा. जिम्मी अभिषेक, डा. ज्ञानचंद,डा. मासुम आलम ने जांच पड़ताल कर दवा लिखी, बाद में सभी को दवा कैम्प में उपलब्ध कराई गई। १३० पुरुषों व महिलाओं ने इसका लाभ उठाया। इस दरम्यान एएनएम कंचन गुड़िया, रंजु सिन्हा, सुनीता देवी सहिया ने सहयोग दिया। शिविर में असहाय जन सेवा फाउंडेशन, चांदमारी का भी सहयोग प्राप्त

हुआ। चिकित्सा शिविर आयोजन के बेहतर संचालन में भारतीय रेडक्रास सोसाइटी धनबाद के चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, संयुक्त सचिव दिलीप सिंह, चेयरमैन सलाहकार सह कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष श्वेतांबरा पाठक, नोडल पदाधिकारी वाहन अनिल भगत, नोडल पदाधिकारी स्वास्थ्य डाक्टर जिम्मी अभिषेक, रंजीत सिंह ने किया।इस दरम्यान ग्रामीण ने भी सहयोग किया और एक स्वास्थ्य शिविर का सफ़ल संचालन में दो कफ यक्ष्मा जांच हेतु भी सैंपल में प्राप्त किया गया है।

11 सेंटरों पर चौकीदार नियुक्ति परीक्षा संपन्न

धनबाद (कासं) : चौकीदार पद पर नियुक्ति के लिए सभी ११ सेंटरों पर रविवार को परीक्षा ली गई। परीक्षा को कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी सेंटरों के लिए स्टेटिक मजिस्ट्रेट, गश्ती सह उड़न दस्ता दंडाधिकारी के साथसाथ पुलिस पदाधिकारियों व पुलिस फोर्स की प्रतिनियुक्ति की गई थी। एक ही पाली में ली गई परीक्षा ११ बजे से साढ़े बारह बजे तक निर्धारित थी। ५००० से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस परीक्षा के लिये योग्यता मैट्रिक थी। हालांकि इस परीक्षा में एमटेक, बीटेक के भी छात्र शामिल हुए। अभियर्थियों ने बताया कि परीक्षा में धनबाद जिले से जुड़ी कई सवाल पूछे गए थे। उन्होंने बताया कि बेरोजगारी बढ़ने की वजह से ३३० पदों के लिये हजारोंहजार युवाओं ने परीक्षा दी। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजट्स लेकर प्रवेश करने पर रोक लगाई गई थी। सभी परीक्षा केन्द्रों के १०० मीटर परिक्षेत्र में परीक्षा अवधि तक धारा१६३ के तहत निषेधाज्ञा लागू रही।

द्वारिका मेमोरियल में कला व विज्ञान प्रदर्शनी

धनबाद (कासं) : रविवार को द्वारिका मेमोरियल फाउण्डेशन एकेडमी बिशुनपुर में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक राज सिन्हा, विशिष्ट अतिथि शामिक कुमार सहायक आयुक्त, (बिक्री कर), डॉ.पी.के. सिंह, प्राध्यापक, आईआईटी आईएसएम धनबाद, निदेशक डॉ. उमेश प्रसाद सिंह, प्राचार्य मदन कुमार सिंह ने प्रदर्शनी का उदघाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में छोटे बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। विज्ञान से जुड़े गीत पर भी पंचम वर्ग के छात्रों ने अपने मोहक प्रस्तुति दी।

विद्यालय के बाल वैज्ञानिकों ने लर्निंग बाय डूइंग क्रिया द्वारा जीवन की समस्या को अपने वर्किंग मॉडल एवं प्रोजेक्ट के द्वारा दिखाया। किसानों की समस्या पर आधारित प्रोजेक्ट किसान मित्र, बोरवेल रेस्क्यू रोबोट, रेलवे स्टेशन प्रोटेक्शन सिस्टम, लाइट कम्यूनिकेशन सिस्टम, ट्रैफिक

अलर्ट सिस्टम, सोलर एनर्जी सिस्टम, सेक्यूरिटी एन्ड ऑटोमेशन इलेक्ट्रिकल पोल सेफ्टी, क्रॉप प्रोटक्शन डिवाइस, कैंटल रेस्क्यू फॉर्म, वाटर लेवल कन्ट्रोलर, अर्थक्वेक डिटेक्टर डिवाईस, फायर अलार्म इत्यादि कई वर्किंग मॉडल द्वारा बच्चों ने अपनी क्रिएटिविटी एवं इनोवेटिव आईडिया को प्रस्तुत किया। कला प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा बनाए गये चंद्रयान ३, न्यू पॉलियामेंट हाउस, इंडिया गेट, ताजमहल ,कुतुब मीनार, कोल माइंस, अयोध्या मंदिर, केदारनाथ मंदिर,प्रेम मंदिर ने सभी अभिभावकों एवं अतिथियों को आकर्षित किया। क्राफ्ट संकाय में बच्चों द्वारा बनाए गए बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट को अत्यधिक सराहना मिली। मुख्य अतिथि राज सिन्हा ने बच्चों के द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट और मॉडल की प्रशंसा की एवं सभी प्रतिभागियों को ऐसे उत्कृष्ट प्रोजेक्ट के लिए बधाई दी।

विशिष्ट अतिथि शामिक कुमार ने बच्चों में छिपी प्रतिभाओं एवं उनकी क्षमता को सराहा। डॉ. पी.के.सिंह ने विज्ञान के हर एक प्रोजेक्ट को देखा एवं बच्चों को राज्य एवं देश स्तर पर अच्छा करने के लिए प्रेरित किया।

नाली निर्माण में अनियमितता के खिलाफ लोगों में गुस्सा

गोविंदपुर (ससे) : एनएचएआई के संवेदक द्वारा गोविंदपुर बाजार में नाली निर्माण में गड़बड़ी के खिलाफ नागरिकों ने रविवार को आक्रोश जताया। नागरिकों ने कहा कि संवेदक द्वारा ऊंची ऊंची

नालियां बना दी जा रही है। इससे लोगों को घर और प्रतिष्ठा जाने के लिए रैंप बनाना पड़ रहा है। इससे जीटी रोड का सर्विस लेन और संकीर्ण हो रहा है। स्थानीय नागरिक गोविंद राय, गोपाल महतो, कुणाल केजरीवाल, महावीर बजाज आदि ने बताया कि गोविंदपुर बाजार इलाके में नाली के नाम पर खानापूरी की जा रही है। पूरे क्षेत्र में इस तरह की नालियां बना दी गई है जिसमें बारिश का पानी नहीं घुसता है। बारिश का पानी ढलान की ओर बहता है। नालियां अनुपयोगी सिद्ध हो रही है। नागरिकों ने कहा कि यदि उपयोगी नालियां नहीं बनाई गई तो इसकी शिकायत एनएचएआई के परियोजना निदेशक एवं अध्यक्ष से की जाएगी ।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

दूसरों को सुख देना सबसे बड़ा पुण्य है : सुरेंद्र महाराज

गोविंदपुर (ससे) : ऊपर बाजार दुर्गा मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान रविवार को कथा व्यास सुरेंद्र हरिदास महाराज ने कहा कि पूज्य महाराज श्री ने कहा कि दूसरों को सुख देना सबसे बड़ा पुण्य है और दूसरों को दुख देना सबसे बड़ा पाप है। यह संदेश हमें अपने जीवन में आत्मसात कर, सद्भावना और करुणा से परिपूर्ण रहने का आह्वान करता है। अगर आप चाहते हैं कि आपके जीवन में धन की वर्षा हो और विपत्तियां दूर हों, तो ४१ दिन लगातार मंदिर में झाड़ू लगाएं। यह न केवल आपके घर और परिवार के लिए सकारात्मक ऊर्जा लाता है, बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी आपको शांति और समृद्धि का अनुभव होता है। हम सनातनियों को हिंदू दिखना नहीं बनना पड़ेगा। यह केवल एक पहचान का सवाल नहीं है, बल्कि हमारे आचार, विचार और संस्कारों का भी प्रश्न है। अपने कर्मों और विश्वासों से हमें साबित करना होगा कि हम असली सनातनी हैं। धर्म से जुड़ा हर कदम, संस्कृति से जुड़े हर कार्य, हमें सच्चे सनातनी बनाता है। हमारे ग्रंथ धर्म के पथ पर चलना और मानवता का पालन करना सिखाते हैं। हमारे वेद, भगवद गीता, रामायण जैसे ग्रंथ न केवल आध्यात्मिक ज्ञान देते हैं, बल्कि ये सदाचार, नैतिकता, और मानवता के उच्चतम आदर्शों की शिक्षा भी प्रदान करते हैं। हमारे पास ऐसे अद्भुत ग्रंथ हैं, जो न केवल धर्म की शिक्षा देते हैं, बल्कि सभी मानवों के बीच भाईचारे, सद्भावना, और समाज कल्याण का संदेश भी फैलाते हैं।जहाँ मदिरा का सेवन होगा वहां नाश निश्चित होगा। श्रीमद् भागवत कथा के सप्तम दिवस पर महाराज श्री राधा कृष्ण महारास कृष्ण रुक्मिणी विवाह एवं श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का सुंदर वर्णन भक्तों को श्रवण कराया। कथा के सप्तम दिवस पर सभी भक्तों ने महाराज जी के श्रीमुख से कथा का श्रवण किया।

हमारे यहाँ गुरुदेव पधारे गुरु पधारे गोविन्द पधारे अन्यरूप में हम कही दूर रहते है हमारे माता पिता है कोई संत महात्मा आये तो हमें उन्हें आदर देना चाहिए उनकी पूजा करनी चाहिए! महाराज जी ने कहा की ये जीवन मिला ही परमात्मा से सम्बन्ध स्थापित करने के लिए उस ईश्वर से हमारा रिश्ता बन जाये इससे अच्छा और कुछ नहीं हो सकता कुछ भी नही

पूज्य सुरेन्द्र हरीदास जी महाराज ने कथा का वृतांत सुनाते हुए कहा कि बिना साधना के भगवान का सानिध्य नहीं मिलता। द्वापर युग में गोपियों को भगवान श्री कृष्ण का सानिध्य इसलिए मिला, क्योंकि वे त्रेता युग में ऋषिमुनि के जन्म में भगवान के सानिध्य की इच्छा को लेकर कठोर साधना की थी। शुद्ध भाव से की गई परमात्मा की भक्ति सभी सिद्धियों को देने वाली है। जितना समय हम इस दुनिया को देते हैं, उसका ५ भी यदि भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लगाएं तो भगवान की कृपा निश्चित मिलेगी। कथा को सफल बनाने में गोविंदपुर समाजसेवी प्रदीप बंसल, कांता बंसल, संजय अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, शरद अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, राम अग्रवाल, सुभाष मित्तल, अंजनी शर्मा, कृष्णा पंडित, राजेश अग्रवाल, सुरेश विश्वकर्मा, पवन लोधा, शंकर अग्रवाल, रिशिपाल अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, बबलु विश्वकर्मा, पंकज भगत, सुलेखा देवी, सत्यनारायण साव, स्वप्न कुमार चंद्र, रोहित अग्रवाल, शरत दुदानी, निरंजन अग्रवाल, अनुप सरिया, सुनील सरिया, सुरेश सरिया, प्रदीप अग्रवाल, सूरज शर्मा, धनंजय सिंह, सुरेश भगत, भोला गुप्ता, विवेकानंद पांडे, संतोष पाठक, नारायण चन्द्र सेन, गौर दास, संदीप विश्वकर्मा, शिशिर भगत, संतोष पाठक, दीपक पांडेय, अशोक गुप्ता, मोहन बंसल, प्रकाश विश्वकर्मा आदि समस्त गोर्विदपुर नगरवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। मंगलवार को रात ९ बजे से रात १ बजे तक नववर्ष उत्सव मनाया जाएगा और इसी के साथ कथा की पूर्णाहुति होगी।

सहेली पर लगा दोस्त की हत्या का आरोप

धनबाद (ससे) : जिले में सहेली द्वारा अपनी ही सहेली को जहर देकर हत्या का मामला सामने आया है। मृत बच्ची की मां ने अपनी बेटी की सहेली पर ही हत्या का आरोप लगाया है। पूरे मामले को लेकर पुलिस ने पीड़ित मां का बयान दर्ज कर लिया है। घटना सुदामडीह थाना क्षेत्र के लोको बाजार की है। दरअसल, रेलवे कॉलोनी में रहने वाले सुरेंद्र सिंह की १४ वर्षीय बेटी प्रियंका की एसएनएमएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। मां शारदा देवी और बहन निशा ने आरोप लगाया कि प्रियंका की सहेली ईशा जो पास में ही रहती है, उसे घर से बुलाकर ले गई। लोगों ने बताया कि प्रियंका अपने घर में चिल्ला रही थी। जिसके बाद हम सब उसके पास पहुंचे। उसे ढक्कन में सांप भगाने की दवा डालकर पिला दी गई थी। वह काफी संघर्ष कर रही थी, जिसके बाद उसे चासनाला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से उसे एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि मरते वक्त उसने कहा कि मुझे बचा लो, मुझे सांप का जहर दे दिया गया है। बहन निशा ने बताया कि प्रियंका आठवीं की छात्रा थी। वह संत चिश्ती स्कूल में पढ़ती थी। पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहती थी. सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थी। प्रियंका और ईशा बहुत अच्छी सहेलियां थीं. उनके बीच कभी कोई विवाद नहीं हुआ. उसे जहर देकर क्यों मार दिया, यह समझ में नहीं आ रहा है।

निशा ने कहा कि मुझे अपनी बहन की मौत का न्याय चाहिए. वहीं, सुदामडीह थाना प्रभारी सूरज कुमार रजक ने बताया कि सरायढेला थाने की पुलिस ने अस्पताल में मृत छात्रा की मां का बयान लिया है। बयान के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जो भी दोषी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

मंगल भवन अमंगल हारी, नारायणी थारो नाम सुखारी

धनबाद (ठासं) : मंगल भवन अमंगल हारी, नारायणी थारो नाम सुखारी .. धोयेधोये आंगने में आजो म्हारी दादी जी... जैसे मधुर भजनों के बीच धनसार स्थित होटल सिद्धिविनायक में मंगल पाठ व ज्योत का आयोजन हुआ। मौका था श्री नारायणी परिवार झरिया धनबाद द्वारा

राणी सती दादी जी के दो दिवसीय महोत्सव का। मंगल पाठ में ६०१ सुहागन महिलाएं शामिल हुईं। राणी दादी के जन्म से लेकर सती होने तक की गाथा का बखान मंगल पाठ में किया गया। गणेश वंदना से पाठ की शुरुआत हुई।

पाठ का वाचन कोलकाता से आए कथावाचक देविका बाजोरिया व श्वेता सरावगी मंगल पाठ एंड पार्टी ने किया। चुनरी व मेहंदी उत्सव भी मनाया गया। राणी सती दादी मां का भव्य श्रृंगार किया गया है। पूजन पंडित पवन चौबे ने कराया। मेवा व फल का भोग लगा। महोत्सव को लेकर कार्यक्रम सल को फूलों व विद्युत लाइट से आकर्षक तरीके से सजाया गया।

रात ८.३० बजे छप्पन भोग दादी जी को लगाया गया। इस दौरान झरिया के कलाकार पंकज मोदी व मनीष ने एक से बढ़कर भजन प्रस्तुत किया। गायकों ने 'सारे घर में डंका बाजे मां राणी सती की, दे दे थोड़ा प्यार दादी जी, दादी खोल दे दरवाजे म्हे झुंझुनू आवनगा आदि भजनों से भक्तों को बांधे रखा।

राणी सती दादी जी किया गया शृंगार : आरती के पश्चात महोत्सव का समापन किया गया। इससे पूर्व रविवार की सुबह शृंगार, चरण पादुका पूजा आरती व बूंदिया भोग लगाया गया। दादी जी की महाआरती के पश्चात महाप्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गोपाल अग्रवाल, प्रवीण भिवानीवाला, प्रदीप तुलस्यान, राजेंद्र गोयल, आनंद बुसानिया, सुशील भिवानीवाला के अलावा नारायणी परिवार के सदस्यों का योगदान रहा।

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक की लहर

धनबाद (ठासं) : सामाजिक कार्यकर्ता बिरजन राम के नेतृत्व में युवा प्रगति संगठन डोम समाज धनबाद के प्रतिनिधिमंडल के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें अब भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। साथ ही २ मिनट का मौन रखकर उनके मृतात्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की गयी। मौके पर समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता वक्तव्यो ने कहा कि राष्ट्र के विकास के प्रति उनके किए गए अमूल्य योगदान को देशवासी सदैव याद रखेगा।

डोम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आर्थिक सुधारों के जनक के रूप के साथसाथ राजनीतिक सुचिता के लिए भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह सदैव देशवासियों द्वारा याद किए जाते रहेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता बिरजन राम ने कहा ने कहा कि डॉ.सिंह के नेतृत्व में भारत ने न केवल आर्थिक दृष्टि से प्रगति की, बल्कि उनका कार्यकाल सामाजिक प्रगति और वैश्विक पहचान के लिए भी जाना जाता रहेगा। उनके द्वारा किए गए विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने वाले कदमों ने भारत की विकास की नींव रखी। प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल का भी उल्लेख करते हुए राय ने कहा कि डॉ.मनमोहन सिंह नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण आर्थिक संकटों का सामना किया, जिसमें २००८ का वैश्विक वित्तीय संकट प्रमुख था। अपनी दूरदृष्टि से उन्होंने भारत को इस संकट से बचाया और देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया।मौके पर डोम समाज के वरिष्ठ एवं नौजवान कार्यकर्ता, राजकपूर राम, भट्ट राम आजाद राम देवा राम प्रदीप राम मानना राम रोहित राम सूरज राम मनोज राम रंजीत राम रामू डोम बबलू डोम राजा राम मुकेश राम सुमित कुमार उमेश कुमार गोना राम नीरज राम दादू राम रिंकु राम उमेश कुमार गंगुआ राम किशन राम चुनीलाल राम रबी राम इत्यादि लोग कार्यकर्ता शामिल थे।

भाजपा अलोकतांत्रिक पार्टी है : डॉ. लालजी

धनबाद (ठासं) : बहुजन समाज पार्टी एवं बामसेफ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को एक दिवसीय विचार गोष्ठी सर्किट हाउस सभागार में संपन्न हुई। यह विचार गोष्ठी गृहमंत्री अमित शाह द्वारा पिछले दिनों बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी पर किए गए आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ आयोजित किया गया था। बहुजन समाज पार्टी इस मामले लगातार आंदोलन करते रही है। जिला मुख्यालय पर पहले पुतला दहन कार्यक्रम किए थे फिर अपने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती के आदेश अनुसार राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत गत २४ दिसंबर को रणधीर वर्मा चौक पर धरना प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को ज्ञापन भी दिए थे, मगर आज तक गृह मंत्री से अमित शाह को नहीं हटाए जाने तो दूर अभी तक इस मामले माफी भी नहीं मांगने के खिलाफ लोगों में काफी रोष व्याप्त है और इसको लेकर आगे जुझारू आंदोलन के मूड में बसपा कार्यकर्ता है।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बहुजन समाज पार्टी के केंद्रीय राज्य प्रभारी डॉक्टर लालजी मेघांकर ने कहा कि भाजपा शुरू से ही अलोकतांत्रिक व तानाशाही रही है। ये कभी भी बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर एवं संविधान पर आस्था नहीं रखी है और यही कारण है कि अभी तक इस मामले अमित शाह के द्वारा माफी तक नहीं मांगा गया है। उन्होंने आने वाले नए साल २०२५ संघर्ष का वर्ष बनाने एवं देश के बहुसंख्यक दलित, शोषित, वंचित बहुजन समाज एवं लोकतंत्र व संविधान पर आस्था रखने वाले लोगों के हित में संघर्ष तेज करने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष,जोन प्रभारी सुबल दास ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सदैव ही बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर के सम्मान में आंदोलनरीत रही है। उनके सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ती रही है तथा झारखंड समेत देश के बहुसंख्यक बहुजन समाज के हित में आगे भी संघर्ष जारी रखेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभय कुमार ने जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष गणेश भारती ने किया। कार्यक्रम में जिला महासचिव मनोज दास, पूर्व प्रदेश सचिव गौतम कुमार, बाबूराम मांझी, सिंदरी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बाबूलाल दास, धनबाद विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अनवरी खातून, धनबाद लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी मोहन सिंह यादव, पुनीत अंबेडकर, अशोक रजक, अजीत दास, राजीव कुमार, अशोक कनौजिया, सुभाष, राजकुमार, भोला प्रसाद, नंदलाल राम, सुदेश रविदास, संजय दास, लालमोहन राम, नसरीन परवीन, शबनम परवीन, नसीमा खातून, रामेश्वर राम, हीरालाल राम, कमलेश प्रसाद, अखिलेश कुमार, शंकर यादव, कैलाश दास, मोहित राम, मनोज कुमार, अजय रजवार, मोहित कुमार, सकीना खातून, परमेश्वर रविदास, अनिल दास समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गर्भवती महिला को संस्था ने उपलब्ध कराया खून

धनबाद (ठासं) : अलकारी देवी हॉस्पिटल में भर्ती ३० वर्षीय गर्भवती महिला कल्याणी कुमारी के शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होने के कारण डॉक्टर ने तत्काल ए पॉजिटिव रक्त व्यवस्था करने की बात मरीज के परिजन से कहा। मरीज के परिजन ने इसकी सूचना समर्पण एक नेक पहल के सक्रिय सदस्य झरिया मुनिडीह निवासी समाजसेवी राहुल तत्काल को दिया। सूचना प्राप्त होते ही उन्होंने संस्था के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष दिपेश चौहान को

सूचित किया इसके कुछ ही देर बाद एसजेएस ब्लड बैंक प्रबंधक से बात कर मरीज के लिए रक्त प्रदान करने का आग्रह किया तत्पश्चात कुछ ही देर में ब्लड बैंक के द्वारा गर्भवती महिला के लिए रक्त प्रदान कर दी गई। रक्त मिलने के बाद मरीज की तबीयत अब पहले से काफी ठीक हैं मरीज के परिजन ने इसके लिए संस्था तथा एसजेएएस ब्लड बैंक का धन्यवाद किया।

महिला क्रिकेटर आनंदिता किशोर का अभिनंदन

गोर्विदपुर (ससे) : श्री हरदेवराम पुस्तकालय गोर्विदपुर में रविवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर एशिया कप एवं वर्ल्ड कप के लिए चयनित महिला क्रिकेटर आनंदिता किशोर का नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सुश्री किशोर ने कहा कि सभी के आशीर्वाद से ही वह यहां तक पहुंची है और आगे बढ़ेगी। नागरिक समिति अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल ने कहा कि आनंदिता ने गोर्विदपुर और धनबाद के साथसाथ पूरे झारखंड का सम्मान बढ़ाया है। विकास फोरम के सचिव एसएन लाल त्यागी एवं लायंस क्लब के राजेश जायसवाल ने भी उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी सत्यानंद महाराज, ओमप्रकाश बजाज, जयप्रकाश मिश्र, आनंद जायसवाल, जितेश जायसवाल, रामचंद्र मिश्र, मिथन चंद्र दसौंधी, डॉ आरके शर्मा, वाईपी दत्ता, बाबू भगत, अशोक दत्ता, विपिन रजक, वंदना दास, वेदांत अग्रवाल, वीरू मिश्रा आदि मौजूद थे।

भूल सुधार

धनबाद (ठासं) : बिहार आब्जर्वर अखबार के २९ दिसंबर २०२४ के पृष्ठ संख्या ३ पर छपी खबर के शीर्षक उतराखंड पुलिस ने साइबर ठग छोटू पासवान को किया गिरफ्तार में पुटकी संवाददाता ने भूलवश साइबर ठग छोटू पासवान की जगह दूसरे का फोटो भेज दिया था। इस फोटो व उस व्यक्ति का साइबर अपराध से कोई लेनाबेना नहीं है। इससे कोई सरोकार का प्रमाण नहीं है।

नया वर्ष एक नया अवसर लेकर आता है : पवित्रानन्द

कृष्ण बिहारी मिश्र

रांची के योगदा सत्संग आश्रम में वर्ष के अंतिम रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए स्वामी पवित्रानन्द ने योगदा भक्तों से कहा कि जीवन एक यात्रा है और इस यात्रा में नया वर्ष हमारे लिए एक नया अवसर लेकर आता है। यह नये अवसर को पाकर हम अपने जीवन यात्रा को और बेहतर बना सकते हैं तथा स्वयं को जागृत कर उस ब्रह्मांड के सार को जान सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत में पड़ कर कभी वर्तमान को न भूलें। वर्तमान ईश्वर के द्वारा दिया गया अनमोल उपहार हैं। जिसका हम फायदा उठाकर बेहतर स्थिति में आ सकते हैं अर्थात ईश्वर को पा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस ईश्वर प्राप्ति में हमारे गुरु परमहंस योगानन्द जी हमें बेहतर स्थिति में लाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। जब माया हमें प्रभाव में लेने की कोशिश करती हैं तो उस माया से बचाने का काम अपने गुरुजी का ही हैं। इसलिए हमें अपने गुरु से सदैव प्रेम करना सीखना चाहिए। हम बेहतर स्थिति में हो, इसके लिए हमें गुरु के प्रति प्रेम व भक्ति हर हाल मे रखनी होगी। उन्होंने कहा कि जब गुरु जी का जन्मदिन आता हैं तो आपने देखा होगा कि हर भक्त

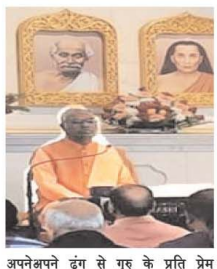

अपनेअपने ढंग से गुरु के प्रति प्रेम प्रदर्शित करता हैं। वो अपनेअपने तरीके से गुरु को प्रसन्न करने के लिए नाना प्रकार के फलफूल और उपहार गुरु को समर्पित करते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि गुरुजी को इन सभी से अलग आपके अंदर जो छुपी बुराई हैं, जो पाप हैं। वो उन्हें चाहिए, ताकि वे अपने प्रभाव से आपके अंदर छुपी बुराई और पाप को भस्मीभूत कर दें और आपको रत्नाकर से वाल्मीकि बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा दें।

उन्होंने कहा कि गुरुजी ने तो हम सब से वादा किया है कि जो कोई भी योगदा के पाठ को पढ़ेगा और उसी प्रकार जीवन यात्रा जारी रखेगा, वे उसके हर समस्याओं का निदान करेंगे। उसके ईश्वर पाने की जो लालसा है। उसे पूरी करने में उसकी मदद करेंगे। बशर्ते उसकी ध्यान व साधना में कोई रुकावट न हो, वह इसका अभ्यास करना कभी नहीं छोड़ें।

पवित्रानन्द ने कहा कि जो भी कोई ध्यान व साधना को नहीं छोड़ता, वो धीरेधीरे स्वत: परमहंस योगानन्द जी की सहायता से ईश्वर के निकट चला जाता है। जो क्रियावान हैं, उनके लिए तो यह कार्य सहज व सरल है। क्योंकि क्रिया योग से ईश्वरीय चेतना को पाना बहुत ही आसान है।

उन्होंने कहा कि एक बार जब वे योगदा आश्रम में टहल रहे थे। तभी एक युवा ने हमसे आकर पूछा कि क्या आप हर प्रकार से मुक्त हो चुके हैं। उसके इस प्रश्न से वे हतप्रभ रह गये। क्योंकि हर प्रकार से मुक्त हो जाना इतना आसान नहीं, जितना समझा जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले अपनी सोच को ठीक करना पड़ता है। अपने दृष्टिकोण को बदलना होता है। अगर दृष्टिकोण गलत हैं तो फिर ईश्वरीय चेतना से आप दूर हो गये, माया आपको प्रभाव में ले लेगी। लेकिन अगर आपका दृष्टिकोण सही हैं तो फिर आप ईश्वरीय चेतना से ओत-प्रोत होते जायेंगे।

उन्होंने कहा कि इसके लिए आपको सबसे पहले संकल्पित होना पड़ेगा। बिना संकल्प के कुछ भी संभव नहीं। एक संकल्प आपके जीवन को परिवर्तित कर सकता है। फिर आप इस संकल्प के माध्यम से अगर आप प्रतिदिन ध्यान करना शुरु करते हैं। क्रिया योग में आसक्त होते जाते हैं तो फिर ईश्वरीय चेतना को प्राप्त करने में दूरी कहां?

उन्होंने इसी बीच एक प्रतिज्ञान भी कराया, जिस प्रतिज्ञान को सभी योगदा भक्तों ने अपने मन में धारण किया। उन्होंने इस बात को बारबार दुहराया कि गुरु की सेवा, संकल्प, अच्छी सोच, एक सुंदर दृष्टिकोण प्रत्येक व्यक्ति के जीवन यात्रा में बेहतर उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि अगर आप अपने जीवन यात्रा को बेहतर बनाना चाहते हैं तो इस नये वर्ष में सबसे पहले अपने अंदर छुपे दुर्गुणों की एक सूची बनाइये और उन दुर्गुणों पर धीरेधीरे विजय प्राप्त करने का प्रयास करिये। अगर आपका संकल्प सत्य है और आपने स्वयं को सुंदर दृष्टिकोण से ओतप्रोत कर रखा हैं और गुरु सेवा में तल्लीन हैं तो आप एक दिन पायेंगे कि आपके अंदर के सारे के सारे दुर्गुण समाप्त हो चुके हैं। आप ईश्वरीय चेतना को प्राप्त कर चुके हैं और आप सही मायनों में हर प्रभाव से मुक्त हो चुके हैं, जो प्रत्येक साधनारत व्यक्ति की चाहत होती हैं।

संपादकीय | मनमोहन सिंह का जीवन हमेशा बेदाग रहा...

सादगी, सौम्यता, मितभाषिता और शांत स्वभाव उनके व्यक्तित्व की खासियत थी। उन्हें सदा सच्चाई पर यकीन रहा। इसीलिए उनका व्यक्तिगत जीवन हमेशा बेदाग रहा। वे व्यावहारिक रूप से जमीनी राजनेता नहीं थे, मगर देश को समृद्धि के शिखर पर पहुंचाने के प्रति उनका समर्पण अभूतपूर्व था। वे जीते-जी देश की आर्थिक स्थितियों को लेकर चिंतित देखे जाते रहे। वे अपने को इसके लिए देश का कर्जदार मानते रहे कि विभाजन के बाद एक बेघर हुए आदमी को सरकार के शीर्ष स्तर तक पहुंचाया। सामान्य कपड़ा व्यवसायी परिवार में पैदा हुए मनमोहन सिंह ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर कैम्ब्रिज और आक्सफोर्ड जैसे दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में दाखिला लेकर अर्थशास्त्र में ऊंची डिग्रियां हासिल कीं।

फिर वे वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग के सदस्य के रूप में आर्थिक नीतियों के मामलों में सरकार का सहयोग करते रहे। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में अपनी सराहनीय सेवाएं दीं। उनके कार्यों की पहचान सबसे अधिक तब हुई जब वे प्रधानमंत्री के आर्थिक मामलों के सलाहकार नियुक्त हुए।

वह ऐसा दौर था, जब भारत की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई थी। विदेशी मुद्रा भंडार काफी खाली हो चुका था। वह पीवी नरसिंहराव का कार्यकाल था। उनसे पहले चंद्रशेखर के कार्यकाल में सोना गिरवी रख कर उबरेक आदि का इंतजाम करना पड़ा था। ऐसे वक्त में मनमोहन सिंह ने आर्थिक उदारीकरण का सुझाव दिया था। लाइसेंस राज खत्म करने और करों में छूट जैसे

उपाय आजमाए गए। उसका नतीजा यह हुआ कि आर्थिक विकास दर कुलांचें भरने लगी। विदेशी निवेश आना शुरू हो गया।

बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत का रुख करने लगीं। इस तरह ने केवल महंगाई पर रोक लगी और प्रति व्यक्ति आय बढ़ी, बल्कि विदेशी मुद्रा भंडार भी भरना शुरू हो गया। फिर उन्हें वित्तमंत्री बनाया गया और निष्ठा के साथ निरंतर वे आर्थिक सुधारों पर काम करते रहे। यह कहने में किसी को संकोच नहीं कि उन्होंने वित्तमंत्री रहते जो आर्थिक ढांचा तैयार किया था, उसी पर विकास की मीनारें आगे भी खड़ी होती रहीं। बीच में वे जरूर सात-आठ वर्षों तक सरकार से बाहर रहे, पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर आर्थिक नीतियों को लेकर अपनी सलाह हमेशा देते रहे। फिर प्रधानमंत्री बने, तो दो पूरे कार्यकाल तक उन्होंने देश के आर्थिक ढांचे को इस कदर मजबूत बना दिया कि मंदी के हिचकोले उसमें दरार नहीं डाल सके। हालांकि प्रधानमंत्री के रूप में उनका दूसरा कार्यकाल विवादों से भरा रहा। उनके कई मंत्रियों पर घोटालों के आरोप लगे, उन्हें सबसे कमजोर प्रधानमंत्री कहा जाने लगा। मगर कभी भी वे सच्चाई से डिगे नहीं। बेशक वे कम बोलते थे और लोगों को लगता था कि वे साहसी नहीं हैं, मगर उन्होंने अपनी सरकार को दांव पर लगा कर जिस तरह अमेरिका के साथ परमाणु करार किया, वह उनके साहस का बड़ा उदाहरण था। फिर उन्होंने सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना, भोजन का अधिकार और अंतिम दिनों में लोकपाल जैसे कानून बना कर साबित कर दिया कि उनकी निष्ठा आम लोगों के जीवन में बेहतरी और शासन-प्रशासन में पारदर्शिता लाने के प्रति है। यही वजह है कि आज उनके जाने पर वे लोग भी उनके कार्यों की प्रशंसा कर रहे हैं, जो कभी उनके आलोचक हुआ करते थे।

चीन की चाल से भारत और बांग्लादेश में बाढ़ का बढ़ेगा खतरा

भारत के प्रति चीन का रवैया पहले ही संदेहों के घेरे में रहा है। चीन अपने हित में और विकास के नाम पर जो फैसले करता है, वह कई बार पड़ोसी देशों के लिए जोखिम का वाहक बन जाता है। यह आशंका खासकर इसलिए भी पैदा होती है, क्योंकि पिछले कुछ समय से सीमावर्ती इलाकों में चीन की गतिविधियां उसके भीतर छिपी विस्तारवाद की भूख को दर्शाती हैं। यही वजह है कि अब चीन अपनी विकास यात्रा को आगे ले जाते हुए ऊर्जा उत्पादन के मकसद से ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने जा रहा है, तो उसके इस फैसले से भारत और बांग्लादेश की चिंता बढ़ गई है। गौरतलब है कि चीन ने तिब्बत पठार के पूर्वी हिस्से में दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की घोषणा की है। चीन यह बांध जिस यारलुंग जांगबो नदी पर बनाने जा रहा है, उसे भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। माना जा रहा है कि इस बांध के जरिए चीन हर वर्ष तीन सौ अरब किलोवाट प्रतिघंटे बिजली पैदा करेगा। प्रथम दृष्टया यह चीन के अपने दायरे में की जा रही विकास की एक गतिविधि है, लेकिन इसके नतीजे में भारत और बांग्लादेश के सामने कई तरह के जोखिम और अन्य चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। दरअसल, यारलुंग जांगबो नदी भारत में अरुणाचल प्रदेश की ओर मुड़ती है। अगर बांध बनने के बाद चीन किन्हीं स्थितियों में या फिर भू-राजनीतिक तनाव उभरने के बाद प्रतिक्रिया स्वरूप इसके पानी को नियंत्रित करता है तो इसका सीधा असर भारत में पानी की आपूर्ति पर पड़ सकता है। यानी एक तरह से इससे चीन पर भारत की निर्भरता बढ़ जाएगी। इसी तरह, इस बांध से अगर बेलगाम तरीके से पानी छोड़ा जाएगा तो भारत के कई इलाकों में अचानक और भयावह बाढ़ से तबाही मच सकती है। भारत की इस चिंता का विस्तार बांग्लादेश में होता है, क्योंकि इसी तरह का प्रभाव वहां भी पड़ेगा। यों चीन अपनी इस योजना का बचाव करते हुए इससे उपजी चिंताओं का समाधान कर लिए जाने की बात कह रहा है, लेकिन उसके इस फैसले से भारत के सामने लगातार आशंका बनी रहेगी।

आज का कार्टून

भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु नहीं बनने की नसीहत

संजय सक्सेना

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए। उधर, राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक मामलों में आरएसएस की भूमिका और प्रभाव को लेकर हिंदू धार्मिक समुदाय के भीतर संभावित झगड़े को भी दर्शाती है। रामभद्राचार्य ने कहा कि संभल में जो कुछ भी हो रहा था वह वास्तव में बुरा था। उन्होंने कहा कि इस मामले में सकारात्मक पक्ष यह है कि चीजें हिंदुओं के पक्ष में सामने आ रही हैं। हम इसे अदालतों, मतपत्रों और जनता के समर्थन से सुरक्षित करेंगे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों पर भी चिंता व्यक्त की।

मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है।

अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग-अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है। वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो-हल्ला नहीं मच रहा है। इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों, डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर साधु-संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है। देश में हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय संत समिति ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर जगह मंदिर तलाशने और इसके सहारे कुछ लोगों का हिंदुओं का नेता बनने की कोशिश वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। समिति ने कहा है कि विभिन्न स्थलों पर मंदिर-मस्जिद विवाद को उठाने वाले नेताओं को अपने दायरे में रहना चाहिए। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा धार्मिक है और इसका फैसला धर्माचार्यों की ओर से किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को सांस्कृतिक संगठन आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को छोड़ देना चाहिए।

स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब धर्म का विषय उठेगा तो उसे धर्माचार्य तय करेंगे। जब यह धर्माचार्य तय करेंगे तो उसे संघ भी स्वीकार करेगा और विश्व हिंदू परिषद भी। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि मोहन भागवत की अतीत में इसी तरह की टिप्पणियों के बावजूद 56 नए स्थानों पर मंदिर पाए गए हैं, जो मंदिर-मस्जिद मुद्दों में रुचि और कारवाई का संकेत देते हैं। जितेंद्रानंद महाराज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक संगठन जनता की भावनाओं के अनुसार कार्य करते हैं। इन समूहों के कार्य उन लोगों की मान्यताओं और भावनाओं से आकार लेते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल राजनीतिक प्रेरणाओं से। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की यह टिप्पणी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओर से मोहन भागवत से असहमति व्यक्त करने के एक दिन बाद आई है। बता दें जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपने बयान में कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासनकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम हैं। साधु संत तो भागवत के बयान से नाराज हैं हीं इसके साथ-साथ यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि आरएसएस प्रमुख को 'परिवार' के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले द्वारका में द्वारका शारदा पीठम और बद्रीनाथ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती संघ परिवार के खिलाफ रुख अपनाते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित बता कर उनके बयानों को खारिज कर दिया जाता था।

बहरहाल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए। उधर, राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक मामलों में आरएसएस की भूमिका और प्रभाव को लेकर हिंदू धार्मिक समुदाय के भीतर संभावित झगड़े को भी दर्शाती है। रामभद्राचार्य ने कहा कि संभल में जो कुछ भी हो रहा था वह वास्तव में बुरा था। उन्होंने कहा कि इस मामले में सकारात्मक पक्ष यह है कि चीजें हिंदुओं के पक्ष में सामने आ रही हैं। हम इसे अदालतों, मतपत्रों और जनता के समर्थन से सुरक्षित करेंगे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों पर भी चिंता व्यक्त की।

बता दें हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने लोगों को ऐसे मुद्दों को न उठाने की सलाह दी। मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है। इस पर हिंदूवादी संगठनों का दावा है कि ये पुरानी मस्जिदें, मंदिर स्थलों पर बनाई गई थीं। इन मस्जिदों में जौनपुर की अटाला की नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू मस्जिद भी शामिल है, जिस मामले में हाल ही में हिंसा हुई थी। 24 नवंबर को भड़की हिंसा में पांच लोग मारे गए थे।

उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर राजनीति भी थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का मंदिर-मस्जिद विवाद न उठाने का बयान लोगों को गुमराह करने के उद्देश्य से था। यह आरएसएस की खतरनाक कार्यप्रणाली को दर्शाता है, क्योंकि इसके नेता जो कहते हैं उसके ठीक विपरीत करते हैं। वे ऐसे मुद्दे उठाने वालों का समर्थन करते हैं। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आरएसएस प्रमुख को घेरा।

उन्होंने कहा कि अगर आरएसएस प्रमुख ईमानदार हैं तो उन्हें सार्वजनिक रूप से घोषणा करनी चाहिए कि भविष्य में संघ ऐसे नेताओं का समर्थन कभी नहीं करेगा जो सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालते हैं। जयराम ने कहा कि आरएसएस प्रमुख ऐसा नहीं कहेंगे, क्योंकि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा आरएसएस के इशारे पर हो रहा है। कई मामलों में, जो लोग ऐसे विभाजनकारी मुद्दों को भड़काते हैं और दंगे करवाते हैं, उनके आरएसएस से संबंध होते हैं।

तनाव कम करने का नया ट्रेंड, क्या 'किडल्टिंग' है हल या नई समस्या?

पिछले कुछ वर्षों के दौरान एक धारणा यह बनी है कि बचपन में खुशियां देने वाले माहौल को फिर से रचकर व्यक्ति दिमागी तनाव को कम कर सकता है। 'किडल्टिंग' या 'किडएडल्टिंग' शब्द के रूप में इसे बच्चों की तरह बेवजह कुछ भी करके खुश होने की प्रक्रिया के रूप में देखा-जाना गया। लेकिन इस पर सोचा जाना चाहिए कि क्या सचमुच स्मृति में जो अच्छा होता है, उसे कृत्रिम तरीके से फिर से रचकर वैसा ही फिर महसूस किया जाना संभव है? बच्चे के लिए कुछ भी करना इसलिए आनंदमय होता है कि वह न चीजों के प्रति और न स्वयं के प्रति ही उतना सचेत होता है। वह हर गतिविधि को करते वक्त उसमें पूरा शामिल होता है। उसका दिमाग और मन अलग-अलग खांडों में विभाजित नहीं होते।

मोनिका भाम्भू

बचपन की ओर लौटने में एक बड़ा अवरोध है। वापस कहीं नहीं लौटा जा सकता, इसीलिए हर वापसी हास्यास्पद हो जाती है। शुरुआत में जिस 'किडल्टिंग' को तनाव दूर करने की दवा के रूप में देखा गया, अब वह एक मर्ज में तब्दील होता जा रहा है। आधुनिक सभ्यता का यह बड़ा अभिशाप है कि यहां दूसरों के खोजे हुए फार्मूले फैशन बनने के अलावा व्यक्ति की कोई मदद नहीं कर पाते। ऐसे प्रयासों द्वारा स्मृति को जीवित करने का प्रयास उसे निष्क्रिय या मृत कर देना ही हो सकता है। स्मृति को जीने के लिए अपने माता-पिता, पड़ोसियों और बचपन के दोस्तों तक पहुंचना एक राह हो सकती है, लेकिन उस परिवेश को दुबारा निर्मित करने की कोशिश में कुछ हाथ नहीं आता। आज के युवा जिम्मेदारियों से बचने के लिए समय-समय पर प्रचारित किए जाने वाले ऐसे खेल खेलने के आदी हो रहे हैं। कॉपेनहेगन विश्वविद्यालय में अपराध विज्ञान के प्रोफेसर और 'इफैटिलाइज्ड' पुस्तक के लेखक कीथ हेवर्ड का कहना है कि युवा बच्चे ही बने रहना चाहते हैं। उनकी हरकतें और मानसिकता किशोरों जैसी हैं। आखिर वे ऐसा दिखाते-दिखाते उन्हीं चीजों में फंस जाते हैं।

हम जो भी करते हैं सब हमारे व्यक्तित्व का

अंग बनता है, भले ही कितना छोटा क्यों न हो। किसी के कार्यों से ही उसकी मानसिकता का पता चलता है। आजकल युवा चलन के तौर पर बहुत जल्द नई चीजों को अपना लेते हैं। वे हर चीज के लिए अलग नाम रख लेते हैं। वे अमूमन इसे शौक या ऐसी आदत कहना पसंद करते हैं जिसमें सहजता महसूस होती है। मगर सहजता की तलाश ऐसी चीजों की ओर क्यों लेकर जाती है, यह एक बड़ा सवाल है? असहजता के कारण को जाने बिना मनोवैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए अस्थायी समाधानों को अपनाते वक्त एक नए फैशन का हिस्सा बनने के अलावा इससे क्या परिणाम होंगे, इसके बारे में नहीं सोचना भी शायद सहजता का फार्मूला है। तनाव दूर करने की प्रक्रिया में समाधान के ही नए तनाव बन जाने की आशंका सदैव रहती है। फिल्में और सोशल मीडिया ने ऐसे चलन को बढ़ावा दिया है। साठ वर्ष के नायक बीस वर्ष के लड़के की तरह उछल-कूद करते और बेपरवाह दिखाए जाते हैं। यह सही है कि आज के व्यस्त, तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धा भरे जीवन में 'किडल्टिंग' कुछ क्षणों की राहत और खुशियों के लिए जगह बनाने का काम करती है। यहां तक कि धीमे उपचार जैसा असर भी देखा जा सकता है। इसीलिए इसे शुरू में मानसिक स्वास्थ्य के लिए कारगर उपाय माना गया, लेकिन आखिर यह एक तरह से शिशुकरण की प्रवृत्ति है, जहां अजीब तरीके से कुछ भी करने को मस्ती का प्रतीक मान लिया गया है। उम्र और शरीर से युवा हो चुके जो लोग खुद को बच्चा मानते हैं, उन्हें रोजमर्रा के जीवन में लगातार निर्देश और संरक्षण की जरूरत होती है। ऐसे व्यवहार को 'विलंबित वयस्कता' के तौर पर माना जाता है।

सवाल है कि यह सब कब तक चल सकता है। एक निश्चित वक्त में इसे अभिनय की तरह भले किया जाना संभव हो, इसके साथ आगे नहीं बढ़ा जा सकता। दुनिया वही है और सारी आकांक्षाएं उसी से जुड़ी हैं। इसलिए तनाव का स्रोत भी वही है। उसका सामना तो परिपक्वता से ही करना होगा। तनाव के स्रोत आखिर कहां हैं, उन्हें जाने बिना अपनी चेतना से दूर होने के उपाय करना आखिर कैसी समझदारी भरी तरकीब है? कुछ अध्ययनों में देखा गया है कि आज के युवा जिम्मेदारियों से बचना चाहते हैं, वे स्वयं को बच्चा समझते हैं। यह ठीक है कि हर कार्य को आनंद के साथ करना हम बच्चों से सीख सकते हैं। बच्चों से सीखने के लिए और भी बहुत कुछ है, लेकिन इसके लिए बच्चों की प्रवृत्तियां अपनाना जरूरी नहीं है। एक उम्र में जो सच्चा और सहज लगता है, वही समय के साथ न बदलने पर जड़ लगने लगता है।

बचपन में जो चीजें खुशियां देती थीं, वे वैसी ही समय बीतने पर नहीं रह जाती हैं। बस वे यादों में ही वैसी रहती हैं। आज के मनुष्य की मानसिकता समाहांत तक सीमित होकर रह गई है। इसलिए वह अपने दिमाग को बिल्कुल साफ रखना चाहता है। स्मृति भी उसके लिए तनाव है। वह ऐसी स्थिति में रहना चाहता है जहां मन को कुछ भी सोचने की जरूरत न पड़े, लेकिन यह संभव नहीं रह गया है।

वापस लौटने के प्रयास हमें हमारी अच्छी स्मृतियों से भी महरूम करते हैं, उनसे हासिल कुछ भी नहीं होता। 'किडल्टिंग' को कोरोना महामारी के दौरान प्रसारित किया गया, जब खाली समय में पुरानी यादों के नाम पर इसे विज्ञापित करना आसान भी रहा। इसे व्यावसायियों ने अपने-अपने तरीके से भुनाया। यह सही है कि जड़ों से जुड़े रहते हुए ही कोई व्यक्ति आगे बढ़ने का एक बेहतर तरीका खोज सकता है, लेकिन तनाव दूर करने के लिए नए तनाव वाला समाधान ढूंढना शून्य या विपरीत नतीजे भी दे सकता है।

तनाव कम करने में साहित्य, संगीत व कला सहायक : प्रांजल ढांडा

बोकारो (ससे): बोकारो की चर्चित साहित्यिक संस्था साहित्यलोक का ३३वां स्थापना दिवस समारोह रविवार को सेक्टर ४ स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में भव्य साहित्यिक कार्यक्रम के साथ मनाया गया।

समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि आईएएस अधिकारी व एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) व मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष हरि मोहन झा, मिथिला सांस्कृतिक परिषद के पूर्व महासचिव अविनाश कुमार झा, वरिष्ठ साहित्यकार सुखनंदन सिंह 'सदय', बुद्धिनाथ झा, साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के सचिव पी के झा चंदन ने मां सरस्वती की तस्वीर व महाकवि विद्यापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। मिथिला महिला समिति की अंजु झा व सबिता मिश्रा ने महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना 'जय जय भैरवि असुर भयाउनि...' व आंचल पाठक ने मैथिली पुत्र प्रदीप की रचना भगवती गीत 'जगदंब अहीं अवलंब हमर हे माय अहां बिनु आस ककर..' की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं कुछ वरिष्ठ साहित्यकारों बुद्धिनाथ झा, विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति', पं उदय कुमार झा, रणधीर चन्द्र गोस्वामी, नीलम झा, कोलकाता से आये कवि डॉ सन्तोष कुमार झा व धनबाद से आईं कवयित्री पूनम झा को सम्मानित किया गया। अतिथियों व साहित्यकारों ने अमन कुमार झा की मैथिली नाट्य पुस्तक 'भेंट' का लोकार्पण किया।

मुख्य अतिथि प्रांजल ढांडा ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्यलोक के ३३वें स्थापना दिवस समारोह में आकर उन्हें काफी प्रसन्नता का अनुभव हुआ है। साहित्य, संगीत व कला से व्यक्ति का तनाव कम होता है। समाज में सकारात्मकता के विकास में साहित्य व कला सहायक है। उन्होंने मैथिली नाटक भेंट पुस्तक के प्रकाशन पर लेखक अमन झा को बधाई दी। डीईओ जगरनाथ लोहरा ने कहा कि साहित्य मानव जीवन के लिए जरूरी है।

साहित्य के विकास में साहित्यलोक का योगदान प्रशंसनीय है। बीएसएल के सीजीएम हरि मोहन झा ने कहा कि आदमी के विकास में भाषा का बहुत अधिक महत्व है। साहित्य का स्थान बहुत ऊंचा है।साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है। उन्होंने नयी पीढ़ी को साहित्य से जोड़ने पर बल दिया।

वरिष्ठ रंगकर्मी बटोही कुमार व कवयित्री शैलजा झा ने नाटक 'भेंट' के कथ्य, शिल्प व संदेश के बारे में बताया और इस पुस्तक की सराहना की। शिक्षिका व साहित्यकार डॉ निरुपमा झा ने वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा के लेखकीय व्यक्तित्व पर आलेख पाठ किया।

बुद्धिनाथ झा ने साहित्यलोक की स्थापना की पृष्ठभूमि सहित पिछले ३२ वर्षों के सफर पर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्यलोक ने बोकारो के साहित्य को उर्वरा बनाने में महती भूमिका निभाई है। वरिष्ठ शिक्षाविद् व समीक्षक तुला नन्द मिश्र, साहित्यकार बुद्धिनाथ झा व गिरिजा नंद झा 'अर्धनारीश्वर' द्वारा ३१ दिसंबर १९९२ को साहित्यलोक की स्थापना की गयी थी।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद के महासचिव नीरज चौधरी व मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के सहयोग से आयोजित इस समारोह में भव्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता बुद्धिनाथ झा ने की। साहित्यकार सुखनंदन सिंह 'सदय', विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति', अमीरी नाथ झा अमर, उदय कुमार झा, रणधीर चन्द्र गोस्वामी, अमन कुमार झा, राजेन्द्र कुमार, डॉ संतोष कुमार झा, राजीव कंठ, अरुण पाठक, करुणा कलिका, नीलम झा, शैलजा झा, पूनम झा, प्रदीप कुमार दीपक आदि ने अपनी रचनाओं से सभी की सराहना पाई। मंच संचालन राजेन्द्र कुमार व डॉ संतोष कुमार झा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शंभु झा ने किया। समारोह में डॉ के एन झा, शंभु नाथ झा, श्रवण कुमार झा, सुधा मल्लिक, शैलेंद्र झा, अमरनाथ झा, रमेश प्रसाद, शारदा प्रसाद, अमरजीत चौधरी, ऋषिकेश चौधरी, संतोष कुमार, विश्वनाथ गोस्वामी, अभय कुमार झा आदि उपस्थित थे।

डीएसओ ने जविप्र दुकान का किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): बार- बार राशन कार्डधारियों से प्राप्त शिकायत पर संज्ञान लेते हुए रविवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) शालिनी खालखो ने चंद्रपुरा प्रखंड के घटियारी पंचायत के पिपराडीह स्थित *जन वितरण प्रणाली दुकान (जविप्र) लाइसेंस संख्या ३९/८४ का औचक निरीक्षण किया। मौके पर बीडीओ एवं सीओ चंद्रपुरा समेत प्रखंड प्रमुख उपस्थित थे।निरीक्षण क्रम में जविप्र डीलर मो. शमीम अहमद द्वारा आवंटन माह का मात्र ३०२ राशनकार्ड धारियों को ही खाद्यान्न वितरण किया गया था। जबकि, १८८ कार्डधारियों का खाद्यान वितरण नहीं किया गया था। बावजूद जविप्र दुकान में मात्र ७५ किलो चावल एवं ६५ किलो गेंहू ही उपलब्ध था।

खाद्यान्न कहां है, इसका जवाब जविप्र डीलर के पुत्र देने में असमर्थ थे। उन्होंने बताया कि दुकान के अलावा अन्यत्र कहीं खाद्यान्न नहीं है। जबकि, तीन घंटे तक चले कार्रवाई में एक बार भी डीलर मो. शमीम दुकान पर उपस्थित नहीं हुएं।

वहीं, कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न वितरण का भी मामला उजागर हुआ। क्रम में टीम ने ३६ कार्डधारियों के खाद्यान्न उठाव का जांच किया। जिसमें ०९ कार्डधारी ऐसे मिलें, जिन्हें खाद्यान्न वितरण निर्धारित मात्रा से कम किया गया था।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) ने राशन वितरण में कालाबाजारी को लेकर डिलर की लाइसेंस को अगले आदेश तक के लिए निलंबित करने की कार्रवाई शुरू की है।

जांच में मामला प्रकाश में आया कि १५ दिसंबर को खाद्यान्न जविप्र डीलर को उपलब्ध कराया गया है। २० दिसंबर को डीलर द्वारा प्राप्त किया गया है एवं २३ दिसंबर से वितरण शुरू किया गया है। इस प्रक्रिया में डीलर द्वारा बेवजह विलंब किया गया है, जो गंभीर मामला बनता है।

वहीं, दिसंबर माह में हुए आवंटन के विरूद्ध ११९० किलो चावल एवं ७४५ किलो गेहूं एवं नवंबर माह में आवंटित खाद्यान्न के विरुद्ध ९८४ किलो चावल एवं ६५८ किलो गेहूं दुकान में उपलब्ध नहीं मिला। कुल ३,५७७ किलो खाद्यान्न कालाबाजारी का मामला है।

डीएसओ ने मामले में जविप्र डीलर मो. शमीम अहमद के विरूद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए लाइसेंस रद्द करने एवं दूसरे जविप्र से टैग करने का अनुशंसा सीओ सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को करने का निर्देश दिया है। उधर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय समीप प्रखंड स्तरीय गोदाम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्यान्न उठाओं करने वाले वाहनों में लगे जीपीएस की जांच की स्टॉक पंजी का मिलान किया।

पुतरीगढ़ डैम निर्माण संघर्ष समिति की बैठक

डुमरी (ससे): पुतरीगढ डैम निर्माण संघर्ष समिति के सदस्यों की एक बैठक रविवार को पुतरीगढ में समिति अध्यक्ष चन्द्रदेव बर्णवाल चन्दु की अध्यक्षता में हुयी। संचालन समिति के कोषाध्यक्ष शिव कुमार महतो ने किया। इस दौरान निर्णय लिया गया कि बीते ३० जुलाई २४ को राज्य सरकार के मुख्यमंत्री से झारखंड विधानसभा भवन रांची में मुलाकात कर हस्ताक्षर अभियान की कॉपी सौंप कर पुतरीगढ सीतानाला में डैम बनाने की मांग की गयी थी जिसपर अबतक क्या कार्रावाई हुई इसकी जानकारी प्राप्त करने के लिये आरटीआई कीजाएगी साथ ही स्थानीय सांसद के अनुशंसा द्वारा जल शक्ति मंत्री को दिये गये ज्ञापन पर सूचना का अधिकार के तहत वस्तुस्थिति से अवगत होने के लिए आवेदन किया जायेगा।

वहीं निर्णय लिया कि अब पुतरीगढ डैम निर्माण संघर्ष समिति स्थानीय जनमुद्दों पर भी अपनी आवाज उठाने का काम करेगी साथ ही प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को समिति की बैठक करने का निर्णय लिया गया।अंत में समिति के सचिव जितेन्द्र दास के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन की गई।

वायु प्रदूषण उन्मूलन पर सेमिनार की शुरुआत

दुर्गापुर (ससे): वायु प्रदूषण के कारण बढ़ रही फुफ्फुसीय और श्वसन संबंधी बीमारियों की बढ़ती चिंताओं से निपटने के लिए, रोटरी क्लब ऑफ दुर्गापुर सेंट्रल (आरसीडीसी) और आईक्यू सिटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने संयुक्त रूप से एक सेमिनार और अभियान का आयोजन किया। आज दुर्गापुर के पीयरलेस इन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जन जागरूकता को बढ़ावा देना और स्वस्थ वातावरण बनाने की दिशा में सहयोगात्मक कार्रवाई को बढ़ावा देना है।

सेमिनार में एडीडीए के अध्यक्ष,श्रीमान काबी दत्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर रोटरी के पूर्व जिला गवर्नर, डॉ. रिंटू गुहा निओगी , आईक्यू सिटी मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल, डॉ. नीरजा शास्त्री और रोटरी के एजी ,रोटरीयिन निर्मल्या घोष भी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में, आरसीडीसी के अध्यक्ष, रोटेरियन अनुजा अग्रवाल, सचिव, रोतारियन संतोष माहेश्वरी और आरसीडीसी के अन्य सम्मानित सदस्य, उनके परिवार और आसपास के जिला स्तरीय रोटरी क्लब जैसे , रानीगंज, बोलपुर रांगामाटी , उखरा, दुर्गापुर एलीट, एयरो सिटी और स्मार्ट सिटी के रोटेरियन शामिल थे।

स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को एक साथ लाने के लिए इस सेमिनार में दूर्गापुर क्षेत्र में वायु प्रदूषण से जुड़े सांस संबंधी रोगों में चिंताजनक वृद्धि पर प्रकाश डाला गया।

आईक्यू सिटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्रसिद्ध पल्मोनोलॉजिस्ट, डॉ. प्रशांत कुमार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए निवारक उपायों, उपचार प्रोटोकॉल और स्थायी रणनीतियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए मुख्य भाषण दिया। उनकी प्रस्तुति ने विस्तृत खंड के साथ इन महत्वपूर्ण स्वास्थ्य और पर्यावरण मुद्दों से निपटने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण पर जोर दिया।

अभियान ने प्रदूषण के स्तर को कम करने में सक्रिय व्यक्ति और सामुदायिक भागीदारी के महत्व को भी रेखांकित किया। आरसीडीसी के सदस्यों ने पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को अपनाने, हरित कवर बढ़ाने और औद्योगिक और वाहन स्रोतों से उत्सर्जन को कम करने पर उपस्थित लोगों को शिक्षित किया।

एक उल्लेखनीय संकेत के रूप में, आईक्यू सिटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सीईओ, रोटेरियन सुवर्ण सेनगुप्ता ने रोटरी और श्वसन रोग परीक्षणों सहित रोटरी और उनके परिवारों में शामिल होने के लिए विशेष विशेषाधिकार की घोषणा की।

दुर्गापुर सेंट्रल के रोटरी क्लब के रोटेरियन अतनु मुखर्जी ने इस सेमिनार का संचालन किया। यह पहल दुर्गापुर और इसके पड़ोसी क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण स्थिरता को बढ़ाने के लिए आरसीडीसी और आईक्यू सिटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल दोनों की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यह सभी हितधारकों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होने का आह्वान करता है।

युवा कांग्रेस ने दी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

डुमरी(ससे): युवा कांग्रेस द्वारा रविवार को किसान भवन में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को श्रध्दांजलि अर्पित की गई।इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके निधन को कांग्रेस पार्टी एवं देश के लिए एक अपूर्णीय क्षति बताया। वक्ताओं ने कहा कि आर्थिक सुधारों के प्रणेता मनमोहन सिंह भले ही हम सबों के बीच नहीं हैं लेकिन उनके विचार एवं कृतियां हमेशा प्रेरणा देती रहेगी।

इस दौरान सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु २ मिनट का मौन धारण किया।मौके पर युवा कांग्रेस के जिला सचिव सरफराज अहमद गुड्डु प्रखंड अध्यक्ष कपिल ठाकुर, सदिक अली, सनाउल्लाह अंसारी, युसूफ अंसारी, दीपक जैन, रोहित कुमार ठाकुर, मोहम्मद अनवर आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने कोयला लदे ट्रक को पकड़ा

डुमरी (ससे): डुमरी पुलिस ने शनिवार की देर रात्रि को कुलगो टोल प्लाजा के पास कोयला लदा ट्रक एनएल ०१एम ९३६८ को पकड़ थाना ले गयी साथ ही चालक को हिरासत में ले लिया।ट्रक में लगभग २३ टन कोयला लोड है।बताया जाता है कि पुलिस को सुचना मिली थी की कच्चा कोयला लेकर गोबिंदपुर से बिहार उक्त नंबर की ट्रक जा रही है।

जिसके बाद कुलगो टोल के पास जांच अभियान चलाकर वाहन को पकड़ा गया। वहीं खबर प्रेषण तक चालक द्वारा प्रस्तुत कागज की जांच हेतु पुलिस की एक दल गोविन्दपुर भेजी गई है।

सन्यासी के बाद वैष्णव अखाड़ों में हुई धर्म ध्वज की स्थापना

प्रयागराज(ईएमएस): यहां के त्रिवेणी मार्ग पर स्थित शिविरों में तीन वैष्णव अखाड़ों की धर्म ध्वजा की स्थापना हुई। इन अखाड़ों में श्री पंच निर्मोही अणि अखाड़ा, श्री पंच निर्वाणी अणि अखाड़ा और श्री पंच दिगंबर अणि अखाड़ा शामिल है। इन अखाड़ों के धर्म ध्वजा स्थापना समारोह के साथ-साथ चरण पादुका पूजन भी विधिपूर्वक संपन्न हुआ। महाकुंभ के इस आयोजन में विशेष रूप से हनुमान जी की पूजा और उनकी ध्वजा की स्थापना की गई, जो अब इन अखाड़ों में प्रमुख रूप से विराजमान है। इन ध्वजाओं की स्थापना के बाद अब अखाड़ों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान और कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। वहीं तीनों वैष्णव अखाड़ों की धर्म ध्वजा स्थापना भी शनिवार को स्थापित हो गई। ध्वज स्थापना के साथ अखाड़ों में भी महाकुंभ के विभिन्न अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे। पंच निर्मोही अग्नि अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास के अनुसार चरण पादुका और धर्म ध्वजा स्थापना के बाद अब अखाड़े में सभी तरह के कार्यक्रमों की शुरुआत हो जाती है।

फायरिंग कर भाग रहा इनामी बदमाश एनकाउंटर में घायल

मथुरा(ईएमएस): नए बस स्टैंड के सामने चैकिंग कर रही पुलिस ने एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया। बदमाश ने अपनी हेकड़ी दिखाते हुए फायरिंग कर दी। और तेज रफ्तार से भागने लगा। इधर से पुलिस ने भी घेरकर जवाबी फायरिंग की,इसमें युवक घायल हो गया। जांच पर पता चला कि ये २५ हजार का इनामी बदमाश हरियाणा निवासी फुरकान है।

पुलिस पूछताछ में बदमाश ने बताया कि नाम फुरकान निवासी गांव अकेड़ा, नूंह, सदर, हरियाणा बताया। एसपी सिटी ने बताया कि शातिर फिरौती के लिए किए गए अपहरण के मामले में २५ हजार का इनामी है।कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार रात हुई मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से २५ हजार का इनामी घायल हो गया। वह फिरौती के लिये एक व्यक्ति का अपहरण करने के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस ने बाइक, असलाह बरामद कर बदमाश को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी सिटी डा. अरविंद कुमार ने बताया कि सीओ सिटी भूषण वर्मा के नेतृत्व में कोतवाली प्रभारी देव पाल सिंह पुंडीर और स्वाट प्रभारी अभय शर्मा नये बस स्टैंड के सामने माल गोदाम रोड कच्ची सड़क के समीप चेकिंग कर रहे थे। तभी सामने से आ रहे बाइक सवार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वो पुलिस पर फायरिंग कर वहां से भागने लगा। पुलिस द्वारा घेराबंदी कर की गई जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गया।

जामा मस्जिद के सामने शुरु हुआ चौकी का निर्माण

संभल,(ईएमएस): यूपी के संभल में जहां पर पुलिस चौकी बन रही है, वहां स्थानीय महिलाएं पूजा करने पहुंचीं और भूमि पूजन वाली जगह पर नवग्रह बनाकर दीप जलाए। महिलाओं ने यहां पूजा-अर्चना की। उनका कहना था कि पुलिस चौकी बनने से वे सुरक्षित महसूस कर रही हैं। इस जगह पर चौकी बन रही है, यह अच्छा कदम है. वे मंदिर जाने से पहले यहां दीप जलाने आई हैं।

बता दें कि संभल में पुलिस चौकी निर्माण का काम शुरू होने से पहले भूमि पूजन किया गया था। इसके बाद शनिवार रात आसपास के इलाके की महिलाएं भूमि पूजन वाली जगह पर पहुंचीं और पूजन किया। महिलाओं ने आटे से नवग्रह बनाए और उसके ऊपर दीप जलाकर रखे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। दरअसल, शुक्रवार को संभल में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने जामा मस्जिद के सामने खाली पड़े मैदान में पुलिस चौकी बनाने का फैसला किया था। इसके तुरंत बाद चौकी की नींव की खुदाई का काम शुरू हुआ।

गाजीपुर के बाजार में चली गोली, किन्नर की हत्या

गाजीपुर (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में रविवार को एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया जिससे उस पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा हो गया. यहां के नंदगंज बाजार में गोली की आवाज गूंज गई जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया. दरअसल, गाजीपुर यूट्यूबर गंगा किन्नर उर्फ हर्ष उपाध्याय की हत्या कर दी गई. बताया जा रहा है कि अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी. दुकान में कपड़ा खरीदने के दौरान गंगा किन्नर उर्फ हर्ष उपाध्याय के सर के पास गोली मारी गई.

गाजीपुर के नंदगंज बाजार का मामला

नंदगंज थाना क्षेत्र के नंदगंज बाजार में एक कपड़े की दुकान में इस घटना को अंजाम दिया गया. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और आसपास के लोगों से पूछताछ की, पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी खंगाला गया और साक्ष्य जुटाने की कोशिश की गई, गाजीपुर के नंदगंज बाजार के चोचकपुर मोड़ के पास एक कपड़े की दुकान है जहां पर एक किन्नर की अज्ञात बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी और फिर मौके से फरार हो गए.

अज्ञात बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया

बरहपुर गांव के रहने वाले हर्ष उपाध्याय उर्फ गंगा किन्नर २५ साल के थे और रविवार को अपनी स्कॉर्पियो से नंदगंज बाजार में लेकर आए थे. यहां वो एक दुकान में कपड़ा खरीदने के लिए पहुंचे थे. इसी दौरान यहां पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया. बताया जा रहा है कि गंगा किन्नर की सिर में गोली मारी गई जिससे उसकी मौत हो गई है. एएसपी सिटी ज्ञानेंद्र नाथ प्रसाद ने इस बारे में जानकारी दी है कि एक बदमाश बाजार में आया और गंगा किन्नर पर फायरिंग कर चला गया.

उनके परिजनों को इस बारे में सूचना दे दी गई है. तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी. बता दें कि एक बार अज्ञात बदमाशों ने ८ जनवरी २०२४ को भी गंगा किन्नर को गोली मारी थी जिसके बाद बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया था.

महाकुंभ में 2000 ड्रोन शो से जगमाएगा आसमान

प्रयागराज , (ईएमएस): महाकुंभ को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। प्रयागराज में मंदिरों, गंगा घाटों, पार्कों, सड़कों और फ्लाईओवरों का निर्माण और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं और पर्यटकों को कई नये और अनोखे मिलेंगे। इनमें से एक आकर्षक गतिविधि यूपी टूरिज्म विभाग की ओर से आयोजित किया जाने वाला ड्रोन शो होगा। महाकुंभ में पहली बार संगम नोज पर यह ड्रोन शो देखने को मिलेगा, जिसमें करीब २००० लाइटनिंग ड्रोन महाकुंभ की पौराणिक कथाओं और प्रयाग के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व का प्रदर्शन करेंगे।

महाकुंभ का आयोजन हर १२ साल में एक बार होता है। महाकुंभ २०२५ का आयोजन १३ जनवरी से २६ फरवरी तक होगा।

आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर शोक की लहर

पटना (एजेंसी): बिहार के पूर्व आईपीएस अधिकारी, प्रसिद्ध समाजसेवी और महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल का आज (रविवार, २९ दिसंबर) कार्डियक अरेस्ट की वजह निधन हो गया. प्रशासनिक सेवा से रिटायर होने के बाद उन्होंने अपना जीवन धार्मिक और सामाजिक कार्यों को समर्पित कर दिया.

महावीर मंदिर न्यास से जुड़ने के बाद उन्होंने ना सिर्फ महावीर मंदिर का जीर्णोद्धार किया, बल्कि गरीबों के लिए स्कूल और अस्पताल खुलवाए. वे अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य थे. राम मंदिर के निर्माण के लिए महावीर मंदिर की ओर से १० करोड़ रुपये से ज्यादा का दान दिया गया है.

आचार्य कुणाल किशोर ने ९ नवंबर २०१९ को श्रीराम जन्म भूमि के पक्ष में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले आते ही मंदिर की ओर से राम मंदिर निर्माण में १० करोड़ रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की थी.

उनके निधन पर बिहार के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई. डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने लेकर तमाम राजनेताओं ने गहरा दुख जताया. सम्राट चौधरी ने शोक जताया है. उन्होंने कहा कि किशोर कुणाल का जीवन समाज सेवा, धार्मिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए समर्पित था. उन्होंने महावीर मंदिर को एक राष्ट्रीय पहचान दिलाई और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कार्य किए. उनके योगदान को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है. जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व पदाधिकारी थे. हृदय आघात से उनकी दुखद मृत्यु पीड़ा जनक है.

नीरज कुमार ने आगे कहा कि पुलिस पदाधिकारी के रूप में उन्होंने अपनी ईमानदार छवि पेश की. विभिन्न दृष्टांत उसके उदाहरण हैं. आध्यात्मिक जगत में भी उन्होंने महत्वपूर्ण हस्ताक्षर किया. पटना के छोटे से महावीर मंदिर से प्राप्त आय से महावीर कैंसर संस्थान, महावीर वत्सल संस्थान जैसे विभिन्न संस्थाओं का निर्माण किया. उन्होंने सत्य और निष्ठा के साथ अपने व्यक्तिगत जीवन को जिया है.

बिहार बीजेपी ने लिखा कि आचार्य किशोर कुणाल जी के हृदयाघात से निधन की खबर अत्यंत दुखद और हृदय को विचलित करने वाली है. उनका जीवन समाज सेवा, धर्म और शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान का परिचायक रहा. वहीं लोजपा ने कहा कि सामाजिक न्याय के पुरोधा महावीर मंदिर धार्मिक न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी का निधन अत्यंत दुखद है. उनका जाना सामाजिक एवं शैक्षणिक जगत में अपूरणीय क्षति है.

महाकुंभ में पहली बार शामिल होगा शृंगेरी पीठ

प्रयागराज (ईएमएस): प्रयागराज महाकुंभ में पहली बार सनातन धर्म की चारों पीठों का मिलन होगा। कुम्भ और महाकुंभ के इतिहास में अद्भुत संयोग के रूप में देखा जा रहा है। पहली बार कर्नाटक स्थित शृंगेरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी भारती तीर्थ जी ने महाकुंभ का आमंत्रण स्वीकार किया है। शृंगेरी पीठ के शिविर के लिए शंकराचार्य मार्ग पर भूमि का आवंटन भी कर दिया गया है। कुंभ और महाकुंभ में अब तक द्वारका शारदा पीठ और ज्योतिषपीठ के अलावा पूरी पीठ के शंकराचार्य ही आते रहे हैंये पहला मौका है जब शृंगेरी पीठ का शिविर भी महाकुंभ में लगेगा।बता दें कि शृंगेरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी भारती २९ जनवरी को मौनी अमावस्या के सबसे बड़े शाही स्नान पर्व पर संगम में शिष्यों अनुयायियों और संतों के साथ डुबकी लगाएंगे।

गांधी मैदान में बीपीएससी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

पटना (एजेंसी): ७०वीं बीपीएससी पीटी परीक्षा फिर से कराने को लेकर अभ्यर्थी पटना के गांधी मैदान में प्रदर्शन कर रहे हैं. उनके साथ प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज के कार्यकर्ता भी मौजूद हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. अभ्यर्थी हम लेकर रहेंगे री-एग्जाम, बीपीएसी होश में आओ के नारे लगा रहे हैं. पुलिस ने छात्रों से मैदान खाली करने का अनुरोध किया, लेकिन वो मानने को तैयार नहीं है. छात्र लगातार नारेबाजी कर प्रदर्शन कर रहे हैं. पुलिस ने गांधी मैदान के सभी गेटों को बंद कर दिया है. ऐसे में छात्र बाउंड्री फांदकर गांधी मैदान में जा रहे हैं.

इस संबंध में पटना टाउन डीएसपी प्रकाश शर्मा ने कहा कि गांधी मैदान में इकट्ठा होना कानून के खिलाफ है. मामले में ऋछठ होगी. उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर ने शनिवार को छात्रों से गांधी मैदान में जुटने का आव्हान किया था. लेकिन पुलिस ने छात्र संसद आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया. इसके बावजूद छात्र और जनसुराज पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में गांधी मैदान में पहुंच गये हैं.

इस पर जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि हम प्रदर्शन के लिए नहीं जा रहे हैं. वहां धरने पर बैठे छात्र से मिलने जा रहे हैं. गांधी मैदान सार्वजनिक जगह है, वहां रोज लोग जाते हैं. बच्चों के पास कोई जगह नहीं है तो वे सार्वजनिक जगह ही जायेंगे. छात्र केवल बात करना चाहते हैं. सरकार ने पता नहीं क्यों इसे अपने प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया है. कहीं ना कहीं वे अपना नुकसान कर रहे हैं. बिहार लोकतंत्र की जननी है और अगर यहीं के बच्चों को अपनी बात कहने का अधिकार नहीं होगा, तब तो ये लोकतंत्र बन रहा है. इसलिए हम छात्रों के साथ हैं.

इधर वाम दल माले ने भी बीपीएससी मुद्दे पर राजनीति शुरू कर दी है. पार्टी ने अभ्यर्थियों के समर्थन में ३० दिसंबर को संपूर्ण बिहार में चक्का जाम करने का ऐलान किया है. -खड- और ठ्य- ने भी इसका समर्थन किया है. इसके साथ ही अन्य विपक्षी दलों से भी सहयोग मांगा गया है.

माले ने सरकार को आज तक का अल्टीमेटम दिया है. पार्टी ने कहा है कि अगर एग्जाम रद्द नहीं की जाती है तो बिहार में बिकराल रूप से चक्का जाम होगा.

ट्रक से 50 लाख की शराब जब्त, चालक गिरफ्तार

पटना (एजेंसी): मद्य निषेध विभाग ने शराब की बड़ी खेप बरामद की. मामला जिले के रजौली थाना इलाके का है, जहां चितरकोली चेक पोस्ट पर मद्य निषेध विभाग ने एक ट्रक से ३९५ कार्टन शराब बरामद की. उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि ट्रक में तलाशी के क्रम में मकई और भूसे की बोरियों के बीच शराब का कार्टन रखा गया था. जांच किया गया तो इसमें से शराब निकला. टीम ने कुल मिलाकर ३४८१.२०० लीटर शराब बरामद की. जिसकी ५० लाख रुपये बतायी जाती है.

पंजाब के पटियाला का है चालक गिरफ्तार ट्रक चालक की पहचान पंजाब के पटियाला थाना क्षेत्र के समाना निवासी सुख वीर सिंह के रूप में हुई है. पूछताछ में चालक ने बताया कि यह शराब उसे झारखंड राज्य के हजारीबाग जिला के चौपारण में दिया गया था. जिसे मुजफ्फरपुर पहुंचना था. चालक ने बताया कि किसी सुमनदीप नाम के व्यक्ति ने उसे शराब परिवहन करने के लिए दिया था. जांच टीम में विभाग के अवर निरीक्षक बब्लू कुमार, सहायक अवर निरीक्षक मद्य निषेध सौरभ कुमार, राकेश कुमार, अंकित कुमार आदि शामिल थे. गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का मोतिहारी में हेलिकॉप्टर खराब

मोतिहारी (एजेंसी): मोतिहारी से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का हेलिकॉप्टर अचानक खराब हो गया. यह घटना उस समय हुई जब सम्राट चौधरी और अन्य मंत्री एक कार्यक्रम में शामिल होकर पटना लौटने की तैयारी कर रहे थे. हेलिकॉप्टर की तकनीकी समस्या के कारण डिप्टी सीएम और उनके साथ मौजूद मंत्रियों को सड़क मार्ग से पटना लौटना पड़ा.

जानकारी के अनुसार डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, मंत्री संतोष सिंह, कृष्णनंदन पासवान और केदार गुप्ता समेत कई भाजपा विधायक मोतिहारी के घोड़ा सहन स्थित

भेलवा हाइस्कूल के मैदान में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे. इस कार्यक्रम का आयोजन भाजपा विधायक पवन जयसवाल द्वारा किया गया था, जिसमें १५१ कन्याओं के सामूहिक विवाह के उपरांत वर-वधू को घरेलू सामग्री और ११,००० रुपये के चेक वितरित किए गए. डिप्टी सीएम और अन्य नेताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया और इसके बाद हेलिकॉप्टर के जरिए पटना लौटने की योजना बनाई.

बता दें कि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जैसे ही सम्राट चौधरी और अन्य मंत्री हेलिकॉप्टर में सवार हुए, तकनीकी समस्या के कारण हेलिकॉप्टर उड़ान भरने में असमर्थ रहा. मोतिहारी जिला प्रशासन ने तुरंत स्थिति का जायजा लिया और हेलिकॉप्टर को ठीक करने का प्रयास किया. करीब एक घंटे तक समस्या सुलझाने की कोशिश की गई, लेकिन हेलिकॉप्टर ठीक नहीं हो सका.

हेलिकॉप्टर की समस्या का समाधान नहीं निकलने पर जिला प्रशासन ने तुरंत वाहनों की व्यवस्था की. इसके बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और अन्य मंत्री सड़क मार्ग से पटना के लिए रवाना हुए. इस दौरान सम्राट चौधरी ने प्रशासन और कार्यक्रम आयोजकों का धन्यवाद किया और सभी को संयम बनाए रखने की अपील की.

इस घटना ने सुरक्षा और तकनीकी तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं. डिप्टी सीएम के हेलिकॉप्टर के खराब होने के कारण प्रशासन में हलचल मच गई. बताया जा रहा है कि इस मामले की विस्तृत जांच की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याओं से बचा जा सके.

नकली आईपीएस के बाद अब फर्जी डीआईजी शराब के साथ गिरफ्तार

लखीसराय (एजेंसी): बिहार के लखीसराय जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. रामगढ़ चौक थाना पुलिस ने खुद को डीआईजी बताकर पुलिस अधिकारियों को परेशान करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से पुलिस ने दो बोतल विदेशी शराब भी बरामद की है. पकड़े गए युवक की पहचान रामगढ़ चौक थाना क्षेत्र के नदियावा गांव निवासी दिलखुश कुमार उर्फ छोटू के रूप में हुई है.

रामगढ़ चौक थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी छोटू कुमार उर्फ दिलखुश खुद को डीआईजी बताकर पुलिस अधिकारियों को फोन करता था. वह अवैध बालू खनन, शराब और पशु तस्करी जैसी फर्जी सूचनाएं देकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करता था. इससे पुलिस अधिकारियों को काफी परेशानी हो रही थी. बीते दिन, शराब के नशे में धुत होकर आरोपी ने थानाध्यक्ष को फोन किया और खुद को डीआईजी बताया. थानाध्यक्ष ने तुरंत उस नंबर की जांच कर आरोपी का पता लगाया. इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया.

गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से दो बोतल विदेशी शराब बरामद की गई. पुलिस के अनुसार आरोपी शराब तस्करी के धंधे में भी सक्रिय है. गिरफ्तारी के बाद आरोपी दिलखुश ने खुद को निर्दोष बताया. उसका कहना है कि उसके फोन नंबर का किसी ने गलत इस्तेमाल किया और डीआईजी बनकर थानाध्यक्ष को फोन किया. हालांकि, पुलिस ने इस दावे को खारिज करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. रामगढ़ चौक थाना पुलिस का कहना है कि ऐसे फर्जीवाड़े को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पुलिस अधिकारियों को गुमराह करने और तस्करी में शामिल होने के आरोप में आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी ने कितनी बार खुद को डीआईजी बताकर फर्जी कॉल किए हैं और इस गुमराह करने वाली गतिविधि से क्या लाभ उठाने की कोशिश की है.

2 फ्लाइट घंटों चक्कर लगाकर हुई लैंड

वाराणसी (ईएमएस): वाराणसी एयरपोर्ट पर खराब मौसम के चलते रविवार सुबह २ फ्लाइट घंटेभर हवा में चक्कर लगाती रही। दरअसल करीब ३०० मीटर होने से फ्लाइट की लैंडिंग नहीं हो सकी। हैदराबाद और बेंगलुरु की फ्लाइट देरी से लैंड होने से यात्री परेशान होते रहे। अकासा एयर फ्लाइट संख्या रविवार सुबह ८.५१ बजे हैदराबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरी। सुबह १० बजे वाराणसी हवाई क्षेत्र में फ्लाइट ने प्रवेश किया। इसके बाद विजिबिलिटी कम होने के चलते विमान वाराणसी हवाई क्षेत्र में करीब १ घंटे तक हवा में ७ चक्कर लगाता रहा। फिर ११ बजे विमान की लैंडिंग हुई।

वहीं, अकासा एयर फ्लाइट संख्या रविवार सुबह ८.४० बजे बेंगलुरु एयरपोर्ट से वाराणसी के लिए उड़ान भरी थी। विमान सुबह १०:२० बजे वाराणसी हवाई क्षेत्र में पहुंचा। इसके बाद विमान विजिबिलिटी कम होने के चलते हवा में चक्कर लगाता रहा। वाराणसी एयरपोर्ट पर ११.१० बजे विमान की लैंडिंग हुई। वाराणसी में रविवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा।

ईश्वर-अल्लाह गाने वाली गायिका को मिली धमकी

पटना (एजेंसी): भोजपुरी की मशहूर लोक गायिका देवी को अब जान से मारने की धमकी मिली है. सोशल मीडिया पर उनसे कहा गया है कि 'सुधर जाओ वरना जहां महात्मा गांधी पहुंचे हैं, वहीं पहुंचा देंगे'. लोक गायिका ने कहा मैंने प्रोग्राम के दौरान ईश्वर अल्लाह तेरो नाम के लिए नहीं बल्कि 'पागलों के झुंड' के लिए सॉरी कहा था. गायिका देवी ने कहा मैं बहुत ही ज्यादा शॉक्ड हूं. बता दें कि २५ दिसंबर को पटना में पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की १००वीं जयंती मनाने के लिए बीजेपी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भोजपुरी लोक गायिका देवी को कथित तौर पर महात्मा गांधी का भजन, 'रघुपति राघव राजा राम' को गाने से रोकने के लिए मजबूर किया गया था.

जिसपर देवी ने कहा कि मैं स्तब्ध हूं. मैं एक भजन गा रही थी, जो महात्मा गांधी का पसंदीदा था. बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और

अश्विनी चौबे सहित बीजेपी के बड़े नेता वहां थे.' 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम' पंक्ति आने पर हिंदू पुत्र संगठन ने हंगामा शुरू कर दिया. मंच पर मौजूद नेताओं को समझ नहीं आ रहा था कि स्थिति को कैसे संभाला जाए और उनमें से कुछ मेरे पास आए और माफी मांगने को कहा, ताकि स्थिति को संभाला जा सके. मैंने माफी मांगी क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि स्थिति बिगड़े. मुझे वहां के डिप्टी सीएम से 'अटल विशिष्ट सम्मान' भी मिला था.

देवी ने कहा कि अब मुझे लगता है कि उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, जिन्होंने वहां अराजकता फैलाई. देवी ने आगे कहा कि मुझे भी धमकियां मिल रही हैं. ये महिलाओं का अपमान है. सभी समुदायों को एक साथ रखने वाले अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पर ऐसी घटिया हरकत शर्मनाक है. पार्टी को ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि लोग मेरे समर्थन में आए, जिससे ऐसे लोगों को जवाब मिल सके.

राजभर ने हनुमान जी को लेकर दिया विवादित बयान

लखनऊ (ईएमएस): यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री का एक विवादित बयान चर्चा में है। बलिया में योगी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने हनुमान जी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि हनुमान जी का जन्म राजभर परिवार में हुआ था। पाताल पुरी में अहिरावन जब राम-लक्ष्मण को लेकर चला गया, तब उन्हें वापस लाने की किसी की हिम्मत नहीं थी। तब राजभर जाति में पैदा हुए हनुमान जी ने उन्हें बचाया था।

राजभर ने कहा कि आज भी लोग राजभरों को भर (बानर) कहते हैं। दरअसल, मंत्री वासुदेवा गांव के मुख्य द्वार पर महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा स्थापना के कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि गरीब तबके के लोग जिनके कच्चे मकान हैं, उन्हें जल्द ही पक्का मकान मिलेगा। बता दें ये कोई पहला मामला नहीं है, जब राजभर चर्चा में हैं। उनके बयानों की वजह से वे हमेशा चर्चा में रहते हैं। बीते दिनों उनका एक और वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वे अपशब्दों का प्रयोग कर रहे थे। कर्मवीर सत्यदेव सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में राजभर शिरकत करने पहुंचे थे।

जहां राजभर से सड़कों की गुणवत्ता को लेकर सवाल पूछ गया, इसके जवाब में राजभर ने कहा, सड़क ठीक नहीं बनी है, तब दिक्कत पैदा होती है। हम लखनऊ-दिल्ली से लाकर पैसा भेजवा देते हैं कि ये सड़क अच्छी बन जाए और लोगों का आवागमन सुचारु रूप से हो सके। अगर ठेकेदार सड़क को सही नहीं बनाए, तब शिकायत आती है और फिर जांच होगी ही।

वहीं ठेकेदार के द्वारा मंत्री राजभर को कमीशन देने की बात का जिक्र होने पर राजभर ने भड़कते हुए कहा, एक ठेकेदार (मां की गाली) कह दे मंत्री जी को पैसा दिया है. बुला लाओ उसको मेरे सामने। जूता-जूता मरूंगा ऐसा ठेकेदार को।

महाकुंभ के लिए चलेगी 13 हजार ट्रेने

प्रयागराज(ईएमएस): यहां आयोजित होने जा रहे महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए भारतीय रेलवे, विशेष रूप से उत्तर मध्य रेलवे, ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस पवित्र आयोजन के दौरान, रेलवे का उद्देश्य लाखों श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और कुशल यात्रा सुविधा प्रदान करना है, जिससे वे आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंचकर इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक आयोजन का हिस्सा बन सकें। इसे देखते हुए महाकुंभ के दौरान उत्तर मध्य रेलवे १३,००० से अधिक ट्रेनों का संचालन करेगा।

इन ट्रेनों में १०,००० से अधिक नियमित गाड़ियां यात्रियों की सेवा में होंगी। इसके अलावा, ३,००० से अधिक विशेष गाड़ियां चलाई जाएंगी। विशेष ट्रेनों में २,००० आउटवर्ड गाड़ियां होंगी (जिन्हें आयोजन से बाहर जाने के लिए संचालित किया जाएगा), जबकि ८०० इनवर्ड गाड़ियां (वापसी की यात्रा के लिए) होंगी।

महाकुंभ में लगभग १० करोड़ लोगों का ट्रेन से आने का अनुमान है। इसे लेकर रेलवे सुरक्षा और व्यवस्था के सारे

इंतजाम कर रही है। प्रयागराज रेल मंडल द्वारा महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के लिए पहली बार सीसीटीवी कैमरों के साथ एफआर कैमरे भी लगाए जा रहे हैं।एफआर कैमरे एआई की मदद से संदिग्ध गतिविधियों और अराजक तत्वों पर नजर रखने में कारगर हैं। एफआर कैमरे एआई तकनीक से काम करते हैं।

फेस रिकॉग्निशन या एआई तकनीक की मदद से चेहरे की पहचान करने में सक्षम होते हैं। ये आसानी से संदिग्धों को भीड़ में भी पहचान कर तलाश लेते हैं। जिससे भीड़ में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों या भगदड़ जैसी स्थिति को बनने से पहले काबू किया जा सकता है। एफआर कैमरे किसी भी असामान्य घटना को आसानी से पकड़ सकते हैं, उन पर तत्काल प्रतिक्रिया कर दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

महाकुंभ २०१३ में भारतीय रेलवे ने कुल १,१२२ विशेष गाड़ियों का संचालन किया था। जबकि, महाकुंभ २०२५ के लिए विशेष गाड़ियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, इससे यात्रियों को और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। प्रयागराज में अगले साल होने जा रहे महाकुंभ के दौरान भीड़ भाड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की यात्रा को आसान बनाने के लिए, २३ जोड़ी (कुल ४६ ट्रेनों) को प्रयागराज और नैनी जंक्शन पर अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। यह पहल तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक और आरामदायक बनाएगी।

लालू प्रसाद यादव एक बार फिर बनेंगे दादा

पटना (एजेंसी): बिहार के चर्चित राजनीतिक परिवार से एक बार फिर खुशखबरी आई है. राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के मुखिया लालू प्रसाद यादव एक बार फिर दादा बनने जा रहे हैं. तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी राजश्री अगले साल अपने परिवार में एक नए सदस्य का स्वागत करने के लिए तैयार हैं. यह जानकारी आरजेडी के करीबी सूत्रों ने दी है. बताया जा रहा है कि राजश्री इन दिनों गर्भवती हैं और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में अपने माता-पिता के साथ आराम कर रही हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राजश्री के मार्च २०२५ में अपने दूसरे बच्चे को जन्म देने की संभावना है. इससे पहले तेजस्वी यादव और राजश्री को सितंबर २०२३ में एक बेटी हुई थी, जिसका नाम कात्यायनी रखा गया. यह नाम लालू यादव ने नवरात्रि के दौरान रखा था. बेटी के जन्म के बाद अब परिवार दूसरी संतान के आने की खुशियों में मग्न है.

तेजस्वी यादव जो वर्तमान

में अपनी राजनीतिक यात्रा 'कार्यकर्ता दर्शन यात्रा' में व्यस्त हैं, जल्द ही कोलकाता जाने की योजना बना रहे हैं. वह अपनी पत्नी राजश्री और परिवार के साथ नए साल का जश्न कोलकाता में मनाएंगे. राजश्री का स्वास्थ्य ठीक रहे, इसके लिए लालू यादव और राबड़ी देवी फोन पर उनसे लगातार संपर्क बनाए हुए हैं.

लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की शादी हो चुकी है, लेकिन उनके वैवाहिक जीवन में तनाव के कारण अभी तक कोई संतान नहीं हुई है. इसके विपरीत तेजस्वी यादव ने अपनी स्कूल फ्रेंड रेचल को जीवनसाथी चुना, जिन्हें शादी के बाद राजश्री नाम दिया गया. उनकी शादी दिसंबर २०२१ में दिल्ली में धूमधाम से हुई थी.

लालू-राबड़ी परिवार इस नई खुशखबरी से उत्साहित है. सभी परिवारजन इस मौके को खास बनाने की तैयारियों में जुटे हैं. लालू यादव के लिए यह खबर इसलिए भी खास है, क्योंकि राजनीति में व्यस्तता के बीच परिवार की नई पीढ़ी की खुशियां उनके लिए सुकून भरी हैं. अब देखना यह है कि परिवार नए सदस्य के आगमन का स्वागत किस तरह से करता है और यह खुशखबरी राजनीतिक हलकों में कितना उत्साह भरती है.

महाकुंभ में समाज से नफरत और विभाजन को दूर करने का संकल्प लेकर शामिल हों : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल की आखिरी मन की बात के अपने ११७वें एपिसोड में संविधान को अपनी सरकार का मार्गदर्शक बताया। पीएम मोदी ने बताया आने वाली जनवरी में भारतीय संविधान के ७५ वर्ष पूरे हो रहे हैं, इस बड़े मौके का सम्मान करने के लिए सरकार ने एक राष्ट्रव्यापी अभियान बनाया है, जिसमें नागरिकों को संविधान की प्रस्तावना पढ़ते हुए अपनी वीडियो साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। पीएम मोदी ने कहा, देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए एक विशेष वेबसाइट तैयार की गई है। आप संविधान को अपनी-अपनी भाषाओं में पढ़ सकते हैं और इससे संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं। मन की बात कार्यक्रम में १३ जनवरी से प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ कार्यक्रम के बारे में पीएम मोदी ने कहा कि उपयोगकर्ताओं को कुंभ से संबंधित जानकारी तक पहुंचने के लिए एक एआई चैटबॉट ११ भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि डिजिटल नेविगेशन की मदद से आप महाकुंभ २०२५ में विभिन्न घाटों, मंदिरों और साधुओं के अखाड़ों तक पहुंच पाएंगे। यही नेविगेशन सिस्टम आपको पार्किंग स्थानों तक पहुंचने में भी सहायता करेगा। पीएम मोदी ने महाकुंभ को एकता का महाकुंभ बताकर श्रद्धालुओं से अपील की कि वे समाज से नफरत और विभाजन को दूर करने का संकल्प लेकर इसमें शामिल हों। पीएम मोदी ने भारतीय फिल्मों के माध्यम से भारत की सॉफ्ट पावर की सराहना कर कहा कि अगले साल २०२५ भारत में आयोजित होने वाला वेव्स शिखर सम्मेलन, भारत को ग्लोबल कॉन्टेंट क्रिएशन का हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

पीएम मोदी ने कहा, जब हम ५ ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं, तब हमारी क्रिएटर इकोनॉमी एक नई ऊर्जा ला रही है। मैं भारत के एंटरमेंट और क्रिएटिव इंडस्ट्री से आग्रह करूंगा कि आप वेव्स शिखर सम्मेलन का हिस्सा जरूर बनें। मन की बात कार्यक्रम को संबोधित कर प्रधानमंत्री मोदी ने 'महाकुंभ को एकता का महाकुंभ बताकर लोगों से आगामी भव्य धार्मिक समागम से समाज से नफरत और विभाजन को खत्म करने के संकल्प के साथ लौटने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात कार्यक्रम में कहा, ''महाकुंभ का संदेश एक हो पूरा देश।

उन्होंने कहा, महाकुंभ की विशेषता न केवल इसकी विशालता बल्कि इसकी विविधता में भी है। यह विशाल धार्मिक आयोजन हर १२ साल में आयोजित होता है। पीएम मोदी ने कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस संविधान के लागू होने की ७५वीं वर्षगांठ होगी जो देशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है।

उन्होंने कहा, ''यह हमारा मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि लोगों को संविधान के प्रावधानों और भावना से जोड़ने के लिए 'कॉन्स्टीट्यूशन७५डॉटकॉम नामक की ए वेबसाइट शुरू की गई है।

रक्तदान शिविर में 21 यूनिट रक्त संग्रह

गोविंदपुर (सस) : गोविंदपुर लायंस क्लब ने रविवार को रक्तदान शिविर लगाया। इसमें २१ यूनिट रक्त संग्रह किया गया। जिलापाल सीमा वाजपेई ने कहा कि रक्तदान दान है।

इससे किसी की जिंदगी बच सकती है। अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने सभी का स्वागत किया। कैबिनेट सेक्रेटरी शुभम वाजपेई, रीजन चेयरपर्सन राजेश जायसवाल, संतोष सोनी, कैलाश दुदानी, एसके राय, राजेश जायसवाल, उज्जवल मंडल, केडीएन आजाद, अनुराग प्रदीप, संजय अग्रवाल आदि शामिल थे।

3 मानव तस्कर धनबाद स्टेशन से गिरफ्तार

धनबाद (छासं) : मानव तस्करी का काम कराने के लिए दक्षिण भारत ले जाये जा रहे १० नाबालिगों समेत १४ लोगों को क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच (सीआइबी) और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने रेस्क्यू किया है। इस मामले में तीन लोगों को पकड़ा है। नाबालिगों को रेल चाइल्ड लाइन के हवाले कर दिया गया है। पकड़े गये आरोपियों को जीआरपी के हवाले कर दिया गया है।

रेल पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है। गुप्त सूचना के आधार पर धनबाद स्टेशन से शुक्रवार को दो बाल तस्करों को गिरफ्तार किया है। छह नाबालिगों को बरामद किया गया है। इसमें मदनडीह के एक, चिरूडीह के तीन, नवादा के दो नाबालिग हैं। सभी को चाइल्ड हेल्प डेस्क को सुपुर्द किया गया है। वहीं पकड़ाये बाल तस्करों में गया निवासी संजय चौधरी और भूली निवासी निहाल खान है। दोनों सभी बच्चों को चेनई में काम कराने के लिए ले जा रहा था।

टीम ने शनिवार को ११ बजे प्लेटफॉर्म संख्या सात से चार नाबालिग समेत आठ लोगों को रेस्क्यू किया है। वहीं इन्हें लेकर जा रहे अवधेश मांझी को गिरफ्तार किया गया है। अवधेश आमस गया का रहने वाला है। उसने बताया कि राजमुंदरी आंध्र प्रदेश में एक कन्स्ट्रक्शन कंपनी में राजमिस्त्री तथा मुंशी का काम करता है। कंपनी द्वारा मांगे जाने पर मजदूरी के लिए सभी को लेकर जा रहा था। शुक्रवार की रात १० बजे सभी धनबाद स्टेशन पहुंचे थे। शनिवार को राजमुन्दरी जाने के लिए टीटीइ से टिकट बनवाया. एलेप्पी एक्सप्रेस का इंतजार कर रहे थे। बरामद लोगों में आमस गया निवासी हरेन्द्र भुइयां, कौशलेन्द्र मांझी, रवींद्र भुइयां, गुरारू गया निवासी अभिषेक कुमार के अलावा कसमा औरंगाबाद के तीन और आमस गया के एक नाबालिग हैं।

ऊना में आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

शिमला (ईएमएस): हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ऊना जिले में करीब २० करोड़ रुपये के निवेश से आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि संयंत्र की न्यूनतम प्रसंस्करण क्षमता ५०० किलोग्राम प्रति घंटा होगी और यह मुख्य रूप से आलू के गुच्छे के उत्पादन पर केंद्रित होगा। सीएम सुक्खू ने बताया कि कृषि विभाग को इसबारे में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया है। सुक्खू ने कहा, राज्य की कुल सब्जी खेती में आलू का हिस्सा करीब २० प्रतिशत है। यह १६,९६० हेक्टेयर से करीब २,३८,३१७ टन उपज देता है।

उन्होंने कहा कि आलू प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना से आलू किसानों को बेहतर लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे कारखाने और कृषि क्षेत्र, दोनों में रोजगार के अवसर पैदा होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। सीएम ने कहा कि आलू को फ्लेक्स जैसे मूल्य-संवर्धित उत्पादों में प्रसंस्कृत करके, यह संयंत्र आलू बाजार को स्थिर करने में मदद करेगा तथा मूल्य में उतार-चढ़ाव के प्रति किसानों की संवेदनशीलता को कम करेगा।

प्रयोगशाला निर्माण में अनियमितता का आरोप

कतरास (ससे) : डीपीएलएम प्लस २ उच्च विद्यालय परिसर में लाखों रुपये की लागत से कम्प्यूटर कक्ष व प्रयोगशाला भवन के निर्माण कार्य मे हो रहे घोर अनियमितता के विरोध में बाँसजोड़ा के ग्रामीणों आक्रोशित है। जेई के आदेश के बाद रविवार को संवेदक ने मजदूर लगा कर तोड़वाने का काम शुरू कर दिया है। आपको बता दें कि डीपीएलएम प्लस २ उच्च विद्यालय परिसर में लाखों रुपये की लागत से कम्प्यूटर कक्ष व प्रयोगशाला का निर्माण कार्य में संवेदक के द्वारा अपनी मनमानी के तहत भवन निर्माण कार्य में घोर अनियमितता बरती जा रही थी। संवेदक के द्वारा खुलेआम बंगला भट्ठा की घटिया ईंट,बालू व निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था।

जिसके बाद विभागीय अधिकारी व संवेदक के विरोध में ग्रामीणों ने जमकर प्रदर्शन करते हुए कार्य पर रोक लगा दिया था। शिकायत के आलोक में बाघमारा जेई राजेश मोहली ने विद्यालय पहुंचकर जांचोपरांत संवेदक के डी सिंह को जमकर फटकार लगाते हुए भवन निर्माण में लगे बंगला भट्ठा ईट को अविलंब हटा कर फिर से दोबारा निर्माण कार्य करने का निर्देश दिया।इस संबंध में स्थानीय मुखिया समीर कुमार लाला ने बताया कि संवेदक के द्वारा पुराने बंगला भट्ठा की ईंट को हटाकर नए सिरे से चिमनी ईट से काम करवाया जाएगा।

चित्रगुप्त महापरिवार की बैठक

कतरास (ससे) : मधुबन थाना क्षेत्र अंतर्गत नवागढ़ स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में रविवार को श्री श्री चित्रगुप्त महापरिवार के चित्रांशों की एक बैठक प्रताप चंद्र लाला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक आहूत करने का मुख्य उद्देश्य चित्रांशों के आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज जी के मंदिर निर्माण स्थल का चुनाव करना था। जिसमें सर्वसम्मति से वर्तमान में स्थित दुर्गा मंदिर के पीछे की खाली पड़ी जमीन पर सहमति बनी। जिसके लिए ७ सदस्यों की एक समिति बनाई गई जो जमीन मालिक से बातचीत कर मंदिर निर्माण कार्य के लिए उक्त जमीन पर उनकी सहमति प्राप्त करेंगे।इस बैठक रंजन लाला,संजू लाला,राम नारायण श्रीवास्तव, सुजीत सिन्हा, प्रताप चंद्र लाला, अमित कुमार सिन्हा विशाल श्रीवास्तव सोनू लाला, सूरज लाला, सुशांत लाला, समर श्रीवास्तव निशांत लाला, राजा लाला,आलोक लाला, कृष्णा श्रीवास्तव, प्रीतम लाला, पंकज लाला, निशि लाला आदि उपस्थित थे।

पत्नी पीड़ित ने विरोध कर पुरुषों के लिए आयोग बनाने की मांग की

सूरत (ईएमएस): शहर के अठवा लाइंस सर्कल पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी पत्नी पीड़ित पति ये जो बेंगलुरू के इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या को लेकर विरोध जता रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने महिलाओं के अधिकारों का दुरुपयोग का मुद्दा उठाते हुए पुरुषों के लिए आयोग का गठन करने की मांग की। साथ ही झूठे मुकदमों के जरिए प्रताड़ित किए गए लोगों को न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

दुष्कर्म के आरोपी भाई व जीजा की जमकर पिटाई

धनबाद (छासं) : सरायढेला थाना क्षेत्र के जगजीवन नगर में बीते रविवार को मूकबधिर लड़की से दुष्कर्म मामले के आरोपित अजीत डोम के छोटे भाई अशोक कुमार व जीजा राजा कुमार को स्थानीय लोगों ने शनिवार को सरायढेला थाना मोड़ के पास पीटकर घायल कर दिया। राजा का नाक व मुंह टूट गया है। राजा कुमार बोकारो के दुग्दा का रहने वाला है। दोनों सरायढेला थाना में २३ दिसंबर की रात ११ बजे हुई आगजनी मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन देने आये थे।

आगजनी मामले में भी पुलिस ने १३ नामजद समेत १५० लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। इसमें उमेश बांसफोर, नरेश हांडी, विनोद रवानी, अशोक हांडी, मनीष बांसफोर, नेहाल कुमार, कुणाल कुमार, अनु देवी, चांदनी देवी, दीपक बांसफोर, उषा कुमारी, संजु देवी, प्रकाश बांसफोर को आरोपित बनाया गया है वहीं पुलिस ने शनिवार को हुई मारपीट मामले में भी चंदन हांडी व रामा हांडी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अशोक, राजा व उनके वकील जब थाना में आवेदन देकर लौट रहे थे, तब सरायढेला मोड़ पर चाय पीने के लिए रूके. अचानक से उनपर चंदन हांडी व रामा हांडी के साथ मिलकर कई अन्य लोगों ने हमला कर दिया. उनके वकील ने थाना में सूचना दी. मौके पर थाना प्रभारी नूतन मोदी व अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे व चंदन व रामा को हिरासत में लिया. इसके बाद हिरासत में लिये गये लोगों को छोड़ने की मांग को लेकर उनके साथियों ने गेट पर ही धरना दे दिया. वे घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भी नहीं जाने दे रहे थे।

टाटा डीएवी में शिक्षक-अभिभावक की सभा

जोड़ापोखर (ससे) : रविवार को टाटा डीएवी स्कूल प्रांगण में बाल वाटिका से लेकर नौवीं और ग्यारवीं के अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बच्चों के सर्वांगीण विकास, एक अच्छे नागरिक बनने और परीक्षा परिणाम कैसे अच्छे हों इस विषय पर एक सभा आयोजित की गई। सर्वप्रथम विद्यालय के शिक्षकों और उपस्थित अभिभावकों ने वैदिक मंत्रोच्चारण एवं ईश प्रार्थना किया, संगीत शिक्षक अभिषेक पाठक ने अभिभावकों के स्वागत में गीत गाया।

अनुज कुमार मिश्रा ने आगंतुक अभिभावकों का स्वागत करते हुए यह कहा कि आपके बच्चे पढ़ लिखकर एक अच्छे इंसान बने उनका सर्वांगीण विकास हो इसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। आप अपने बच्चों के साथ कुछ समय अवश्य दें, उनके मन की बात को समझने का प्रयास करें। ऐसा नहीं करने से बच्चे बात करने से झिझकते हैं खुलकर बात नहीं करते हैं। उन्होंने ज्ञान और विज्ञान के बारे में भी बात की और उसे उदाहरण देकर समझाने का प्रयास भी किया। संगीत शिक्षिका श्रुति पाठक और शिक्षक अभिषेक पाठक ने माता-पिता पर आधारित एक सुंदर गीत गाकर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया।

डीएवी गान और सामाजिक विज्ञान के शिक्षक विनोद कुमार तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का समापन हुआ।

घर में आग लगाकर 1.50 लाख लूटने का आरोप

धनबाद (छासं) : अशोक ने सोमवार को घर घुसकर १३ नामजद समेत १५० लोगों पर हमला करने, लूटपाट व घर जला देने का आरोप लगाया है। शिकायत में अशोक ने बताया कि लगभग १५० लोगों ने उनके घर में घुसकर हमला किया और लूटपाट की। हमलावरों ने उनकी पत्नी के सोने के गहने चोरी किये और उनके घर में रखे १.५० लाख नकद भी लूट लिये। इसके बाद हमलावरों ने उनके घर को आग लगा दी। इससे उनका घर पूरी तरह से जल गया. उन्होंने बताया कि हमलावरों ने उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी।

गौरतलब है कि मूकबधिर युवती से दुष्कर्म के बाद लोगों में आक्रोश था. सोमवार को लोगों ने आरोपित की गिरफ्तारी की मांग को लेकर उसके घर का घेराव किया. पत्थरबाजी भी की. देर शाम तक हंगामा चलता रहा. लोगों ने आरोपित के परिजनों ने घर को अंदर से बंद कर दिया था। हालांकि आरोपित फरार हो चुका था. पुलिस को जैसे ही सूचना मिली, सरायढेला थाना के आधा दर्जन से ज्यादा जवान, पुलिस पदाधिकारी और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह आरोपित के परिजनों को घर से सुरक्षित निकाला था। परिजनों का आरोप है कि रात में उनके घर में आग लगा दी गयी।

आप ने भाजपा, कांग्रेस और बसपा को दिया झटका

नई दिल्ली(ईएमएस): अभी तक नेताओं की तोड़फोड़ में भाजपा बदनाम रही है। लेकिन अब आम आदमी पार्टी यानी आप भी उसी नक्शे कदम पर चल रही है। बीते रोज आप ने भाजपा,कांग्रेस और बसपा के कई नेताओं को अपने पाले में कर लिया है। इनका स्वागत आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी ने पटका पहनाकर किया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव २०२५ से पहले इन पार्टियों के कई नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ आप का दामन थाम लिया। यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रहे अमरीक गिल, नई दिल्ली कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन टंडन, सुखविंदर सिंह और अमन गिल ने आम आदमी का थामन थामा।

आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और दिल्ली सीएम आतिशी ने सभी को आप का पटका और टोपी पहनाकर पार्टी में शामिल किया।दूसरी तरफ वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय पर बीजेपी कांग्रेस और बीएसपी से आए कई नेताओं को पटका और टोपी पहनाकर आप परिवार की सदस्यता दिलाई और सभी का आप परिवार में स्वागत किया।

हरियाणा सरकार का फैसला, सरकारी भर्तियों में गरीबों को नहीं मिलेंगे अतिरिक्त पांच अंक

चंडीगढ़.(ईएमएस): हरियाणा में नायब सैनी सरकार ने फैसला लिया है कि अब तृतीय और चतुर्थ श्रेणी पदों की भर्तियों में गरीब युवाओं को अतिरिक्त पांच अंक नहीं मिलेंगे। सामाजिक-आर्थिक आधार पर अतिरिक्त अंकों पर हाईकोर्ट की रोक के बाद प्रदेश सरकार ने नीति में बदलाव कर दिया है। इस तरह सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के नियमों में संशोधन पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। नए नियमों के तहत रिक्त पदों की तुलना में चार गुना की बजाय सीईटी पास १० गुना युवाओं को अगले चरण के लिए बुलाया जाएगा। इसके साथ ही सीईटी आयोजित करने का रास्ता साफ हो गया है।

वहीं, पांच साल पुराने अस्थाई कर्मचारियों की सेवाएं सेवानिवृत्ति आयु तक तय करने के लिए कैलेंडर ईयर में २४० दिन काम करने की शर्त सरकार ने हटा दी है। शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक के बाद सीएम नायब सैनी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि भर्ती रोको गैंग नहीं चाहता था कि गरीब परिवारों के युवाओं को नौकरियों में अतिरिक्त अंक मिले। भर्ती रोको गैंग हाईकोर्ट चला गया, जहां से सामाजिक-आर्थिक आधार के अंकों पर रोक लग गई। इस कारण हमें नीति में बदलाव करना पड़ा है। कुछ तत्व युवाओं के भविष्य को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश सरकार युवाओं के हितों के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रक्रिया को और ज्यादा पारदर्शी बनाएगी।

तृतीय और चतुर्थ श्रेणी भर्तियों की परीक्षा के अगले चरण में सीईटी पास चार गुना अभ्यर्थियों की बजाय १० गुना करने से ज्यादा युवाओं को मौका मिलेगा और प्रतियोगिता का स्तर बेहतर होगा। इससे योग्य उम्मीदवारों को बेहतर अवसर मिलेंगे। मंत्रिमंडल ने संविदा कर्मचारी अधिनियम-२०२४ में संशोधन करने के लिए अध्यादेश को मंजूरी दे दी। संशोधन के तहत एक कैलेंडर वर्ष में बाक्यांश को अनुबंधित सेवा की एक वर्ष की अवधि के दौरान से बदल दिया जाएगा।

हरियाणा सिविल सेवा (यात्रा भत्ता) नियम-२०१६ में भी संशोधन किया गया है। यदि प्रशिक्षण संस्थान या हरियाणा सरकार द्वारा आवास और भोजन की व्यवस्था की जाती है, लेकिन प्रशिक्षु इसका लाभ नहीं उठाता तो उसे कोई होटल शुल्क नहीं दिया जाएगा। यदि प्रशिक्षण संस्थान या हरियाणा सरकार आवास और भोजन की व्यवस्था नहीं करती तो प्रशिक्षु की पात्रता के अनुसार होटल शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाएगी। सरकारी कर्मचारियों और न्यायिक अधिकारियों के लिए मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी में २५ फीसदी की वृद्धि की है। यह वृद्धि एक जनवरी २०२४ से प्रभावी होगी। डेथ-कम-रिटायरमेंट ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा २५ लाख रुपए रहेगी। अभी तक २० लाख रुपए तक ग्रेच्युटी दी जा रही थी।

कैबिनेट में राज्य के तीन प्रमुख इंजीनियरिंग विंग के पदों पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर), सिंचाई एवं जल संसाधन तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में इन नियमों में संशोधन किया है। संशोधन के बाद किसी भी कर्मचारी के वेतन को फिर से निर्धारित करने की जरूरत नहीं होगी बैठक में हरियाणा सुपीरियर न्यायिक सेवा नियम-२००७ और पंजाब सिविल सेवा नियम-१९५१ में संशोधन को भी मंजूरी दी गई। इससे हरियाणा सुपीरियर न्यायिक सेवा और हरियाणा सिविल सेवा (न्यायिक शाखा) के मृतक सदस्यों के आश्रितों को अनुकंपा वित्तीय सहायता या नियुक्ति मिल सकेगी।

विश्व रत्न थे मो. रफ़ी साहब

इन्दौर (ईएमएस): रफ़ी साहब को भारत रत्न मिले यह दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के साथ हम परिवारजन भी चाहते है। लेकिन फिर यह ख़याल भी आता है कि रफ़ी साहब तो दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हुए हैं। वास्तव में वे विश्व रत्न हैं।

बीजेपी मेरी नई दिल्ली सीट पर ऑपरेशन लोटस चला रही : केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस): आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर ऑपरेशन लोटस चलाने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने दावा किया है कि नई दिल्ली सीट पर १५ दिसंबर से ऑपरेशन लोटस चला रही है। केजरीवाल से दावा किया कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है। मेरे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी का ऑपरेशन लोटस १५ दिसंबर से चालू है। इन १५ दिनों में, उन्होंने करीब ५,००० वोट हटने और ७,५०० वोट जोड़ने के लिए आवेदन दिया है।उन्होंने कहा, नई दिल्ली में एक लाख ६

हजार वोट हैं। एक लाख ६ हजार वोट में से अगर ५ प्रतिशत वोट यह डिलीट करवा रहे हैं और साढ़े सात वोट जोड़ रहे हैं, तब फिर चुनाव कराने की जरूरत क्या है। यह सरेआम बदमाशी हो रही है।

केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी मौजूदा वोटर के नाम कटवा रही है। नई दिल्ली विधानसभा सीट पर २९ अक्टूबर से १४ दिसंबर तक ९०० वोट कटने के लिए आवेदन दिए गए। १५ दिसंबर से आज तक ५००० वोट डिलीशन के लिए आए। १९ दिसंबर को यानी एक दिन में ही डेढ़ हजार वोट डिलीशन के लिए आए। केजरीवाल ने कहा, जो लोग वोट काटने का आवेदन कर रहे हैं वह कौन हैं और किसके इशारे पर से सारा काम हो रहा हैं।

वहीं वोट जोड़ने के मामले में कहा, जब चुनाव आयोग ने दो महीने तक घर-घर जाकर वोट बनाए तब अब १५ दिनों में १० हजार वोटर कहां से आ गए, जिनके वोट बनवाए जा रहे हैं। बीजेपी बाहर से लोगों को लाकर उनका फर्जी वोटर कार्ड बनावा रही है।

इसके साथ उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया है। केजरीवाल ने कहा कि आप पर दबाव बढ़ने वाला है, लेकिन कोई भी गलत काम करने से पहले यह सोच लेना कि आज नहीं तब कल सरकार बदलेगी लेकिन फाइलें और आपके साइन वहीं रहने वाले है। कोई किसी से नहीं पूछेगा कि किसके कहने पर किया था, आखिर में पकड़े आप जाओगे। केजरीवाल ने कहा, बीजेपी १५ दिसंबर से तीन हथकंडे अपना रही है। पहला वोट कटवाओ, दूसरा फर्जी वोट जुड़वा और तीसरा लोगों में पैसे बांटो। बीजेपी वाले खुलेआम पैसे बांट रहे हैं। देश ने पिछले ७० सालों में इतनी बेशर्मी और नंगापन नहीं देखा होगा।

आदिवासियों की पहचान रुढ़िवादी प्रथा से होती हैः संदीप उरांव

रांची (एजेंसी): पांचवी अनसूची क्षेत्र में क्रिश्चियन समाज का कोई स्थान नही है. क्योंकि धर्मांतरित ईसाई लोग पेसा कानून से बाहर हो चुके हैं. ये बात जनजाति सुरक्षा मंच समेत अन्य आदिवासी संगठनों ने रविवार को धुर्वा स्थित सरहुल पूजा स्थल धुमकुड़िया भवन में प्रेस वार्ता में कहा. लोगों ने कहा कि पेसा कानून को पी पेसा कानून बताया जा रहा है.

कहा कि आदिवासी समाज को उलझाया जा रहा है. भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है. पेसा नियमावली/कानून में बदलाव लाने का प्रयास है.

पेसा कानून में पी पेसा कहीं भी जिक्र नहीं है. २४ दिसम्बर को आदिवासी बुद्धिजीवी मंच नहीं बल्कि ईसाई बुद्धिजीवी मंच ने पेसा कानून को लेकर प्रेस वार्ता किया था. जिसमे ईसाई आदिवासी विधायक और मंत्री भी शामिल हुए थे. पेसा कानन को पी पेसा बनाया जा रहा है. जोकि आदिवासी समाज को उलझाने का प्रयास कर रहा है.

धर्मांतरित ईसाई पेसा कानून से बाहर हो चुके हैं

जबजाति सुरक्ष मंच के लोगों ने कहा कि धर्मांतरित ईसाई पेसा कानून से बाहर हो चुके हैं. क्योंकि ये लोग आदिवासी समाज का परंपरा और संस्कृति को नही मानते हैं. ईसाई मिशनरी चाहता है राज्य में छठी अनुसूची क्षेत्र लागु हो. जो स्वशासी जिला परिषद तथा क्षेत्रीय परिषदें का प्रावधान है. इसमें निर्वाचन (वोटिंग) तथा नामांकन के प्रक्रिया से ही चुने जाते हैं.

निर्वाचित सदस्यों को आदिवासियों के सामाजिक रीति रिवाज और परंपराओं आदि से संबंधित कानून बनाने का अधिकार है. जबकि पांचवी अनुसूची क्षेत्र में पारंपरिक और रूढ़िवादी व्यवस्था है. जहा पर क्रिश्चियन समाज के लिए स्थान नहीं है. इसलिए ईसाई बुद्धिजीवी मंच छठी अनुसूची को लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी गया था. जिसे खारिज किया जा चुका है.

आदिवासियों की अपनी सांस्कृतिक पहचान है

जनजाति सुरक्षा मंच का संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि पंचायत के उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम १९९६ धारा ४ (क) और (घ) में कहा गया है. पंचायत पर जो भी कानून बनाया गया है वह रुढ़िवादी, सामाजिक, धार्मिक प्रथाओं और समुदाय के संसाधनों की परंपरागत प्रबंध पद्धतियों के अनुकूल होगा. प्रत्येक ग्राम सभा जनता की समस्या से अवगत होंगे.

आदिवासियों की पहचान परंपराओं और रुढ़िवादी प्रथा से होती है. उनकी अपनी सांस्कृतिक पहचान है. झारखंड पंचायत राज अधिनियम २००१ एवं पेसा १९९६ को संवैधानिक वैध मानी गई है. समिति ने कहा है कि चर्च मिशनरी आदिवासी/जनजातियों का हितैषी बनकर आदिवासियो का मूल जड़ और पहचान को समाप्त कर रहा है.

मौके पर क्षेत्रीय संयोजक जनजाति सुरक्षा मंच का अध्यक्ष मेघा उरांव, संयोजक संदीप उरांव, रवि प्रकाश उरांव, प्रांत संयोजक हिंदुवा उरांव, जिला संयोजक जगन्नाथ भगत, सनी उरांव, जय मंत्री उरांव, प्रदीप टोप्पो, मनोज भगत, लोरया उरांव, राजू उरांव, विशु उरांव, फागु मुंडा, कैलाश मंडा, नीतू उरांव, जय मंगल उरांव, विश्वकर्मा पहान, बालेश्वर पहान, गुरुचरण मुंडा, साजन मुंडा, बंधना मुंडा, झेले पाहन, विजय मुंडा, सुशीला उरांव, लालमुनी देवी, बहादुर पाहन एवं अन्य मौजूद थे.

एचईसी की अतिक्रमित जमीन पर जिला प्रशासन का चला बुलडोजर

रांची (एजेंसी): रांची के बिरसा चौक से हरमू जाने वाले बायपास रोड पर रविवार को अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया. रांची जिला प्रशासन और एचईसी टीए डिवीजन ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की.

टीम ने बायपास रोड के किनारे १५ फीट तक अतिक्रमित जमीन पर बने दुकानों, गैरेज और बाउंड्री पर बुलडोजर चलाया. बता दें कि पिछले दिनों सीएम हेमंत सोरेन ने रांची को अतिक्रमण मुक्त बनाने की बात कही थी.

पहले सड़क किनारे, फिर अवैध कॉलोनियों पर चलेगा अभियान

मौके पर अरगोड़ा सीओ सुमन सौरभ ने कहा कि आगे भी आदेश के अनुसार अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया जायेगा. वहीं एचईसी टीए डिवीजन की टीम ने कहा कि कए के अतिक्रमण वाले क्षेत्र को भी मुक्त करवाया जायेगा.

शुरुआत रोड के किनारे से हुई है. बाद में अवैध कॉलोनी में भी अभियान चलेगा.

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने 140 जरुरतमंदों के बीच बांटे कंबल

रांची (एजेंसी): रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा तृतीय चरण में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर, पुंदाग में १४० असहाय, निर्धन एवं जरूरतमंदों के बीच ठंड से राहत के लिए कंबल बांटे गये.

इस अवसर पर रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री विनोद कुमार जैन ने कहा कि सर्दी के मौसम में गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण करने से बढ़कर दूसरा कोई पुण्य का कार्य नहीं है. कहा कि संस्था जरूरतमंदों को राहत दिलाने में सदैव तत्पर रहती है.

मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है

जिला मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है. संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि सम्मेलन द्वारा निरंतर जन सेवा के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं. मौके पर जिला मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष पवन पोद्दार, विनोद जैन, सुरेश अग्रवाल, अनिल कुमार अग्रवाल, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, विजय अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, ललित पोद्दार, अजय डीडवानिया अशोक लाठ, प्रदीप बाजोरिया, सुनील पोद्दार, मीना अग्रवाल समेत अन्य सदस्य मौजूद थे.

सरकार बच्चों की छात्रवृत्ति व गरीबों के राशन का ससमय भुगतान सुनिश्चित करे : बाबूलाल

रांची (एजेंसी): बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. सीएम हेमंत सोरेन से कहा है कि बच्चों की छात्रवृत्ति और गरीबों के राशन का ससमय भुगतान सुनिश्चित करे. बाबूलाल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि ग्रीन राशनकार्ड धारकों का अनाज ७ महीने से बकाया है, जिससे गरीब परिवार भूखमरी के कगार पर पहुंच रहे हैं. राज्य सरकार मंईयां सम्मान योजना के भुगतान के लिए बच्चों की छात्रवृत्ति, बुजुर्गों की पेंशन और गरीबों के राशन जैसी बुनियादी सुविधाओं को छीनने पर विवश हो गई है. कहा कि राशि सरेंडर कराकर विकास योजनाओं को रोक दिया गया है. दूसरी ओर, विभागों की राशि सरेंडर करा कर विकास योजनाओं को रोक दिया गया है, जिससे राज्य में विकास की गति पूरी तरह ठहर गई है. यह मुख्यमंत्री के आर्थिक कुप्रबंधन और प्रशासनिक विफलता का प्रमाण है, जो झारखंड के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़ा करता है. समाज के एक वर्ग को संतुष्ट करने के लिए बाकी सारे वर्ग के अधिकारों की बलि चढ़ा देना कतई उचित नहीं है.

नये साल में किशोरगंज के देवी मंडप में होगा भव्य महाआरती का आयोजन

रांची (एजेंसी): रांची के किशोरगंज चौक स्थित देवी मंडप में हर साल की भांति इस साल भी नव वर्ष पर महाआरती का आयोजन किया जायेगा. एक जनवरी को शाम सात बजे से ३५१ सुहागिन महिलाएं प्राचीन ग्राम देवी की आरती करेंगी. इससे पहले दिन में सत्यनारायण पूजन कथा, प्रसाद वितरण और माता का भव्य श्रृंगार होगा. सभी पूजन कार्य देवी मंडप के व्यवस्थापक लाल आशुतोष नाथ शाहदेव संपन्न करेंगे. मंदिर के सदस्य और भक्त अभी से महाआरती के १२वें महोत्सव को लेकर तैयारियों में जुटे हैं.

लाल आशुतोष नाथ शाहदेव ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत एक दिन पहले यानी ३१ दिसंबर को होगी. इस दिन शाम सात बजे से भोले की फौज टीम माता का भजन गायेगी. वहीं एक जनवरी बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे से सत्यनारायण भगवान की कथा होगी. इसके बाद मंदिर परिसर में प्रसाद वितरण किया जायेगा. दोपहर साढ़े १२ से ढाई बजे तक खिचड़ी भोग का वितरण होगा.

मंदिर के व्यवस्थापक ने बताया कि शाम ५ बजे से माता का भव्य श्रृंगार किया जायेगा. इसके बाद शाम ७ बजे से ३५१ सुहागिन महिलाएं माता की महाआरती करेंगी. शाम ७.४५ से विशाल भंडरा का आयोजन होगा. वहीं दो जनवरी को शाम ७ से ९ तक महिलाओं को सुहाग पोटली दी जायेगी.

पूजा सिंघल का सस्पेंशन जल्द होगा रिवोक, कार्मिक विभाग ने बढ़ाई फाइल

रांची (एजेंसी): आईएएस पूजा सिंघल का निलंबन जल्द वापस (सस्पेंशन रिवोक) लिया जायेगा. इसके लिए कार्मिक विभाग ने फाइल आगे बढ़ा दी है. चीफ सेक्रेट्री की अध्यक्षता में बनी कमेटी इस पर विचार कर रही है. कमेटी की अनुशंसा के आलोक में निलंबन वापस लिया जा सकता है. जानकारी के मुताबिक, पूजा सिंघल का निलंबन खत्म करने के लिए कानूनी जानकारों से राय ली गयी है. बता दें कि मनरेगा घोटाला मामले में पूजा सिंघल को ईडी ने ११ मई को गिरफ्तार किया था. ईडी ने पांच मई २०२२ को पूजा सिंघल के २५ ठिकानों पर छापेमारी की थी. छापेमारी के दौरान पूजा सिंघल के सीए सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से १९.३१ करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई थी. पूजा सिंघल को इसी महीने की ७ दिसंबर को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया है.

जगरनाथपुर बस्ती में विधिक जागरूकता शिविर

रांची (एजेंसी): धुर्वा स्थित जगरनाथपुर बस्ती में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. झालसा के निर्देश पर ९० दिवसीय जागरुकता और आउट रिच कैंपेन के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची के द्वारा शिविर लगाया गया. इसका मार्गदर्शन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची ने किया. सहायक एलएडीसी रांची शिवानी सिंह ने नालसा असंगठित मजदूर के लिए विधिक सेवा योजना पर प्रकाश डालते हुए असंगठित क्षेत्र के मजदूर के निबंधन के संबंध में जानकारी दी.

शिवानी ने मजदूरों को निबंधन करने के बाद मिलने वाले लाभ के बारे में बताया. साथ ही नालसा ने बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना २०१५ के संबंध में विस्तार से बताया. बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा आदि कुप्रथाओं की रोकथाम व उन्मूलन के बारे में भी जानकारी दी. डालसा से मिलने वाले नि:शुल्क विधिक सहायता के संबंध में जानकारी दी और सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया बतायी. उपस्थित लोगों के बीच पीएलबी ने नालसा की योजना से संबंधित पंप्लेट व पुस्तिका का वितरण किया. मौके पर पिंकू कुमारी, संगीता देवी, सूरज मुंडा, अरविंद कुमार, पीएलबी व डीएलएसए रांची मौजूद थे.

विलक्षण प्रतिभा के धनी थे किशोर कुणालः सुबोधकांत सहाय

रांची (एजेंसी): पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने सेवानिवृत्त आइपीएस एवं बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष किशोर कुणाल के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि स्व. कुणाल विलक्षण प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे. भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहते हुए उन्होंने अपने कार्यकाल में अपराध नियंत्रण के लिए जो कार्य किए, वह एक मिसाल है, धार्मिक-आध्यात्मिक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाना उनकी खासियत थी. कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए. शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता. पटना स्टेशन पर अवस्थित महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव रहे. उनका असामयिक निधन समाज के सभी वर्गों के लिए अत्यंत दुखदायी है. सहाय ने दिवंगत की आत्मा की शांति व उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की.

डॉ प्रदीप वर्मा बने प्रदेश चुनाव अधिकारी

रांची (एजेंसी): भाजपा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ के लक्ष्मण ने झारखंड के चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी की घोषणा करते हुए पत्र जारी किए हैं. प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ प्रदीप वर्मा को झारखंड का चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है. जबकि प्रदेश मंत्री गणेश मिश्र, सुनीता सिंह एवं दुर्गा मरांडी को सह चुनाव अधिकारी बनाया गया है.

श्री सर्वेश्वरी समूह के महिला संगठन ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

रांची (एजेंसी): श्री सर्वेश्वरी समूह की रांची शाखा ने सिमडेगा के जुरकेला गांव में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया. इस दौरान जुरकेला के अलावा लरबा, खटगांव, टंगरा टोली, पूरना टोली, अधरमा और कोलेबिरा के जरूरतमंदों के बीच १५० कंबल बांटे गये. श्री सवेश्वरी समूह के उन्नीस सूत्रीय कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व महिला संगठन ने किया.

कार्यक्रम में लाल उपेंद्र नाथ शाहदेव, नयन मंजरी देवी, आतिश तिवारी, नीतेश लाल के साथ शाखा के ३० श्रद्धालु और सदस्य शामिल हुए.

ग्रामीणों को सर्वेश्वरी समूह के बारे में बताया

रमावती देवी ने परमपूज्य अघोरेश्वर भगवान राम और परमपूज्य बाबा संभव राम जी की विधिवत तरीके से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इसके बाद ग्रामीणों के बीच एक लघु गोष्ठी का आयोजन किया गया. गोष्ठी में शाखा की ओर से गिरेंद्र नाथ शाहदेव ने सर्वेश्वरी समूह का संक्षिप्त परिचय दिया.

साथ ही समूह की ओर से आयोजित होने वाले जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में बताया.

गिनीज और लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में समूह का नाम है दर्ज

श्री सर्वेश्वरी समूह एक विश्वविख्यात आध्यात्मिक और सामाजिक संस्था है, जिसकी स्थापना जनसेवा, सर्वधर्म समन्वय, और विश्वबंधुत्व जैसे उद्देश्यों के साथ की गयी है.

यह संस्था जनसेवा के विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करती है और इसके सेवा कार्यों के लिए इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी स्थान प्राप्त है. कंबल वितरण उन्हीं जनसेवा के कार्यक्रमों में से एक है.

पृष्ठ एक का शेषांश

नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य---

न केवल दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि आपसी विश्वास और व्यावसायिक सहयोग को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण क्षेत्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित करने और आपदा प्रबंधन में साझा प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। 'सूर्यकिरण' का पिछला संस्करण भारत के पिथौरागढ़ में आयोजित किया गया था। अब तक इस संयुक्त अभ्यास में नेपाली सेना के ४,२१५ और भारतीय सेना के ४,४४२ जवानों ने हिस्सा लिया है। नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास दोनों देशों के सैन्य संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने में एक अहम भूमिका निभाता है। यह अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच तकनीकी और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

दहेज की जीएफएल कंपनी में---

उन्होंने राज्य सरकार को केंद्र से हर तरह की सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि तत्काल प्रभाव से राज्य के उच्च अधिकारियों को मौके पर भेजा गया है और घायल कार्यकर्ताओं को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने राज्य सरकार से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन मजबूत करने को कहा। मुख्यमंत्री ने दहेज और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए सरकार के प्रयासों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। उद्योगों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए जरूरी कदम उठाने पर जोर दिया गया है।

खंडवा का 500 साल---

यह मंदिर भामगढ़ रियासत के लखमे सिंह द्वारा तैयार कराया गया था। मंदिर ५०० वर्ष पुराना था। मंदिर में आग लगने की सूचना मिलने पर मध्य प्रदेश शासन के मंत्री विजय शाह ने मौके पर जाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस मंदिर के जलने को एक अपशगुन के रूप में देखा जा रहा है। यहां के लोगों में घबराहटबनी हुई है।

रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर--

की कोशिश कर रही है कि एक्सिस बैंक में कहां कमी की गई किआरोपियों ने वेरिफिकेशन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली। इसके अलावा ठगे गए पैसों को वापस करने की भी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जिंदगी से जंग हार गया---

घटना के करीब ढाई घंटे बाद छह बजे एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया. १५ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रविवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे सुमित को बोरवेल से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया. लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका. बता दें कि राजस्थान के कोटपुतली में छह दिन पहले खुले बोरवेल में ५ वर्षीय बच्ची गिर गयी थी. चेतना को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अभी भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. लेकिन गड्ढा गहरा होने के कारण सफलता नहीं मिल पा रही है. एनडीआरएफ के जवानों ने बोरवेल के समानांतर एक गड्ढा खोदा है और वहां से बोरवेल तक सुरंग खोदी जा रही है. जवानों की सुरक्षा के लिए ऑक्सीजन का भी प्रबंध किया गया है, ताकि ऑपरेशन सुचारू रूप से चल सके.

दो गज जमीन नहीं दी---

प्रधानमंत्री को क्या सम्मान दिया क्या सम्मान किया। आप बोल रहे हैं कि मनमोहन सिंह का यह नहीं हुआ, वह नहीं हुआ। मनोहर राव ने कहा, देश में इतने प्रधानमंत्री मरे लेकिन उन लोगों का नाम ही दिल्ली में नहीं है। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्रियों को सम्मान दिया और एक ही जगह संग्रहालय बना दिया। इतनी जमीन दी। वहीं पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को भी जगह मिलेगी। पीएम मोदी इसपर कुछ नहीं बोल रहे हैं और वह भारत के विकास के लिए काम कर रहे हैं। हमारे भाई कांग्रेस में थे और हम भी कांग्रेस में हैं। मोदी जी ने उन्हें भारत रत्न दिया। राव ने कहा, दिल्ली में मनमोहन को हमने कार्यक्रम में बुलाया था। हमने उन्हें पीवी नरसिम्हा राव सम्मान दिया। इन्हें गोल्ड मेडल दिया। मनमोहन के साथ हमारा बहुत नजदीक का रिश्ता था। हमारी बातचीत भी होती थी। हम लोगों को उनसे कोई दिक्कत नहीं है। १० साल उन्होंने काम किया लेकिन उनके हाथ में कुछ नहीं था। वह स्वतंत्र होकर काम नहीं कर सके। मनमोहन सिंह बहुत पढ़े लिखे शख्स थे।

मनोहर राव ने कहा, मनमोहन के निधन पर मुझे गहरा दुख है। मनमोहन १० साल प्रधानमंत्री थे। इसके पहले नरसिम्हा राव की कैबिनेट में वित्त मंत्री थे। तब राव ने उन्हें फ्री हैंड देकर वित्त मंत्री बनाया गया था। मनमोहन सिंह जी उस जमाने में उस जमाने में बहुत परिवर्तन लाए थे। उन्होंने हिम्मत से काम किया। बता दें कि २००४ में यूपीए की सरकार के दौरान ही नरसिम्हा राव का निधन हुआ था। उनका परिवार मांग कर रहा था कि उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही कराया जाए और एक स्मारक बनवाया जाए। तभी प्रधानमंत्री मनमोहन और सोनिया गांधी ने परिवार को स्मारक बनवाने का आश्वासन देकर पार्थिव शरीर को हैदराबाद ले जाने को कहा।

सिर्फ 1 फल हफ्ता खा लें, खून की कमी हो जाएगी दूर बिना कोई दवाई खाए

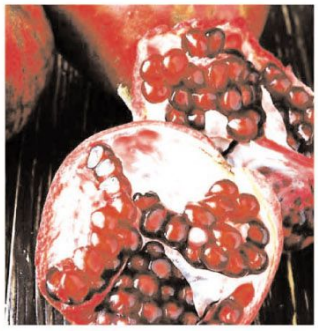

आपका शरीर थक्का रहता है और कमजोरी के साथ चिड़चिड़ापन भी महसूस होता है तो इसकी वजह शरीर में खून की कमी हो सकती है। एनीमिया की ज्यादा शिकार महिलाएं होती हैं क्योंकि पीरियड्स और प्रेग्नेंसी-स्तनपान के दौरान महिला के शरीर में इसकी कमी होने लगती है। वहीं जिन लोगों की डाइट में आयरन-कैल्शियम फोलिक एसिड, विटामिन बी12 जैसे तत्वों की कमी होती है, उनके शरीर में भी खून की कमी आ जाती है लेकिन ये खून की कमी कई बीमारियों की वजह बन सकती है। इसके लिए डॉक्टर आपको आयरन फोलिक एसिड जैसी कई दवाइयां और सप्लीमेंट्स खाने की सलाह दे सकते हैं लेकिन नैचुरल हैल्दी डाइट और खून बनाने वाले आहार खाकर इस कमी को आप हफ्ते से 10 दिन के भीतर पूरा कर सकते हैं।

नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वे की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 58.6प्रतिशत बच्चे, 53.2प्रतिशत लड़कियां और 50.4प्रतिशत गर्भवती महिलाएं खून की कमी यानी एनीमिया का शिकार हैं।

एनीमिया क्या है?

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या एक कम हो जाती है। एनीमिया होने पर आपको थकान, दिल की धड़कन बढ़ना, त्वचा का पीला पड़ना या सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण हो सकते हैं जो दो सप्ताह तक ठीक नहीं होते।

एनीमिया के लक्षण क्या हो सकते हैं?

जल्दी थकान और कमजोरी होना।

त्वचा का रंग सफेद या पीला होना।

त्वचा में रूखापन और आसानी से नील पड़ना

अनियमित दिल की धड़कन और सांस लेने में कठिनाई

जीभ में छाले होना

चक्कर आना या बेहोशी जैसा महसूस होना

हाथ और पैर ठंडे होना और लगातार सिरदर्द

मांसपेशियों और नसों का दुर्बल होना

भूख ना लगना या खाने का स्वाद ना आना।

खून की कमी होने पर यह लक्षण दिखने लगते हैं। अगर सही समय पर इन लक्षणों की पहचान कर ली जाए तो समस्या गंभीर नहीं होती लेकिन अगर समस्या बहुत ज्यादा बढ़ जाए तो यह गठिया, कैंसर, किडनी से संबंधित गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

खून की कमी हो जाए तो क्या खाएं?

आपकी डाइट खून की कमी को पूरा करने में सबसे अहम रोल अदा करती है। आयरन से भरपूर चीजें खून बनाने में मदद करती हैं। जैसे पालक में आयरन होता है। इसके सेवन से शरीर में खून की कमी दूर होती है। अगर आप एनीमिया के शिकार हैं तो आपको खाने में टमाटर जरूर खाना चाहिए।

तिल, कद्दू, तरबूज, सूरजमुखी, काजू और अलसी के बीज शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं। खाने के बाद गुड़ खाएं। तांबे के बर्तन में पानी पीएं।

अंडा, दूध, चीज़, मीट, मछली, सोयाबीन, चावल , हरी पत्तेदार सब्जियां शरीर में खून की कमी दूर करते हैं। इस बारे में अधिक जानकारी डॉक्टर की सलाह ले सकते हैं।

खून की कमी के कारण

खून की कमी के बहुत से कारण हो सकते हैं जैसे डाइट सही ना होना। आप आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाना नहीं खा रहे।

कुछ बीमारियों या ब्लड सर्कुलेशन से जुड़ी दिक्कतों के कारण भी ऐसा हो सकता है, जैसे अंगों में रक्त की कमी, कैंसर, थालस्सेमिया आदि।

किसी सर्जरी के दौरान खून का बह जाना, दुर्घटना के कारण रक्त निकलना या अनुवांशिक कारणों से रक्त की नष्ट हो सकती है।

बहुत से इंफेक्शन बॉडी में खून की कमी का कारण बन सकते हैं। उदाहरण के लिए, मलेरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस इत्यादि।

ऑटोइम्यून विकार के चलते शरीर में खून की कमी हो सकती है। जैसे ऑटोइम्यून विकार लुपस, रेक्टम अर्थराइटिस, सेलियक रोग आदि भी खून की कमी के कारण बन सकते हैं।

याद रखिए कि अगर आपको इनमें से कोई लक्षण अनुभव हो रहे हैं तो आपको विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श

क्या सच में चावल का पानी त्वचा के लिए फायदेमंद होता है?

चावल के पानी का उपयोग सदियों से प्राकृतिक त्वचा देखभाल उपचार के रूप में किया जाता रहा है. यह न सिर्फ त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाता है, बल्कि त्वचा संबंधी कई अन्य समस्याओं का भी समाधान करता है. खबर में जानिए चावल का पानी त्वचा को कैसे फायदा पहुंचाता है...

चावल धोने के पानी में पाए जाते हैं ये पोषक तत्व...

विटामिन-बी : विटामिन-बी त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है और त्वचा कोशिकाओं को क्षति से बचाता है.

एंटी-ऑक्सीडेंट : एंटी-ऑक्सीडेंट मुक्त कणों से लड़ते हैं. मुक्त कण त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं और उम्र बढ़ने के संकेतों को छिपाने में मदद करते हैं.

अमीनो एसिड : अमीनो एसिड त्वचा को मजबूत बनाते हैं और कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देते हैं.

खनिज : चावल के पानी में जिंक, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिज होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है.

त्वचा के लिए चावल के पानी के फायदे...

त्वचा को चमकदार बनाता है

चावल के पानी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को चमकदार बनाते हैं और सांवलेपन को दूर करते हैं.

त्वचा में कसाव लाता है

चावल के पानी में मौजूद अमीनो एसिड त्वचा में कसाव लाता है और झुर्रियों को कम करने में मदद करता है.

त्वचा को पोषण देता है

यह त्वचा को पोषण देता है और उसे हाइड्रेटेड रखता है.

त्वचा की लालिमा को कम करता है

सूजन और लालिमा को कम करने में मदद करता है.

पिग्मेंटेशन को कम करता है

चावल के पानी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट पिग्मेंटेशन को कम करने और त्वचा की रंगत को निखारने में मदद करते हैं.

मुँहासे कम करता है

मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारकर मुंहासे कम करने में मदद करता है.

त्वचा को सूरज की किरणों से बचाता है

चावल का पानी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने में मदद करता है.

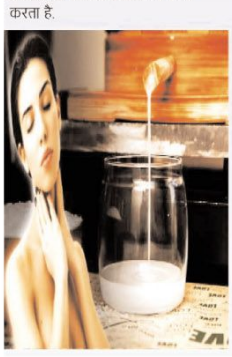

बस ये एक चीज़ को अपनी रूटीन में जोड़ें और हेल्थ की सारी समस्याएं होंगी गायब, भूल जाएं डॉक्टर के पास जाना!

सूखे मेवे जैसे काजू, बादाम, अखरोट और किशमिश के फायदे तो हम सभी जानते हैं, लेकिन इनके साथ अंजीर का भी एक खास स्थान है। अंजीर न केवल स्वाद में बेहतरीन है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। इसे ताजे फल और ड्राई फ्रूट दोनों रूप में खाया जाता है। आयुर्वेद में अंजीर को कई बीमारियों के इलाज में कारगर बताया गया है। खास बात यह है कि खाली पेट अंजीर का पानी पीने से भी कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं अंजीर का पानी किन बीमारियों में फायदेमंद है और इसे पीने का सही तरीका क्या है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है

अंजीर में मौजूद विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। यह शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है और सर्दी-खांसी जैसी सामान्य समस्याओं को दूर रखता है। इसमें मौजूद पोटैशियम, जिंक और मैग्नीशियम शरीर को संक्रमणों से बचाने में सहायक होते हैं। अंजीर का नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक प्राकृतिक उपाय है।

वजन घटाने में सहायक

अंजीर का पानी फाइबर से भरपूर होता है, जो न केवल भूख को नियंत्रित करता है बल्कि शरीर के मेटाबॉलिज्म को भी तेज करता है। यह पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाकर फैट बर्न करने में मदद करता है। जो लोग डाइटिंग कर रहे हैं, उनके लिए अंजीर का पानी एक लो-कैलोरी विकल्प हो सकता है। साथ ही, यह शरीर में अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेजी से बढ़ावा देता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

अंजीर के पानी में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ए होता है, जो त्वचा को टॉक्सिन्स से बचाने और उसे प्राकृतिक चमक देने में मदद करता है। यह त्वचा की गहराई से सफाई करता है, मुंहासों को कम करता है और त्वचा की उम्र बढ़ने के संकेतों, जैसे झुर्रियां और दाग-धब्बे, को रोकता है। अंजीर का पानी त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है और डलनेस को दूर करता है।

बालों को मजबूत बनाता है

अंजीर का पानी बालों की जड़ों को पोषण देता है, जिससे बाल मजबूत और घने बनते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम और विटामिन ए होते हैं, जो बालों को झड़ने से बचाते हैं और उनकी ग्रोथ को बढ़ावा देते हैं। अंजीर के पानी का सेवन करने से बालों की नमी बरकरार रहती है और डैंड्रफ की समस्या भी दूर होती है। यह बालों को चमकदार और स्वस्थ बनाता है।

कैंसर के जोखिम को कम करता है

अंजीर में मौजूद एंटी-कैंसर कंपाउंड्स फ्री रेडिकल्स को खत्म करते हैं, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसमें फाइटोकेमिकल्स और पॉलीफेनॉल्स होते हैं, जो शरीर में कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद करते हैं। अंजीर का पानी पाचन और लीवर को स्वस्थ रखकर भी कैंसर के खतरे को कम करता है।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

अंजीर के पानी में आयरन और पोटैशियम की उपस्थिति ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाती है। यह शरीर के सभी हिस्सों में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की सही मात्रा पहुंचाने में मदद करता है। बेहतर रक्त प्रवाह से मांसपेशियों और अंगों की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे शरीर ऊर्जा से भरपूर महसूस करता है।

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है

अंजीर में पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर होता है, जो शरीर से हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को हटाने में मदद करता है। यह अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। अंजीर का पानी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में भी सहायक है और हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

लीवर और किडनी को स्वस्थ रखता है

अंजीर का पानी शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर लीवर और किडनी को डिटॉक्स करता है। यह किडनी स्टोन को बनने से रोकता है और यूरिनरी ट्रैक्ट को साफ रखता है। लीवर के कार्य को बेहतर बनाने के लिए अंजीर का पानी एक प्राकृतिक उपाय हो सकता है।

पाचन तंत्र को साफ करता है

अंजीर में प्राकृतिक फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। खाली पेट अंजीर का पानी पीने से कब्ज, एसिडिटी और गैस की समस्या दूर होती है। यह आंतों की सफाई करके पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है। अंजीर का पानी पेट की सूजन को कम करने में भी मदद करता है।

थकान और कमजोरी को दूर करता है

अंजीर का पानी तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें प्राकृतिक शर्करा होती है, जो शरीर को तुरंत एक्टिव और तरोताजा महसूस कराती है। यह शारीरिक और मानसिक थकान को दूर करने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहता है।

अंजीर का पानी हृदय और मस्तिष्क के लिए फायदेमंद

अंजीर का पानी न केवल हृदय को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह मस्तिष्क के कार्यों को भी बेहतर बनाता है। इसमें ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड होते हैं, जो ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करते हैं और मेमोरी को बढ़ाते हैं। यह डिप्रेशन और स्ट्रेस को कम करने में भी मदद करता है।

अंजीर का सही सेवन: कुछ जरूरी टिप्स

1. अंजीर का पानी सुबह खाली पेट पीना सबसे अधिक फायदेमंद है।

2. डायबिटीज के मरीज इसे सीमित मात्रा में ही लें।

3. अंजीर को अत्यधिक मात्रा में न खाएं, क्योंकि यह शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है।

4. गर्मियों में इसे ठंडे पानी में भिगोकर खाएं।

अंजीर का पानी एक सुपरफूड की तरह काम करता है। यह दिल, हड्डियों, त्वचा, बालों और पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और बेहतर स्वास्थ्य का अनुभव करें।

अनियंत्रित मधुमेह गर्भस्थ शिशु के विकास को प्रभावित करता है

मां बनना हरेक महिला का सपना होता है। 9 महीने का समय चुनौतियों से भरा भी होता है। खान पान के साथ ही कई ऐसी जरूरी बातें होती हैं जिनका खास ख्याल रखा जाना जरूरी है। वो इसलिए भी क्योंकि इससे गर्भस्थ शिशु का विकास प्रभावित होता है। इन दिनों बदलता मौसम और उसके साथ बढ़ता प्रदूषण गर्भवती और उसके गर्भ में पल रहे शिशु के लिए काफी नुकसानदेह है। हाल ही में एक स्टडी में दावा किया गया कि खाना पकाने और गर्म करने के लिए कोयला या फिर लकड़ी जैसे ठोस ईंधन का उपयोग करने से जेस्टेशनल डायबिटीज का खतरा काफी बढ़ सकता है। चीन में जुनी मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में 4,338 महिलाओं को शामिल किया गया था, जिनकी औसत आयु 27 वर्ष थी। इनमें से 302 महिलाओं में जीडीएम था।

तो ये हो गया प्रदूषण के कारण बढ़ने वाला खतरा। इसके अलावा भी कई फैक्टर्स हैं। आईएएनएस ने इस विषय पर स्त्री रोग विशेषज्ञों की राय जाननी चाहिए। जिन्होंने बताया कि गर्भस्थ शिशु के विकास पर ब्रेक मां के अनियंत्रित मधुमेह, धूम्रपान, हाई बीपी से लग सकता है तो वहीं आनुवांशिक कारण भी ग्रोथ को रोकते हैं। प्रिस्टिन केयर की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ और सह-संस्थापक डॉ. गरिमा साहनी कहती हैं, गर्भ में बच्चे का विकास कई कारकों से प्रभावित हो सकता है। एक मां में अनियंत्रित मधुमेह है। हाई ब्लड शुगर लेवल के कारण बच्चा बहुत बड़ा हो सकता है या जन्म के बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती है। एक अन्य कारक पोषण की कमी है। यदि मां संतुलित आहार नहीं लेती है, तो बच्चे को ठीक से बढ़ने के लिए आवश्यक पोषक तत्व नहीं मिल पाते और ये उसकी ग्रोथ रोकता है। वही गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान और शराब का सेवन भी बच्चे के विकास को धीमा कर सकता है और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। इन दिनों तनाव भी एक बड़ा कारण बन गया है।

तनाव बच्चे को भी प्रभावित कर सकता है, क्योंकि मां में उच्च तनाव का स्तर बच्चे में रक्त के प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। वही कोई इंफेक्शन या हाई बीपी बच्चे के सामान्य रूप से बढ़ने में मुश्किल पैदा कर सकता है। दिल्ली स्थित सीके बिरला अस्पताल (आर) के फीटल मेडिसिन विभाग की लीड कंसल्टेंट डॉ. मौलश्री गुप्ता आनुवांशिक कारकों के बारे में बात करती हैं। कहती हैं भ्रूण का विकास एक उल्लेखनीय प्रक्रिया है। यह एक जटिल प्रक्रिया है जो शिशु के विकास को आकार देता है। पहली तिमाही के दौरान अनियंत्रित मधुमेह का स्तर गर्भपात और जन्म दोषों, जैसे हृदय दोष और तंत्रिका ट्यूब दोष के जोखिम को बढ़ा सकता है।

उच्च रक्तचाप प्लेसेंटा में रक्त प्रवाह पर असर डालता है। उच्च रक्तचाप प्लेसेंटा में रक्त वाहिकाओं को सिकोड़ता है, जिससे भ्रूण में रक्त प्रवाह कम हो सकता है। इससे अन्य जटिलताएं हो सकती हैं। अगर गर्भवती ऐसी स्थिति से गुजरे तो फिर उसे क्या करना चाहिए? डॉ मौलश्री के मुताबिक, अगर गर्भवती इन परेशानियों से गुजर रही हो तो तुरंत चिकित्सक के पास जाना चाहिए। आहार पर विशेष ध्यान और नियमित व्यायाम भी उसके लिए बेहतर साबित हो सकते हैं। वहीं सीरियल अल्ट्रासाउंड स्कैन सहित नियमित जांच से बच्चे के आकार, वजन और समग्र स्वास्थ्य का आकलन किया जा सकता है।

कुकिंग एंड बेकरी शेफ बनकर करें कॅरियर को रोशन

जायकेदार खाना बनाने की कला से आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनेशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं। बस दिखाना है अपनी उंगलियों का कमाल, बनाना है ऐसा खाना की सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि उंगलियां भी चाटता रह जाए। अगर आपका इंटरेस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरेंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं तो एक नया करियर ऑप्शन आपके इंतजार में हैं। होटल मैनेजमेंट में इन दिनों करियर बनाने के कई ऑप्शन मौजूद है और उनमें से एक है कुकिंग एंड बेकरी।

कार्य प्रकृति

कुकिंग और बेकरी का कोर्स आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन बन सकता है, यदि आप एक बेहतर शेफ बनाना चाहते हैं। खाने की सम्पूर्ण जिम्मेदारी से लेकर किचन का रख-रखाव शेफ की निगरानी में होता है। हालांकि कई बार शेफ को फंट में भी आना पड़ता है। ये एक मैनेजरियल एक्टिविटी का ही हिस्सा होता है, ताकि उसे पता चल से कि लोगों को क्या पसंद आ रहा है। और उसके अनुरुप वो लोगों के लिए वही डिश तैयार करे ताकि लोग बार-बार स्वाद लेने वहां आए।

कोर्स

बीएससी इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफेक्शनरी जैसे देशें कोर्स कर कुकिंग और बेकरी में करियर बना सकते हैं।

अवसर

एलबीआईआईएचएम के डायरेक्टर कमल कुमार के मुताबिक कुकिंग और बेकरी होटल मैनेजमेंट का एक अहम पार्ट है। इसमें करियर के कई अवसर है। सबसे अहम है फूड एंव बेवरेज डिवीजन सर्विस के अलावा बतौर शेफ बनकर करियर को रोशन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टुरिज्म एसोसिएशन, एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गेस्ट-हाउस भी होटल मैनेजमेंट पासआउट प्रोफेशनल्स ही चलाते है। बेकर्स के लिए भी जॉब के ऑप्शन्स की कमी नहीं है। बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है। पूरी दुनिया में टुरिज्म और एविएशन ने होटल बिजनेस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी। इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेस्तरां व फिर कैटरिंग बिजनेस भी शुरु कर सकते हैं।

योग्यता

कुकिंग और बेकरी में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए। इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है जैसे मृदुभाषी होना। द्विभाषी (अंग्रेजी, हिन्दी) का ज्ञान हो तो और भी बेहतर। बेहतर पर्सनालिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजरियल स्किल भी बेहद जरूरी है।

क्लीनिकल रिसर्च में हैं बेहतर संभावनाएं

तेज गति से बढ़ोतरी के बावजूद भारत में अच्छे क्लीनिकल प्रैक्टिस वाले प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर्स, बायो-एनालिटिकल साइंटिस्ट और फार्माकोकाइनेटिक्स की काफी कमी है। इसके अलावा आप रिसर्च एजीक्यूटिव, क्लीनिकल रिसर्च एडवाइजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर और आपरेशन डायरेक्टर के रूप में भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। अपनी क्वालिफिकेशन के आधार पर आप इस क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं।

क्लीनिकल रिसर्च एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके माध्यम से तमाम नई दवाओं को बाजार में लांच करने से पहले उन्हें जानवरों और इनसानों पर टेस्ट किया जाता है। मोटे तौर पर किसी दवा को लैब से केमिस्ट की शॉप तक पहुंचने में 12 साल का वक्त लग जाता है। जानवरों पर प्री-क्लीनिकल टेस्ट करने के बाद इन दवाओं को इनसानों पर टेस्ट किया जाता है, जिसके तीन फेज होते हैं। टेस्टिंग के लिए इन तीनों फेजों में पहले के मुकाबले ज्यादा संख्या में लोगों को शामिल किया जाता है। इन तीनों फेजों का टेस्ट हो जाने के बाद कंपनी सभी नतीजों को एफडीए या टीपीडी को सौंप देती है, जिसके आधार पर एनडीए (न्यू ड्रग आप्रूवल) मिलता होता है। एक बार एनडीए हासिल हो जाने के बाद कंपनी उस ड्रग को मार्केट में उतार सकती है। जब कोई नई दवा लांच करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लीनिकल ट्रायल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लीनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। यदि आप भी इस बढ़ते हुए बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो क्लीनिकल ट्रायल या क्लीनिकल रिसर्च से जुड़े कोर्स कर सकते हैं। भारत में क्लीनिकल ट्रायल इंडस्ट्री करीब 30 करोड़ डॉलर की है और वर्ष 2031 तक बढ़ कर यह इंडस्ट्री दो अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दुनिया की प्रमुख दवा कंपनियां अब क्लीनिकल रिसर्च संबंधी जरूरतों के लिए भारतीय बाजार की ओर रुख कर रही हैं।

योग्यता

क्लीनिकल रिसर्च के कोर्स में एंट्री के लिए विज्ञान में स्नातक होना जरूरी है। इसके अलावा, डी.फार्मा, बी.फार्मा, एम.फार्मा आदि के स्टूडेंट्स भी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों से क्लीनिकल रिसर्च में डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा आदि किया जा सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

टेलेंटेड लोगों का एक बड़ा पूल और तमाम तरह के मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते भारत में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब अढ़ाई लाख से ज्यादा पद खाली हैं। वहीं योजना आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब 30 से 50 हजार प्रोफेशनल्स की कमी है। क्लीनिकल प्रोफेशनल्स की मांग और सप्लाई में भारी अंतर के कारण ही भारत में कई ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट शुरू किए गए हैं। इसकी प्रमुख वजह यह है कि यहां प्रशिक्षित कर्मियों और प्रशिक्षण संस्थानों की बेहद कमी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस उद्योग में बहुत अच्छा वेतन मिलता है, जो सालाना 40 हजार डॉलर से लेकर एक लाख डॉलर तक होता है। भारत में शुरुआती सालाना सैलरी 1.8 लाख से लेकर पांच लाख रुपए तक होती है।

भारतीय डाक्टर अपनी प्रैक्टिस छोड़कर क्लीनिकल ट्रायल के क्षेत्र में उतरना नहीं चाहते, क्योंकि यहां डाक्टरी का पेशा ज्यादा सम्मानजनक माना जाता है। बहुत से डाक्टरों को क्लीनिकल ट्रायल और इसमें उपलब्ध अवसरों के बारे में पता ही नहीं है। मंदी के चलते फार्मास्यूटिकल कंपनियां नए प्रोजेक्ट्स हाथ में भले ही न लें, लेकिन जो प्रोजेक्ट चल रहे हैं, उनको पूरा करने के लिए अभी भी बड़ी संख्या में कुशल प्रोफेशनल्स की जरूरत है। तेज गति से बढ़ोतरी के बावजूद भारत में अच्छे क्लीनिकल प्रैक्टिस वाले प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर्स, बायो-एनालिटिकल साइंटिस्ट और फार्माकोकाइनेटिक्स की काफी कमी है। इसके अलावा आप रिसर्च एजीक्यूटिव, क्लीनिकल रिसर्च एडवाइजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर और आपरेशन डायरेक्टर के रूप में भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। अपनी क्वालिफिकेशन के आधार पर आप इस क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं। अगर आप क्लीनिकल आपरेशंस और प्रोजेक्ट के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो आपके पास लाइफ साइंस (खासतौर से फार्माकोलाजी, बायोकेमिस्ट्री, बायोलाजी, इम्यूनोलाजी, फिजियोलाजी) में डिग्री होनी चाहिए। इस क्षेत्र से जुड़े लोग ही सीधे तौर पर क्लीनिकल रिसर्च के लिए जिम्मेदार होते हैं। जिन लोगों का केमिस्ट्री या इंजीनियरिंग बैकग्राउंड है, वे क्वालिटी एश्योरेंस या नए कंपाउंड को डिवेलप करने का काम कर सकते हैं। क्लीनिकल डाटा मैनेजर के रूप में काम करने के लिए आपके पास आईटी डिग्री होनी चाहिए।

वेतनमान

आजकल क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में रोजगार की बेहतर संभावनाएं है और इस क्षेत्र में योग्य प्रोफेशनल्स की मांग में भी वृद्धि हुई है। क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में एक फेशर का वेतनमान 25000 या इससे अधिक प्रतिमाह हो सकता है। यदि आपके पास मास्टर डिग्री है, तो वेतनमान दोगुना हो जाता है। निजी कंपनियों में अनुभव मायने रखता है और इस आधार पर आप आकर्षक वेतनमान प्राप्त कर सकते हैं।

संस्थान

- इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, शिमला
- चित्कारा यूनिवर्सिटी, बरोटीवाला
- मानव भारती यूनिवर्सिटी, सोलन
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- नेशनल इंस्टीच्यूट आफ आयुर्वेदिक फार्मास्यूटिकल रिसर्च, पटियाला
- दिल्ली आयुर्वेदिक वैरिटेबल हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, जालंधर
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी, जालंधर
- पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़
- गुरु गोबिंद सिंह इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी एंड रिसर्च, बठिंडा
- इंस्टीट्यूट आफ क्लीनिकल रिसर्च, दिल्ली

कोर्सेज

- एडवांस प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च
- डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च
- बीएससी इन क्लीनिकल लैबोरेटरी टेक्नोलाजी
- बीएससी इन क्लीनिकल माइक्रोबायोलाजी
- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च
- इंटिग्रेटेड पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च
- एमएससी इन क्लीनिक माइक्रोबायोलोजी
- पीएचडी इन क्लीनिकल रिसर्च
- कारेसपोंडेंट कोर्स इन क्लीनिकल रिसर्च
- डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च

पेपर नैपकिन यूनिट से कमाइये लाखों में

पैपर नेपकिन, जिसे टिश्यू पेपर भी कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल हाथ व चेहरे को साफ करने में किया जाता है। पेपर नैपकिन का इस्तेमाल दिनों दिन बढ़ता जा रहा है और यह बिजनेस एक बड़ा आकार लेता जा रहा है। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं कि पेपर नैपकिन बनाने की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट आप कैसे लगा सकते हैं और इस पर कितना खर्च आता है। साथ ही, साल में एक नैपकिन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से आप कितना कमाई कर सकते हैं।

अगर आप पेपर नेपकिन बनाने की यूनिट लगाना चाहते हैं तो सबसे पहले लगभग 3.50 लाख रुपए का इंतजाम करना होगा। इतना पैसे का इंतजाम होते ही आप किसी भी बैंक के पास मुद्रा स्कीम के तहत लोन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। 3.50 लाख रुपए आपके पास होने के कारण बैंक आपको लगभग टर्म लोन के तौर पर लगभग 3 लाख 10 हजार रुपए और वर्किंग कैपिटल लोन 5 लाख 30 हजार रुपए तक मिल जाएगा।

लोन पास होते ही आपको यूनिट के लिए किराये की जगह तलाशनी होगी। जिसके बाद दो कलर फ्लैक्सोग्राफिक मशीन, एक टैस्टिंग इक्विपमेंट, एज सीलिंग एंड कटिंग मशीन, हैंड टूल्स खरीदने होंगे। इन पर लगभग 4 लाख रुपए का खर्च आएगा। वहीं, आपको सेल्स टैक्स रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ अन्य सर्टिफिकेट्स लेने होंगे। साथ ही, आपको एक माह का रॉ मैटीरियल लेना होगा, जिसमें टिश्यू पेपर 21जीएसएम लगभग 12.5 टन, इंक और अन्य कंज्यूमएबल, पैकेजिंग मैटीरियल शामिल है, इन पर लगभग 7 लाख रुपए खर्च होंगे। आपको चार वर्कर्स को भी हायर करना होगा।

कैसे करें मैन्युफैक्चरिंग

पेपर नेपकिन की मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस काफी आसान है। आपको टिश्यू पेपर रोल को फ्लैक्सोग्राफिक मशीन पर चढ़ाना होगा। इसके बाद मशीन आटोमैटिक तरीके से पेपर की प्रिंटिंग करेगी और मशीन में फिट डिवाइस टिश्यू पेपर को साइज में काट देगी।

कितनी होगी कमाई

आप साल में लगभग 1 लाख 50 हजार किलोग्राम पेपर नेपकिन का प्रोडक्शन कर सकते हैं। यह नेपकिन लगभग 65 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से बेच सकते हैं। यानी कि आप साल भर में लगभग 97 लाख 50 हजार रुपए का टर्न ओवर कर सकते हैं। ऐसे में यदि आप सारे खर्च को जोड़ दें तो लगभग 92 लाख 50 हजार रुपए खर्च होंगे। यानी कि आप पहले साल में 5 लाख रुपए बचा सकते हैं। यानी कि आप लगभग 42 हजार रुपए महीना का प्रॉफिट होगा।

कैसे बढ़ेगा प्रॉफिट

अगले साल से आपका प्रॉफिट लगभग दोगुना हो जाएगा, क्योंकि अगले साल मशीन सहित अन्य खर्चे कम हो जाएंगे। यानी कि अगर आपको अगले साल मशीन पर खर्च किया गया चार लाख रुपया, ऑफिस फर्नीचर, बिजली का कनेक्शन, इन्सटॉलेशन जैसे खर्चे नहीं करने पड़ेंगे तो आपका सालाना प्रॉफिट 10 लाख रुपए तक पहुंच सकता है। आप इस पैसे का इस्तेमाल प्रोडक्शन बढ़ाने पर भी कर सकते हैं, जिससे प्रॉफिट और बढ़ेगा।

क्या होगा खर्चा

मशीनरी एवं फेट एवं इंश्योरेंस - 4 लाख 40 हजार रुपए
रॉ मैटीरियल (मासिक) - 7 लाख 13 हजार रुपए
स्टाफ एवं लेबर (मासिक) - 30 हजार रुपए।

संक्षिप्त समाचार

रूस में मुसलमानों के लिए चार शादियों का फतवा वापस, मौलाना बोले- अल्लाह की यही इच्छा

मास्को , एजेंसी। रूस में मुस्लिम पुरुषों के लिए चार शादियों की अनुमति देने वाला फतवा, विवाद और आलोचनाओं के बाद वापस ले लिया गया है। इस फैसले के बाद रूस के मुस्लिम समुदाय और स्थानीय समाज में तनाव बढ़ गया था, क्योंकि यह निर्णय इस्लामिक कानून और रूस के धर्मनिरपेक्ष कानून के बीच टकराव को उजागर कर रहा था। यह मामला तब सामने आया जब रूस में इस्लामिक धर्मगुरुओं ने मुस्लिम पुरुषों के लिए एक साथ चार शादियों की अनुमति देने का फतवा जारी किया था। फतवा में कहा गया था कि इस्लामिक कानून के तहत, पुरुषों को चार शादियाँ करने का अधिकार है, बशर्ते कि वे सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार करें और उनके अधिकारों का सम्मान करें। हालांकि, रूस में यह फतवा विवाद का कारण बन गया, क्योंकि यह देश के धर्मनिरपेक्ष संविधान के खिलाफ था, जो किसी भी धार्मिक समूह को एक से अधिक विवाह की अनुमति नहीं देता। रूस के अधिकारियों और मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की, यह आरोप लगाते हुए कि यह निर्णय महिलाओं के अधिकारों और समानता के खिलाफ है। समाज में बढ़ते विरोध के बाद, इस्लामिक मौलवियों ने फतवे को वापस ले लिया। मौलाना ने कहा, यह निर्णय हमने केवल अल्लाह की इच्छा के अनुसार लिया था, लेकिन अब हम इसे वापस ले रहे हैं क्योंकि समाज में इस फैसले को लेकर गलतफहमियाँ और विरोध उत्पन्न हो रहे हैं। यह घटना रूस में धार्मिक और सांस्कृतिक मतभेदों को और गहरा कर गई है, जहाँ इस्लामिक समुदाय की बढ़ती संख्या और देश के धर्मनिरपेक्ष कानून के बीच सामंजस्य की जरूरत महसूस की जा रही है। रूस में इस्लामिक समुदाय के धार्मिक नेता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि इस्लामिक शिक्षाओं को समझने और उनका पालन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन वे अब यह चाहते हैं कि ऐसे मामलों में समाज और कानून के मानकों का भी सम्मान किया जाए।

टेक्सास और मिसिसिपी में तूफान से दो लोगों की मौत, छह लोग घायल

टेक्सास , एजेंसी। टेक्सास और मिसिसिपी में शनिवार को आए कई तूफानों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। तूफान से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए और ढेरों वाहन पलट गए। 'ब्राजोरिया काउंटी शेरिफ' कार्यालय की प्रवक्ता मैडिसन पोलस्टन ने बताया कि ह्यूस्टन के दक्षिण में स्थित लिवरपूल क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पोलस्टन ने बताया कि लिवरपूल और हिलक्रेस्ट विलेज तथा एल्विन के बीच काउंटी में कई स्थान तूफान से प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि अब तक अधिकारियों को लगभग 10 क्षतिग्रस्त मकानों के बारे में पता चला है लेकिन वे अब भी नुकसान के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। मिसिसिपी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता के अनुसार मिसिसिपी में एडम्स काउंटी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और फ्रैंकलिन काउंटी में दो लोग घायल हो गए। बुड और ब्रैंडन शहर के आसपास आए तूफानों में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

श्रीराम कृष्णन पर नस्ली हमलों की प्रवासी समूह ने की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय प्रवासी समूह ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप दवारा एआई सलाहकार चुने गए श्रीराम कृष्णन पर हुए नस्लवादी हमलों की कड़ी निंदा की है। समूह ने शनिवार को मीडिया एडवाइजरी जारी कर कहा, श्रीराम कृष्णन नस्ली हमलों का निशाना बन गए हैं। हमारे यहां द्वेषपूर्ण, प्रतिशोधी, नस्ली व निजी आक्षेपों की कोई जगह नहीं है। संगठन ने कहा, हम इस अहम पद पर श्रीराम के चुने जाने का मजबूती से समर्थन करते हैं।

सीरिया के तटीय इलाकों में सैन्य हेलिकॉप्टरों की तैनाती, पूर्व शासन के अवशेषों पर कार्रवाई

दमिश्क, एजेंसी।
सीरिया की अंतरिम प्रशासन के सैन्य बलों ने पूर्व शासन के अवशेषों के खिलाफ हवाई हमले तेज कर दिए हैं। अंतरिम प्रशासन पूर्व शासन के अवशेष असद सरकार के लिए लड़ रहे सशस्त्र लड़ाकों को कह रहा है। मीडिया चैनलों ने प्रशासन के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर ग्रामीण लताकिया में इस्तामो एयरफील्ड से उड़ान भर रहे हैं, जो तटीय ग्रामीण इलाकों में अभी भी सक्रिय सशस्त्र तत्वों को निशाना बना रहे हैं, जिसमें उपयोग में आने वाले हेलीकॉप्टरों की संख्या या ऑपरेशन के दायरे के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह तैनाती राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य नए नेतृत्व की सत्ता को मजबूत करना है। शनिवार को सीरिया के नवनियुक्त खुफिया प्रमुख अनस खत्ताब ने एक आधिकारिक बयान में देश की सुरक्षा व्यवस्था को हमारे लोगों की बलिदानों और लंबी धरोहर के अनुरूप पुनर्गठित करने का वादा किया।

खत्ताब ने कहा कि सीरिया की सभी मौजूदा सुरक्षा शाखाओं को खत्म कर दिया जाएगा और उनका पुनर्गठन किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस पुनर्गठन के लिए कोई समयसीमा या विशिष्ट विवरण प्रदान नहीं किया। खत्ताब की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सीरिया 8 दिसंबर को पिछली सरकार के पतन के बाद एक संवेदनशील राजनीतिक परिवर्तन से गुजर रहा है।

हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व में एक सैन्य गठबंधन ने 27 नवंबर को उत्तरी सीरिया से एक बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत की। इसने दक्षिण की ओर बढ़ते हुए राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया और 12 दिनों के भीतर पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंका। सीरियाई सूचना मंत्रालय ने सीरियाई लोगों के बीच विभाजन फैलाने के उद्देश्य से सांप्रदायिक लहजे वाली किसी भी मीडिया सामग्री या समाचार के प्रसार या प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

सीरियाई गृहयुद्ध ने सांप्रदायिक रूप लिया क्योंकि असद ने मध्य पूर्व से शिया मिलिशिया को अपने यहां पैर जमाने की खुली छूट दी। मीडिया ने बताया कि पुलिस ने हिंसक प्रदर्शन के बाद बुधवार रात कर्फ्यू लगा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रदर्शन में अलावी और शिया धार्मिक समुदायों के सदस्य शामिल थे।

होम्स से बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए फुटेज में लोगों की भीड़ को तितर-बितर होते हुए और उनमें से कुछ को भागते हुए दिखाया गया। असद के लंबे समय तक सहयोगी रहे ईरान ने हाल के दिनों में सीरिया में हुई घटनाओं की आलोचना की। ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सीरियाई युवाओं से अपील की कि वह उन लोगों के खिलाफ दृढ़ संकल्प के साथ खड़े होने का आह्वान किया जिन्होंने इस असुरक्षा को अंजाम दिया है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि सीरिया में एक मजबूत और सम्मानजनक समूह भी उभरेगा क्योंकि सीरियाई युवाओं के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है।

बांग्लादेश में मतदान आयु घटाने के प्रस्ताव पर भारी हंगामा, यूनुस सरकार की जमकर आलोचना

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में मतदान आयु घटाकर 17 वर्ष करने के अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रस्ताव ने राजनीतिक हलकों में विवाद खड़ा कर दिया है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने इस सिफारिश की कड़ी आलोचना करते हुए इसे चुनाव प्रक्रिया में देरी का कारण बताया है।

84 वर्षीय मोहम्मद यूनुस, जिन्हे इसी साल अगस्त में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था। उन्होंनें बीते शुक्रवार को चुनावी संवाद के दौरान एक वीडियो संदेश में सुझाव दिया कि देश में मतदान की न्यूनतम आयु 18 से घटाकर 17 वर्ष कर दी जाए। उनका कहना था कि यह युवाओं को उनके भविष्य पर अपनी राय व्यक्त करने का अवसर देगा। यूनुस ने अपने वक्तव्य में यह भी साफ कहा कि, मुझे लगता है कि युवा अपने भविष्य के बारे में राय दे सकें, इसके लिए मतदान की न्यूनतम उम्र घटाकर 17 साल तय की जानी चाहिए।

बीएनपी ने इस बयान पर भी सवाल उठाए, यह कहते हुए कि यदि आयु सीमा घटाने का प्रस्ताव लागू किया गया, तो मतदाता सूची को निरीक्षण करने में और समय लगेगा। इससे चुनाव की प्रक्रिया और लंबी हो सकती है, जिससे देश में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बनेगा। 16 दिसंबर को विजय दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में यूनुस ने कहा था कि अगले आम चुनाव 2025 के अंत और 2026 की पहली छमाही के बीच कराए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव से पहले मतदाता सूची को निरीक्षण किया जाएगा। यूनुस की इस सिफारिश पर बीएनपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी महासचिव मिर्जा फखरूल आलमगीर ने ढाका में आयोजित एक चर्चा के दौरान कहा कि मतदान की आयु घटाने से देश में एक नई मतदाता सूची तैयार करनी होगी, जो कि एक जटिल प्रक्रिया होगी। आलमगीर ने कहा, अब लोगों को यह डर सताएगा कि और अधिक समय बर्बाद होगा।

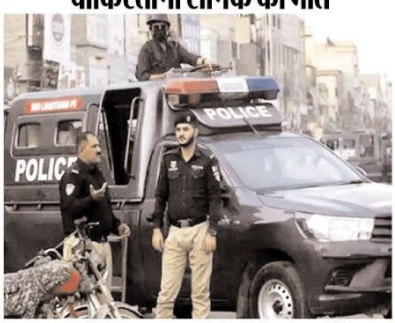

पाकिस्तान में आत्मघाती कार बम ब्लास्ट में 3 सुरक्षाकर्मी घायल, गोलीबारी में एक पाकिस्तानी सैनिक की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान की सीमा चौकियों पर अफगान तालिबान बलों द्वारा की गई गोलीबारी में पाकिस्तानी अर्धसैनिक बल के एक जवान की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। गोलीबारी की यह घटना पाकिस्तान द्वारा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के कुछ दिन बाद हुई। रक्षा विभाग के सूत्रों ने कहा कि अफगान सैनिकों ने शनिवार सुबह 'अपर कुर्रम जिले में कई पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर बिना उकसावे के गोलीबारी की। सूत्रों ने बताया कि अफगान सैनिकों ने घोजगढ़ी, माथा संगर, कोट राघा और तारी मेंगल इलाकों में स्थित सीमा चौकियों पर हल्के व भारी हथियारों से गोलीबारी की।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की, जिससे दूसरी तरफ भी काफी नुकसान हुआ और गोलीबारी में अफगान सेना के सात से आठ जवान मारे गए। सूत्रों ने बताया कि गोलीबारी में पाकिस्तान 'फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी का एक जवान मारा गया और 11 अन्य जवान घायल हो गए। गोलीबारी की यह घटना ऐसे समय हुई जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर प्रतिबंधित टीटीपी आतंकवादियों पर हमला किया। शुक्रवार रात आतंकवादियों ने अफगान तालिबान द्वारा नियंत्रित चौकियों का उपयोग कर पाकिस्तानी क्षेत्र में घुसपैठ करने का प्रयास किया जिसे विफल कर दिया गया। इसके बाद अफगान तालिबान बलों ने शनिवार को हमला किया। उधर उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में फ्रंटियर कोर की एक जांच चौकी के पास एक आत्मघाती हमलावर द्वारा विस्फोटकों से लदे वाहन में विस्फोट करने से तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को हुई। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टांक जिले में कनोरी चौकी पर पहुंचने से पहले ही वाहन को रोक लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि एक दर्जन से अधिक आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की चौकी पर हमला किया, लेकिन हमले को विफल कर दिया गया। टांक जिले के एक अधिकारी ने बताया कि यह चौकी में सेंध लगाने का प्रयास था, जिसे नाकाम कर दिया गया।

मशहूर एक्ट्रेस डेल हैडन की संदिग्ध मौत, कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बनी जानलेवा

मशहूर एक्ट्रेस डेल हैडन की संदिग्ध मौत, कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बनी जानलेवा

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में मशहूर अभिनेत्री और मॉडल डेल हैडन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस के अनुसार, उनकी मौत का कारण कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का रिसाव बताया जा रहा है। 76 वर्षीय हैडन का शव सोलेबरी टाउनशिप स्थित उनके घर के दूसरे मंज़िल के बेडरूम में पाया गया। बक्स काउंटी के अधिकारियों को शुक्रवार सुबह एक आपातकालीन कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि घर में एक व्यक्ति बेहोश है। मौके पर पहुंचे आपातकालीन कर्मियों ने 76 वर्षीय एरी के वाल्टर जे. ब्लूकास को गंभीर स्थिति में पाया और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। वहीं, डेल हैडन को घटनास्थल पर मृत घोषित कर दिया गया। मौके पर न्यू होप ईगल वॉलंटियर फायर कंपनी भी पहुंची, जिसने संपत्ति पर कार्बन मोनोऑक्साइड का उच्च स्तर पाया। गैस की अधिकता के चलते दो डॉक्टर और एक पुलिस अधिकारी भी बेहोश हो गए। सोलेबरी टाउनशिप पुलिस विभाग मामले की गहराई से जांच कर रहा है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गैस हीटिंग सिस्टम के खराब रखरखाव और एक गंदी चिमनी के कारण एग्जॉस्ट पाइप से गैस का रिसाव हुआ। डेल हैडन ने 1970 और 1980 के दशक में वोग, कॉस्मोपॉलिटन, एले और एस्क्वायर जैसी प्रतिष्ठित मैगजीन के कवर पर अपनी जगह बनाई। 1973 में उन्होंने स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड स्विमसूट अंक में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनका फिल्मी करियर भी उतना ही शानदार रहा। 1970 से 1990 के दशक के बीच उन्होंने लगभग दो दर्जन फिल्मों में काम किया। इनमें जॉन क्यूसैक अभिनीत 1994 की फिल्म बुलेट्स ओवर ब्रॉडवे शामिल है। हैडन ने 1970 के दशक के मध्य में अपनी बेटी रयान के जन्म के बाद मॉडलिंग छोड़ दी थी। लेकिन 1991 में अपने पति की मृत्यु के बाद उन्होंने फिर से इस क्षेत्र में वापसी की। उन्होंने 2003 में दिए गए।

ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तट पर शार्क के हमले में एक व्यक्ति की मौत

सिडनी, एजेंसी। पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के मध्य क्वींसलैंड तट पर शार्क के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। येप्पून के तटवर्ती जलक्षेत्र में शार्क के हमले में 40 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु हो गई। पिछले एक महीने में मध्य क्वींसलैंड में यह दूसरी घटना है। क्वींसलैंड पुलिस सेवा के प्रवक्ता ने बताया कि वह व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ मछली पकड़ रहा था, तभी शार्क ने उस पर हमला कर द?िया। समाचार एजेंसी श?िन्हुआ ने ब्रिसबेन स्थित द कूरियर मेल दैनिक समाचार पत्र के हवाले से बताया कि यह घटना शनिवार को शाम करीब 4:37 बजे हुई।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि व्यक्ति को जानलेवा चोटें आईं थीं और शाम को उसकी मौत हो गई। समाचार पत्र ने ऑस्ट्रेलियाई शार्क-घटना डेटाबेस के हवाले से बताया कि इस साल अब तक ऑस्ट्रेलियाई जलक्षेत्र में कम से कम चार अन्य शार्क हमले हुए हैं। इससे पहले 23 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर एक व्यक्ति पर शार्क ने हमला किया था, इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

आपातकालीन सेवा न्यू साउथ वेल्स ने बताया कि शार्क द्वारा किसी व्यक्ति को काटे जाने की सूचना मिलने के बाद, स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे के बाद पोर्ट मैक्वेरी के नॉर्थ शोर बीच पर दल को बुलाया गया था। न्यू साउथ वेल्स एंबुलेंस ने एक बयान में कहा कि 20 साल के एक व्यक्ति के पैर में गंभीर चोट लगने के बाद उसे उपचार के लिए पोर्ट मैक्वेरी बेस अस्पताल पहुंचाया। 10 किमी से अधिक में फैला, नॉर्थ शोर बीच न्यू साउथ वेल्स के मध्य-उत्तर में स्थित है और राज्य की राजधानी सिडनी से 300 किमी से अधिक उत्तर में स्थित है। घटना के बाद, एक स्थानीय जीवन रक्षक एजेंसी और आम लोगों ने अस्थायी टूर्निकेट का उपयोग करके सहायता प्रदान की। पोर्ट मैक्वेरी हेस्टिंग्स एएलएस लाइफगार्ड ने कहा कि नॉर्थ शोर और लाइटहाउस बीच (टैकिंग पॉइंट) के बीच के समुद्र तट बंद कर दिए गए और कम से कम 24 घंटे तक बंद रहे। एनएसडब्लू राज्य सरकार द्वारा संचालित शार्कस्मार्ट मानचित्र के अनुसार, क्षेत्र में निगरानी ड्रोन तैनात किए गए हैं।

ट्रंप बोले- एच-1बी वीजा पर है विश्वास, विरोध को किया खारिज

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वे एच-1बी वीजा में विश्वास करते हैं, उन्होंने योग्य पेशेवरों के विरोध को लेकर चल रही खबरों को खारिज कर दिया। यह एक शानदार कार्यक्रम है, उन्होंने शनिवार को न्यूयॉर्क पोस्ट को एक फोन साक्षात्कार में बताया। अपने अनूठे अंदाज में उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहे हैं, मैं हमेशा से वीजा के पक्ष में रहा हूं। इसलिए हमारे पास ये हैं। उन्होंने रूपर्ट मर्डोक-नियंत्रित न्यूज कॉर्प का हिस्सा अखबार से कहा, मेरी संपत्तियों पर कई एच-1बी वीजा हैं। मैं एच-1बी में विश्वास करता रहा हूं। मैंने इसका कई बार इस्तेमाल किया है।

ट्रंप ने आव्रजन प्रणाली में सुधार का समर्थन किया है ताकि इसे योग्यता के अनुरूप ढाला जा सके। कनाडा या ऑस्ट्रेलिया की तरह एक अंक प्रणाली को अपनाया जा सके जो शैक्षणिक और रोजगार योग्यताओं को महत्व देती है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों से स्नातक करने वाले विदेशी छात्रों को उनके डिप्लोमा के साथ ग्रीन कार्ड मिले। उन्होंने इस साल अपने अभियान के दौरान कहा, मैं ो करना चाहता हूं और जो मैं वह यह है कि आप कॉलेज से स्नातक हों, मुझे लगता है कि आपको अपने डिप्लोमा के हिस्से के रूप में इस देश में रहने में सक्षम होने के लिए स्वचालित रूप से ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए। एच-1बी वीजा और उच्च योग्यता वाले व्यक्तियों के आव्रजन पर मतभेद ट्रंप तब उभरा जब उन्होंने एक भारतीय अप्रवासी श्रीराम कृष्णन को अपना एआई सलाहकार नियुक्त किया। सबसे पहले हमला लॉरा लूमर ने विरोध में आवाज उठाई। जिन्हें ट्रंप के वफादारों में से एक माना जाता है। उन्होंने मस्क के एक्स पर पोस्ट किया, श्रीराम कृष्णन की नियुक्ति को देखकर बहुत परेशान हूं। लॉरा ने दावा किया कि कृष्णन ग्रीन कार्ड की संख्या पर सभी पाबंदी हटाने की ख्वाहिश रखते हैं। डेविड सैक्स, जिन्हें ट्रंप ने क्रिप्टो और एआई जार का नाम दिया है और जो कृष्णन के बॉस होंगे, ने एक्स पर बताया कि उन्होंने केवल उन ग्रीन कार्डों की सीमा को हटाने का सुझाव दिया था जो अलग-अलग देशों को दिए जा सकते हैं, जबकि समग्र सीमा को बनाए रखा ताकि ग्रीन कार्ड उन लोगों को वितरित किए जा सकें जिनके पास बहुत अधिक बैकलॉग हैं।

जब कृष्णन के खिलाफ व्यक्तिगत हमले और झूठे आरोप लगे तो सैक्स फिर से उनके बचाव में आए और एक्स पर लिखा कि झूठ बस बदल गया, जिसमें उन पर कुछ हमले भी शामिल थे। मस्क ने व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाया और एक्स पर पोस्ट किया, मैं अमेरिका में इतने सारे महत्वपूर्ण लोगों के साथ हूं, जिन्होंने स्पेसएक्स, टेस्ला और सैकड़ों अन्य कंपनियों का निर्माण किया, जिन्होंने अमेरिका को मजबूत बनाया, इसका कारण एच-1बी है। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित किए बिना अमेरिका हार जाएगा।

अब एयर कनाडा विमान में लैंडिंग के दौरान लगी भयंकर आग, 200 से अधिक यात्री और क्रू मेंबर थे सवार

ओटावा , एजेंसी। कनाडा में हैलिफैक्स के स्टैन्जफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक भयावह घटना घटी जब एयर कनाडा का एक विमान मोन्ट्रियल से हैलिफैक्स आ रहा था और लैंडिंग के दौरान आग की चपेट में आ गया। यह हादसा रविवार को हुआ, जब विमान रनवे पर उतरने की कोशिश कर रहा था। जैसे ही विमान ने रनवे को छुआ, उसमें से धुंआ निकलने लगा और धीरे-धीरे विमान में आग लग गई। लैंडिंग गियर में किसी प्रकार की खराबी के कारण आग लगी, और यह विमान के पंखों तक फैल गई। घटना के बाद तत्काल एयरपोर्ट पर आपातकालीन सेवाएं सक्रिय हो गईं और दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

विमान के अंदर मौजूद यात्रियों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने के लिए इमरजेंसी शेड्स का इस्तेमाल किया गया। विमान में 200 से अधिक यात्री और क्रू सदस्य सवार थे, सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अभी तक किसी भी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के समय विमान के अंदर कोई भी हताहत नहीं हुआ और सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित रहे।

हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीती

इंडोनेशिया की इरीन सुखंदर को हराया, टूर्नामेंट में 11 में से 8.5 पॉइंट्स अर्जित किए

न्यूयार्क (एजेंसी)। भारत की कोनेरू हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीत लिया है। न्यूयॉर्क में खेले गए इस टूर्नामेंट में हम्पी ने फाइनल में इंडोनेशिया की इरीन सुखंदर को हराया। इससे पहले हम्पी ने साल 2019 में जॉर्जिया में हुए इस चैंपियनशिप को जीता था। भारत की नंबर 1 खिलाड़ी चीन की जू वेनजुन के बाद एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया।

हम्पी ग्रैंड मास्टर बनने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी –हंपी नेशनल बॉयज टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं। वे ग्रैंड मास्टर बनने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं। वे 2600 ईएलओ पॉइंट हासिल करने वाली सिर्फ दूसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनके पिता अशोक कोनेरू ने 5 साल की उम्र में उनकी प्रतिभा को पहचान लिया था। अशोक भी

शतरंज खेलते थे। उन्होंने हम्पी को ट्रेनिंग दी। अशोक प्रोफेसर थे। बेटी के शतरंज के सपनों को पूरा करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी और हंपी को ट्रेनिंग देने लगे। 6 और 7 साल की उम्र में हंपी ने स्टेट चैंपियनशिप जीत ली। इसके बाद अंडर-12, 14, 16 की नेशनल चैंपियन बन गईं।

रूस के वोलोडर मुर्जिन ने पुरुषों का खिताब जीता

रूस के 18 वर्षीय वोलोडर मुर्जिन ने मेन्स का खिताब जीता। मुर्जिन ग्रैंडमास्टर वर्ल्ड रैपिड चैंपियन जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे पहले नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव 17 साल की उम्र में खिताब जीता था।

चेस में इस साल भारत का रहा बेहतर प्रदर्शन

चेस में इस साल भारत का प्रदर्शन बेहतर रहा है। डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 12 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल में 7.5-6.5 से हराया था। इतनी कम उम्र में खिताब जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। वहीं सितंबर में हंगरी के बुडापेस्ट में हुए चेस ओलिंपियाड में भारत ने ओपन और विमेंस कैटेगरी में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। ओलिंपियाड के 97 साल के इतिहास में भारत ने दोनों कैटेगरी में पहली बार ही पहला स्थान हासिल किया। 11वें राउंड की ओपन कैटेगरी में भारत ने स्लोवेनिया को 3.5-0.5 से हराया। वहीं, विमेंस टीम ने अजरबैजान को 3.5-0.5 के अंतर से ही आखिरी राउंड हराया।

नीतीश के पिता ने गावस्कर के पैरों पर सिर रखा

पूर्व क्रिकेटर रो पड़े, कहा- आपके बलिदान की वजह से नीतीश रेड्डी जैसा हीरा मिला

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न टेस्ट में करियर का पहला शतक लगाने वाले नीतीश रेड्डी के पिता मुत्याला रेड्डी ने पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर से मुलाकात की। इस दौरान मुत्याला ने गावस्कर के पैरों पर सिर रखकर नमस्कार किया। गावस्कर ने मुत्याला को उठाया और गले से लगा लिया। इस इमोशनल मोमेंट पर गावस्कर भी रो पड़े। उन्होंने कहा, आपके बलिदान की वजह से भारत को नीतीश रेड्डी नाम का हीरा मिला है। हम जानते हैं कि आपने कितना त्याग किया है। बहुत संघर्ष किया है। आपकी वजह से मैं रो रहा हूं। आपकी वजह से भारत को हीरा मिला है, भारतीय क्रिकेट को हीरा मिला है। नीतीश के शतक के बाद मुत्याला ने हाथ जोड़ा। वे रो पड़े और कहा कि ये स्पेशल मोमेंट, कभी नहीं भूलेंगे।

पिता ने नीतीश के लिए नौकरी छोड़ दी थी

मुत्याला रेड्डी ने अपने बेटे की क्रिकेटिंग स्किल्स निखारने के लिए 2016 में हिंदुस्तान जिंक में अपनी नौकरी छोड़ दी। नीतीश ने भी अपने पिता के त्याग की चर्चा बीसीसीआई टीवी को दिए इंटरव्यू में की।

नीतीश ने कहा था, सच कहूं तो बचपन में मैं क्रिकेट के प्रति ज्यादा सीरियस नहीं था। मेरे पिता ने मेरे लिए नौकरी छोड़ दी थी। मेरी कहानी के पीछे मेरे पिता और परिवार का बहुत त्याग रहा है। एक दिन मैंने पैसे की कमी के कारण उन्हें रोते हुए देखा। तब मुझे एहसास हुआ कि इस तरह मजे के लिए क्रिकेट नहीं खेली जा सकती।

यहां से मैं क्रिकेट के प्रति पूरी तरह सीरियस हो गया। मैंने बहुत ज्यादा कड़ा परिश्रम किया और इसका मुझे रिजल्ट मिला। अब मुझे खुद पर गर्व है कि मेरे पिता अब खुश हैं।

सुनील गावस्कर ने दिया था स्टैंडिंग ओवेशन

नीतीश रेड्डी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच से टेस्ट में डेब्यू किया है। मेलबर्न में चौथे मैच के तीसरे दिन शनिवार को उन्होंने करियर का पहला शतक बनाया। नीतीश के शतक के बाद सुनील गावस्कर ने उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया था।

आलोचकों को गलत साबित करना चाहता था, नीतिश रेड्डी की शतकीय पारी के बाद पहली प्रतिक्रिया

मेलबर्न (एजेंसी)। नीतिश रेड्डी अपने आलोचकों को गलत साबित करना चाहते थे जो टेस्ट प्रारूप में उनकी काबिलियत पर संदेह करते थे और एमसीजी के प्रतिष्ठित मैदान पर शतक जड़कर उन्होंने यह संदेश दिया कि वह क्रिकेट के उच्चतम स्तर के खिलाड़ी हैं। कुछ पूर्व खिलाड़ी रेड्डी के टेस्ट खिलाड़ी के रूप में उभरने को लेकर संशय में थे जिसमें पूर्व मुख्य चयनकर्ता भी शामिल था। लेकिन छह पारियों में 293 रन बनाकर और 58 से अधिक के बल्लेबाजी औसत से उन्होंने इन सभी को करारा जवाब दिया है।

रेड्डी की 114 रन की पारी की बदौलत भारत पहली पारी में 369 रन बनाने में सफल रहा। इस शतक की बदौलत युवा बल्लेबाज ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। क्या आपको कभी लगा कि आप इस टीम में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी होंगे? रेड्डी ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद अपनी निराशा साझा करते हुए कहा, 'कुछ लोगों को मुझ पर संदेह था जैसे आईपीएल खेलने वाला कोई युवा खिलाड़ी इतनी बड़ी श्रृंखला में प्रदर्शन नहीं कर सकता। मैं जानता हूं कि बहुत से लोग इस तरह की बातें करते थे।

इस 21 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मैं बस उन्हें यह अहसास दिलाना चाहता हूं कि उन्होंने मेरे बारे में जो कुछ कहा है, वह गलत है और मैं यही कर रहा हूं। मैं लोगों को बताना चाहता हूं कि मैं भारतीय टीम के लिए अपना शत प्रतिशत देने के लिए यहां हूं। यह पूछे जाने पर कि वह पिछले एक महीने को कैसे देखते हैं जिसमें उनका जीवन बदल गया, उन्होंने तुरंत जवाब दिया 'मुझे लगता है कि आप लोगों के लिए यह एक या दो महीने ही हैं। लेकिन मेरे लिए यह पिछले दो से तीन साल हैं। मैं अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी पर कितनी मेहनत कर रहा हूं। रेड्डी ने 2024 आईपीएल की शुरुआत से पहले 'साइड-आर्म थ्रोडाउन' विशेषज्ञों की सेवायें ली थीं और उनके खिलाफ लगभग 18 गज की दूरी से 145 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से गेंद पर बल्लेबाजी का अभ्यास किया था।

असमान उछाल में बल्लेबाजी करना मुश्किल हो सकता है : मार्नस लाबुशेन

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में सर्वाधिक रन बनाने वाले मार्नस लाबुशेन ने रविवार को यहां कहा कि भारत के लिए ऐसे विकेट पर लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल हो सकता है जिसमें असमान उछाल है। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में नौ विकेट पर 228 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 333 रन की हो गई है।

लाबुशेन ने सर्वाधिक 70 रन बनाए जबकि निचले क्रम में पैट कमिंस (41), नाथन लियोन (नाबाद 41) और स्कॉट बोलैंड (नाबाद 10) ने उपयोगी योगदान दिया। लाबुशेन से जब पूछा गया कि पांचवें दिन पिच का व्यवहार कैसा होगा, उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है की पहली पारी में पिच से कुछ मूवमेंट मिल रहा था। निश्चित रूप से पहले 40 से 50 ओवर तक रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा लेकिन खेल आगे बढ़ने के साथ उछाल कम और असमान हो गई। इसलिए हमने देखा कि अधिकतर गेंद विकेट को निशाना बनाकर की गई।

उन्होंने कहा, 'सीम मूवमेंट शायद पहले जैसा ही है लेकिन अब कम गेंद उछाल ले रही है और ऐसे में बल्लेबाजी करना मुश्किल हो जाता है। लाबुशेन ने यह नहीं बताया कि उनकी टीम कल सुबह मौजूदा स्कोर पर ही पारी समाप्त की घोषणा करेगी या नहीं लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि चौथे दिन उनकी टीम ने रणनीति पर अमल किया। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खुशी हुई कि आप सोचते हैं कि मुझे यह पता है कि हमारी टीम पारी समाप्ति की घोषणा करेगी या नहीं।

सिनर, स्वियातेक के डोपिंग मामलों पर खिलाड़ियों को अंधेरे में रखा गया : जोकोविच

ब्रिसबेन (एजेंसी)। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को इस खेल में डोपिंग से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों से निपटने में 'दोहरे मापदंड' अपनाने की आलोचना की। जोकोविच चोट से उबर कर सोमवार से शुरू होने वाले 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे। अगले महीने शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच 2009 के बाद पहली बार 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' में भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट के एकल में उन्हें शीर्ष वरीयता मिली है। जोकोविच ने मौजूदा समय में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज यानिस सिनर के डोपिंग मामले के बारे में 'अंधेरे में रखे जाने' पर निराशा व्यक्त की। जोकोविच 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' के यूगल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस के साथ भी जोड़ी बनाएंगे। यह जोड़ी सोमवार से अपना अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा, 'मैं यह सवाल नहीं कर रहा हूं कि (सिनर ने) जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ लिया था या नहीं। हमने अतीत और वर्तमान में बहुत सारे खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों के लिए जांच में पॉजिटिव आने के कारण निलंबित होते देखा है। उन्होंने कहा, 'कम रैंकिंग वाले कुछ खिलाड़ी एक साल से अधिक समय से अपने मामले के सुलझने का इंतजार कर रहे हैं। मैं वास्तव में निराश हो हूं। हमें (सिनर मामले पर) कम से कम पांच महीने तक अंधेरे में रखा गया। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने सिनर और पूर्व महिला विश्व नंबर एक इगा स्वियातेक दोनों पर साल की शुरुआत में डोपिंग रोधी उल्लंघन का आरोप लगाया था। सर्बियाई खिलाड़ी ने डोपिंग उल्लंघनों के संबंध में टेनिस अधिकारियों की ओर से पारदर्शिता की कमी की भी आलोचना की।

मेलबर्न में सिर्फ एक बार चेज हुआ 300+ रन का लक्ष्य, क्या पांचवें दिन भारत रचेगा इतिहास?

● कमिंस के बाद लियोन ने संभाला, ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 333 रन की लीड ● बुमराह ने चार जबकि सिराज ने अभी तक 3 विकेट अपने नाम किए

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट के रूप में खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के चौथे मैच में मेजबान टीम ने चौथे दिन 9 विकेट के नुकसान पर 228 रन बनाते हुए 333 रन की लीड हासिल कर ली है। दूसरे पारी में तेज गेंदबाज चमके जिन्होंने कुल 7 विकेट अपने नाम किए। इसमें बुमराह ने चार जबकि सिराज ने अभी तक 3 विकेट अपने नाम किए हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से दूसरी पारी में मार्नस लाबुशेन (139 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 70 रन) के बाद पैट कमिंस की 41 रन की पारी प्रभावी रही। नाथन लियोन ने अंत में आकर पासा पलटने की कोशिश की और इस दौरान उन्हें बोलैंड का भी साथ मिला। दोनों ने चौथे दिन विकेट बचाए रखा जिससे ऑस्ट्रेलिया को मजबूती मिली।

अब भारत को मेलबर्न में इतिहास भी रचना होगा और इस मैदान पर सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करना होगा, क्योंकि इससे पहले मेलबर्न में टेस्ट में सबसे सफल चेज 332 रन का था, जो इंग्लैंड ने 1928 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की सीरीज का चौथा टेस्ट मेलबर्न में खेला जा रहा है। इस बॉक्सिंग डे टेस्ट के चौथे दिन का खेल खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में नौ विकेट गंवाकर 228 रन बना लिए हैं। पहली पारी के आधार पर उनके पास 105 रन की बढ़त थी। ऐसे में टीम की कुल बढ़त 333 रन की हो चुकी है। अब तक

मेलबर्न में सिर्फ एक बार 300 से ज्यादा रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक चेज किया गया है।

टेस्ट क्रिकेट में शुरूआती कदम रखने वाले नीतिश कुमार रेड्डी ने भारत के लिए 'संकटमोचक' की भूमिका निभाते हुए चौथे टेस्ट के तीसरे दिन नाबाद शतक लगाकर आस्ट्रेलिया की जीत की उम्मीदों को झटका दिया है। रेड्डी के नाबाद 105 रन की मदद से भारत ने बारिश के कारण तीसरे दिन का खेल जल्दी समाप्त किए जाने तक 9 विकेट पर 358 रन बना लिए हैं।

आस्ट्रेलिया के पहली पारी के 474 रन से भारत अभी भी 116 रन पीछे है। एमसीजी की सपाट पिच पर गेंदबाजों को कोई मदद नहीं मिलती देख अब टेस्ट बचाना भारत के लिए बहुत मुश्किल नहीं होना चाहिए। इस श्रृंखला में भारत की खोज रहे रेड्डी को इसका पूरा श्रेय जाता है। उन्होंने जुझारूपन की मिसाल पेश करते हुए वॉशिंगटन सुंदर (162 गेंद में 50 रन) के साथ 127 रन की अहम साझेदारी की जो भारत के लिये निर्णायक मोड़ रही।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रेड्डी की पारी को सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारियों में से एक बताया। ऋषभ पंत के गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर विकेट गंवाने के समय भारत का स्कोर छह विकेट पर 191 रन था। आंध्र के युवा बल्लेबाज का स्कोर 99 रन था जब जसप्रीत बुमराह आउट हो गए। इस समय रेड्डी और आखिरी बल्लेबाज मोहम्मद सिराज क्रीज पर थे। सिराज के आने पर दर्शकों ने फिर उनकी हूटिंग की लेकिन उन्होंने मेजबान कप्तान पैट कमिंस की तीन गेंद संभलकर खेली। हर गेंद के बाद रेड्डी और दीर्घा में बैठे उनके पिता के चेहरे के भाव बदल रहे थे लेकिन सिराज ने तीन गेंद संभलकर खेली और रेड्डी को वह पल दिया जिसका सपना वह हजारों बार देख चुके थे। स्कॉट बोलैंड को सीधे चौका लगाकर रेड्डी ने अपना शतक पूरा किया और घुटने के बल बैठकर बल्ले पर हेलमेट रखकर भारतीय डगआउट के प्रति आभार व्यक्त किया। भारतीय खिलाड़ियों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया।

रेड्डी ने अपनी पारी में 10 चौके और एक छक्का लगाया। सुबह के सत्र में जहां ऋषभ पंत का गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाना भारत को भारी पड़ा वहीं दूसरे सत्र में रेड्डी ने जबर्दस्त संयम का प्रदर्शन किया। भारत ने पहले सत्र में 80 रन बनाए। पंत 37 गेंद में 28 रन बनाकर खराब शॉट खेलकर आउट हुए। एमसीजी पर तीसरा दिन बल्लेबाजों के लिये शानदार था चूंकि घास हट चुकी थी और कूकाबुरा से गेंदबाजों को कोई मदद नहीं मिल रही थी। पंत अगर टिककर खेलते तो बड़ी पारी खेल सकते थे। रविंद्र जडेजा (51 गेंद में 17 रन) और पंत ने दिन की अच्छी शुरूआत की। पंत ने कुछ चौके भी लगाए लेकिन लांग लेग पर गैर जरूरी रिवर्स लैप पुल शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा दिया।

स्कॉट बोलैंड की गेंद पर जब उन्होंने पहली बार यह शॉट खेलने का प्रयास किया तो गेंद नाभि के पास लगी और वह दर्द में दिखे। वह उठे और उन्हें समझ में नहीं आया कि पैट कमिंस ने डीप फाइन लेग और डीप थर्डमैन पर फील्डर लगा दिया है ताकि रिवर्स और रिवर्स लैप शॉट रोक सके। पंत ने फिर वही शॉट खेला और अतिरिक्त उछाल के कारण गेंद सीधे थर्डमैन पर फील्डर के हाथ में गई। इसके बाद रेड्डी ने संभलकर खेला और कुछ अच्छे स्ट्रोक्स लगाये । इस बीच जडेजा को नाथन लियोन ने पगबाधा आउट कर दिया।

मेलबर्न में टेस्ट में सबसे सफल रन चेज

लक्ष्य (रन)	टीम	खिलाफ	साल
332	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	1928
297	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	1895
295	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	1953
286	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	1929
282	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	1908

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलिया - उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

भारत - यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप

आस्ट्रेलिया -भारत

यशस्वी जायसवाल ने चौथे दिन 3 कैच छोड़े, रोहित शर्मा भड़के

मेलबर्न (एजेंसी)। बॉक्सिंग डे टेस्ट के चौथे दिन दूसरे सत्र के दौरान युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल द्वारा सीधा कैच छोड़े जाने

के बाद रोहित शर्मा स्लिप कॉर्डन में गुस्से में दिखे। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में एक महत्वपूर्ण क्षण में मौका चूक गया, जिससे 46 रन पर अच्छी तरह से जमे मार्नस लाबुशेन को एक अतिरिक्त जीवनदान मिला।

रोहित आमतौर पर शांत और संयमित रहते हैं, लेकिन वह अपनी हताशा को छिपा नहीं पाए और महंगे कैच के बाद गुस्से में हवा में मुक्का मारने लगे। जब लाबुशेन ने आकाश दीप को गेंद पर मौका दिया, तब भारत 99 रन पर 6 विकेट खोकर मजबूत स्थिति में था। जायसवाल ने कठोर हाथों से कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद जमीन पर गिर गई। यह यशस्वी द्वारा चौथे दिन छोड़ा गया दूसरा कैच था।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पारी के तीसरे ओवर में, उन्होंने उस्मान ख्वाजा को आउट करने का मुश्किल मौका गंवा दिया, जो 2 रन पर थे। लेग में खड़े जायसवाल ख्वाजा की शक्तिशाली फ्लिक पर जल्दी से प्रतिक्रिया करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। ख्वाजा ने इसका फायदा उठाया और मोहम्मद सिराज द्वारा आउट होने से पहले 19 रन जोड़े।

बुमराह के 200 टेस्ट विकेट पूरे, संयुक्त रूप से दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट के चौथे दिन के खेल के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट पूरे करने वाले रविंद्र जडेजा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन गए। बुमराह ने लंच के बाद के सत्र में ट्रेविस हेड (01) को अपना 200वां शिकार बनाया जिससे उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 200 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में जडेजा की बराबरी की। बुमराह और जडेजा दोनों ने अपने 44वें टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की और वह टेस्ट क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले 12वें भारतीय गेंदबाज हैं। हाल ही में संन्यास लेने वाले भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन 200 विकेट लेने वाले भारतीयों की सूची में सबसे तेज हैं। उन्होंने अपने 37वें टेस्ट

में यह उपलब्धि हासिल की थी। अश्विन सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दुनिया में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे दो लेग स्पिनर हैं- पाकिस्तान के यासिर शाह (33 टेस्ट) और ऑस्ट्रेलिया के क्लेरी ग्रिमेट (36 टेस्ट)। हेड को आउट करने के बाद बुमराह ने मिचेल मार्श (00) को विकेट के पीछे कैच कराया जिससे उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने विकेटों की संख्या 28 पर पहुंचा दी। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज सैम कोन्स्टास (08) को आउट करके पहला विकेट लिया था।

एक अनूठा कारनामा - टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी गेंदबाज ने 200 या उससे अधिक विकेट 20 से कम के औसत से लिए हों। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज गेंदबाज मैल्कम मार्शल के नाम था, जिन्होंने 376 विकेट 20.94 के औसत से लिए थे। बुमराह ने न केवल मार्शल के इस रिकॉर्ड को तोड़ा बल्कि टेस्ट क्रिकेट में एक नया इतिहास स्थापित किया है।